जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Diabetes And Fruit? Go On... Maybe, you've stood in the produce aisle looking at a ripe apple or a juicy bunch of grapes and thought, "I can't risk it."

There Is A (WASp) To Help Repair

Closer Than Ever Before "Parker Solar Probe" 'touching the Sun' is a monumental moment for solar science

अहमदाबाद विमान क्रैश में 241 की मौत

लंदन जा रहा एयर इंडिया का बोइंग विमान उड़ान भरते ही रिहायशी इलाके में गिरा

अहमदाबाद, 12 जून। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अपराह्न सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या एआई 171 में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

- **करीब सवा आठ सौ फिट की ऊँचाई पर जाने के बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा और हवाई अड्डे की परिधि के बाहर मेधावी नगर रिहायशी इलाके के एक अस्पताल परिसर में गिरा, गिरते ही विमान में आग लग गई।**

इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक , 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कैनडा का नागरिक हैं। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का नाम भी शामिल है। यह विमान एयरलाइंस के बेड़े में 2016 में शामिल किया गया था। डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिये हैं।

डीजीसीए के एक वक्तव्य में कहा गया है कि एयर इंडिया के विमान वीटी-एएनबी ने अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन तुरंत बाद ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के पास थी और उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। कैप्टन सुमित सभरवाल 8200 घंटों के अनुभव वाले पायलट हैं। सह-पायलट के पास 1100 घंटों का उड़ान अनुभव था।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, विमान ने रनवे संख्या 23 से अपराह्न एक बजकर 39 मिनट पर उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद, इसने एटीसी को "मे डे", यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गयी कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद, विमान हवाई अड्डे के निकट रिहायशी इलाके में गिर गया और दुर्घटना स्थल से काले धुएं के गुबार उठने लगे।

हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे से सभी उड़ानों के आवागमन को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। विमान करीब सवा आठ सौ फुट की ऊंचाई पर जाने के बाद तेजी से नीचे आने लगा और हवाई अड्डे की परिधि के बाहर रिहायशी इलाके में एक अस्पताल के परिसर में गिरते ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अपराह्न सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री जिंदा बचा है, बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

विमान दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की मृत्यु

अहमदाबाद, 12 जून। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मृत्यु हुई है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री एवं गुजरात भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष सीआर पाटिल ने रुपाणी के मृत्यु की पुष्टि की है। रुपाणी एयर इंडिया के उस विमान में सवार थे जो गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 230 यात्री, दो पायलट तथा चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में एक यात्री जीवित बचा है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मोदी, शाह, खड़गे, ने विमान हादसे पर शोक जताया

नयी दिल्ली, 12 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अनेक नेताओं ने गुजरात के अहमदाबाद शहर में गुरूवार को हुए विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जतायी है।

मोदी ने इसे दिल दहलाने वाली घटना बताते हुए कहा कि प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हरसंभव कदम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्लेन क्रैश क्यों हुआ?

हवाई जहाज के दोनों इंजनों ने एक साथ काम करना बंद कर दिया था, इसलिए प्लेन पूरी तरह से टेकऑफ नहीं कर पाया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। भारत और विश्व के विमानन इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक आज उस समय घटी, जब करोड़ों भारतीयों के सपनों के साथ-साथ एक बोइंग ड्रीमलाइनर विमान भी अहमदाबाद से लंदन जाते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

विमान में यात्रा कर रहे 242 यात्रियों में से एक व्यक्ति चमत्कारी रूप से बच गया, लेकिन 787 जैसे अत्यंत मज़बूत और आधुनिक विमान के इस हादसे ने देश और दुनिया को हिलाकर रख दिया है।

- **दूसरी थ्योरी है कि हवाई जहाज के "विंग्स" पर लगे "फ्लैप्स" नहीं खुले तथा विंग्स पर चिपके ही रहे। अतः विमान ऊँचाई नहीं पकड़ पाया। ऊँचाई पकड़ने के लिए फ्लैप्स 15 से 20 डिग्री का कोण बनाते हुए खुले होने चाहिए। फ्लैप्स के खुलने से दवाब बनता है, जो हवाई जहाज को ऊँचाई पकड़ने में मदद करता है।**
- **भीषण गर्मी थी तथा "फ्यूल टैंक" पैट्रोल से पूरे भरे हुए थे, लम्बी यात्रा के लिए। अतः ऊँचाई पकड़ने के लिये पूरा "थ्रस्ट' मिलना चाहिए था और फ्लैप्स न खुलने से तथा जहाज पर "फ्यूल टैंक" पैट्रोल से भरे होने के कारण काफी वजन था। अतः प्लेन को ऊँचाई पकड़ने के लिए आवश्यक "थ्रस्ट" नहीं मिल पाया।**

आखिर हुआ क्या था? इस समय सब कुछ विशेषज्ञों की अटकलों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्रैश में बचा एक मात्र यात्री टहलता नज़र आया

अहमदाबाद, 12 जून। "जाको राखे साइयाँ मार सके ना कोय..."। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में यह उक्ति फिर सही साबित हुई है। इस भीषण हादसे के बाद भी एक यात्री सकुशल बचा। हादसे के बाद वह घटनास्थल पर टहलता हुआ नजर आया। उसने न केवल मीडिया से बात की, बल्कि यह भी बताया कि हादसे में वह कैसे बचा। इस हादसे में जिंदा बचे शख्स का नाम रमेश विश्वास कुमार। रमेश विश्वास कुमार सीट नंबर-11 पर बैठे था।

- **सीट नं. 11 पर बैठा रमेश विश्वास कुमार प्लेन क्रैश होते ही कूद गया था।**

रमेश विश्वास कुमार गुजरात के पास स्थित केंद्रशासित प्रदेश दीव का रहने वाला है। जैसे ही प्लेन क्रैश हुआ, वैसे ही वह कूद गया था। पुलिस ने भी कन्फर्म किया है कि जो आदमी बचा उसका नाम विश्वास रमेश कुमार है। रमेश कुमार विश्वास ने बताया हादसे के बाद जोरदार धमाका हुआ, चारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने विमान दुर्घटना में मृत राजस्थान के 11 यात्रियों के परिजनों को फोन पर ढांढ़स बंधाया

उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त किये तथा शोक संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त विमान में राजस्थान के यात्री उदयपुर, बाँसवाड़ा, बीकानेर और बालोतरा के निवासी थे। जिला प्रशासन सभी के परिजनों से संपर्क में है और हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रहा है।**
- **राजस्थान प्रदेश भाजपा ने विमान दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया तथा 13 जून तक अपने सभी प्रस्तावित कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया।**

जयपुर, 12 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को हुई अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दु:ख जताते हुए, इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। शर्मा ने हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर भी संवेदनाएं जतायी हैं। शर्मा ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। इस कठिन समय में मैं दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा गुजरात सरकार और केन्द्र सरकार इस हादसे से उत्पन्न स्थिति को संभालने में जुटी हुई हैं और पड़ोसी राज्य होने के नाते राजस्थान सरकार भी हरसंभव सहयोग को तैयार है।

शर्मा ने कहा कि अब तक इस विमान में राजस्थान के 11 यात्रियों के सवार होने की जानकारी मिली है। ये यात्री उदयपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर और बालोतरा जिलों के निवासी थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाटा समूह एक-एक करोड़ रू. आर्थिक सहायता देगा

मुंबई, 12 जून। टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये नगद सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने 'एक्स' पर एक बयान में एयर इंडिया की अहमदाबाद लंदन की उड़ान संख्या 171 की दुर्घटना पर समूह की ओर से गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, टाटा समूह इस त्रासदी में प्राण गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये देगा। हम घायल व्यक्तियों के इलाज का पूरा खर्च उठायेंगे और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उन्हें पूरी मदद मिले और उनका ध्यान रखा जाये।

- **घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठायेगा तथा छात्रावास भवन के पुनर्निमाण में मदद करेगा।**

चंद्रशेखरन ने इसके अलावा अहमदाबाद के बीजे मेडिकल्स के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काफी बेचैनी सी है, भाजपा के कैडर में जातिगत जनगणना के मुद्दे पर

बेचैनी केवल राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पार्टी के मूल दर्शन के कारण भी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। मोदी सरकार ने हालांकि जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी, लेकिन खुद प्रधानमंत्री और भाजपा को इससे हिचक रही है और पार्टी इसका विरोध कर रही है क्योंकि यह राजनीतिक और सामाजिक रूप से एक जटिल मुद्दा है।

- **भाजपा "व्यापक हिंदू समाज" की परिकल्पना पर आधारित है, जबकि, जातिगत जनगणना "छोटी-छोटी जातियों" की पहचान उभार कर जातिगत भागों व विभाजन को उभारती है।**

जाति जनगणना का अर्थ है, राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हवाई जहाजों व हवाई यात्रा में "सेफ्टी" का मुद्दा अब सबसे अहम् हो गया है

सरकार "नागरिक उड्डयन" की दृष्टि से भारत को अंतर्राष्ट्रीय "हब" (केन्द्र) बनाने के सपने सजो रही थी। पर, इस प्रयास को भारी धक्का लगा है, अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। गुरुवार को अहमदाबाद में यात्री विमान एआई-171 की दुखद दुर्घटना ने न केवल देश को झकझोर दिया है, बल्कि विमानन सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को एक बार फिर से केन्द्र में ला दिया है। एयर इंडिया द्वारा संचालित यह 11 साल पुराना विमान आधुनिक तकनीक से लैस था और इसका रूटीन निरीक्षण भी किया गया था, फिर भी यह एक भयावह हादसे का शिकार हो गया, जिसे विशेषज्ञ हाल के वर्षों की सबसे बड़ी विमान दुर्घटनाओं में से एक बता रहे हैं।

हवाई दुर्घटना में मारे गए लोगों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी शामिल हैं, जिसकी पुष्टि राज्य भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने की है।

- **यह भावना जोर पकड़ रही है कि सिविल एविएशन सैक्टर बड़ी स्वस्थ गति से बढ़ रहा था। यात्री बढ़ रहे थे, नई हवाई पट्टियों की संख्या जोरों से बढ़ रही थी। पर, हवाई जहाजों की देख-रेख व सेफ्टी की दृष्टि से रख-रखाव व टैस्टिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर उस गति से नहीं बढ़ा है। चूक होने का बस इन्तज़ार सा ही था।**
- **कांग्रेस ने इस मुद्दे पर, सरकार को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया कि "प्राइवेटाइज़ेशन" पर सरकार का ज्यादा जोर था, पैसेंजर सेफ्टी पर कम।**
- **एयर इंडिया का जहाज आधुनिकतम साज-सामान व टैक्नॉलजी से सुसज्जित था, पर, यह भी सच है कि प्लेन दस साल से कार्यरत है। इस लम्बी अविधि में प्लेन में अंदर ही अंदर कितनी "वेयर एण्ड टेयर" (टूट-फूट) हुई है, सतही निरीक्षण से पकड़ने में नहीं आता। अतः हवाई जहाजों का गहराई से आंतरिक इन्स्पैक्शन होना जरूरी है। पर, शायद इसके लिए हम अभी मानसिक रूप से व तकनीकी सुविधाओं से निरीक्षण करने के लिए मशीन व मैन पावर से सुसज्जित नहीं हैं।**

विमान में सवार अधिकांश लोगों के मारे जाने की आशंका है। जबकि, अहमदाबाद के विभिन्न अस्पतालों में अब भी 43 से अधिक घायल लोगों का इलाज चल रहा है। इस हादसे में जीवित बचे एक यात्री रमेश विश्वास कुमार ने दुर्घटना का प्रत्यक्ष विवरण दिया है। दुर्घटना में हुई मौतों की समीक्षा चल रही है।

हालांकि यह पहला अवसर है, जब किसी बोइंग 787 विमान की घातक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आत्मा को न शस्त्र काट सकता है, न आग जला सकती है, न जल भिगो सकता है और न हवा सुखा सकती है। –भगवत गीता

पर्व ईद-उल-अज़हा को मनाने के लिये जानवरों (बकरे) की कुर्बानी देने के स्थान पर हम सब एक राय से उसके विकल्प पर क्यों न विचार करें?

हमारे देश का संविधान देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्र प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिये दृढ़ संकल्प होने का आव्हान करता है।

संविधान ने हमें मूल अधिकार दिये और संविधान के अनुच्छेद 51क में घोषणा की कि इस देश के प्रत्येक नागरिक के कुछ मूल कर्त्तव्य होंगे जो संक्षेप में इस प्रकार है:–

''वह संविधान की पालना करे, भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे, वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति करूणा भाव रखे, हिंसा से दूर रहे''।

संविधान के अनुच्छेद 48क में राज्य को निर्देश दिया है कि वह वन्य जीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद 48क की व्याख्या करते हुये सुप्रीम कोर्ट ने टी.एन. गोदावर्मन थिरूमुलपाद बनाम भारत संघ एवं अन्य; एआईआर 2012 एस.सी 1254 के निर्णय में स्पष्ट किया कि जीने के अधिकार में अच्छे स्वास्थ्य एवं बेहतर जीवन यापन के लिये स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार भी सम्मिलित है।

भारत में हिन्दू धर्म के मंदिरों में पशुबलि दी जाती थी। टोंक में ऊँटों की बलि होती थी और देवी मां के मंदिरों में भैंसों की बलि दी जाती थी।

क्योंकि संसार की बडी आबादी मांसाहारी है, अत: पशुशालाओं को कुछ पशुओं को कत्ल करने की अनुमति दी गई है; किन्तु Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 के तहत् कई प्रतिबंध निर्धारित किये हैं और अपेक्षा की है कि पशुओं को कष्ट नहीं होगा। इसके अतिरिक्त मांस के लिये किये जाने वाले पशु को केवल पशुशालाओं में ही काटा जा सकता है।

संविधान प्राणी मात्र के प्रति करूणा का भाव और हिंसा से दूर रहने का निर्देशन देता है, किन्तु ईश्वर की कृपा हेतु पशुबलि/कुर्बानी को ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के औचित्य को स्वीकार नहीं करता; इसके विपरीत अनुच्छेद 51क(ज) में नागरिकों का यह कर्त्तव्य निर्धारित करता है कि वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करेंगे। प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अन्तर्गत झील, वन, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करेंगे और सम्वर्धन करेंगे तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखेंगे। प्राणी में सभी प्रकार के जानवर अर्थात् बकरे आदि भी आते हैं।

कम्बोडिया के लोग पहाड़ों में भी आत्मा का वास होने की बात करते हैं। हम नदियों को देवी मां के रूप में देखते हैं और उनमें भी मानवीय स्पन्दन जैसी अनुभूति होती है मानते हैं। इस विचारधारा को कुछ उच्च न्यायालयों ने अपने निर्णय में सही माना है।

देश के 29 राज्यों में से 20 राज्यों में गायों तथा दुधारू जानवरों व बोझ ढोने वाले पशुओं के वध को अमान्य माना है और सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 48 व 48क व 51क के आधार पर इन प्रावधानों को प्रवर्तनीय माना है। गो सेवा संघ के केस में यहां तक कह दिया है कि पशु वध के निषेध पर इस बात का कोई असर नहीं होगा कि वे पशु कालान्तर में बोझा ढोने व दूध देने के योग्य नहीं रहे। देश के The Wild Life (Protection) Act, 1972 ने जंगली जानवरों को अभयदान दिया है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा मय जीवन जीने का अधिकार देता है और जीने का अधिकार आधारभूत व्यक्ति का Human Right (मानव अधिकार) है। अनुच्छेद 21 में शब्द स्पमि की व्याख्या करते हुये इसके विस्तृत रूप में Animal Life (पशु जीवन) को भी शामिल किया गया है। मूल कर्त्तव्यों में भी प्राणी मात्र के प्रति करूणा भाव रखने का उल्लेख है। इसी बात को इशोपनिषध में सभी Species के प्रति समान भाव रखने पर जोर दिया है। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (PCA Act) का उद्देश्य भी पशुओं के प्रति करूणा भाव और उनके जीवन की सुरक्षा पर जोर दिया है। कुरान में अल्लाह को Most Gracious, Most Merciful विशेषण से सम्बोधन दिया है।

यदि हम Universal Declaration of Animal Welfare (DWAW) जो एक अभियान है पर विचार करें तो पायेंगे कि World Society for the Protection of Animals Welfare इसका समर्थन करते हैं, भारत भी एक सहयोग देश है। World Health Organisation of Animal Health (OIE) जिसका भारत सदस्य है, वह WTO का एक अभिन्न अंग है, जिसके 178 सदस्य देश हैं जिनमें भारत एक देश है। यह प्रक्रिया इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय संधि का दर्जा देते हैं, जिसका निर्देश सदस्यों के लिये बाधकारी है। OIE ने 5 अन्तर्राष्ट्रीय निर्देश जानवारों की स्वतंत्रता व पीड़ा विहीन जीवन के लिये स्वीकार किये है। ये निर्देशन PCA Act की धारा 3 से 11 में मिलते हैं ये उसी प्रकार की जानवरों के अधिकार हैं, जो मानव अधिकार के रूप में संविधान के चेप्टर–III में है। पशुओं के इन अधिकारों को वही मान्यता है जो चेप्टर–III ने संविधान में मिलती है। सरकार भी इन्हें मानने को बाध्य है। ये अन्तर्राष्ट्रीय संधि की तरह देश की अदालतों में Enforceable हैं।

ईदगाह में यशस्वी शहर काजी खालिद उस्मानी जी नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोगों की मौजूदगी में गत शनिवार को पर्व पर सबको बधाई दी है। उन्होंने लोगों को नसीयत दी कि पर्व के समय दूसरे मजहब के लोगों की भावनाओं का ध्यान रखें और कुर्बानी के लिये गंदगी न हो इस पर ध्यान दें। खालों की उचित व्यवस्था करें। इस पर्व पर घर आने वाले दूसरे धर्म के मेहमानों को मिठाई, मिल्क सेक, सेवई की व्यवस्था की जाती है।

PCA Act की धारा 28 धार्मिक प्रथाओं के लिये अपवाद है अत: सुप्रीम कोर्ट ने पशुबलि (कुर्बानी) को एक सीमा तक धार्मिक प्रथा मानकर PCA Act में अपवाद मानते हुये Closed एवं प्राइवेट क्षेत्र में स्वीकृति पशुबलि की दी है; किन्तु इस बिन्दु पर विचार नहीं किया कि क्या ईद–उल–अज़हा पर्व पर कुर्बानी देना मुस्लिम धर्म की एक Essential Religious प्रेक्टिस है तथा क्या उक्त प्रथा को निषेध किये जाने से संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 का Violation तो नहीं होगा, क्योंकि हमें उक्त अनुच्छेदों को संविधान के अनुच्छेद 21, 48, 48क, 51क के संदर्भ में देखना होगा। हमें PCA एक्ट की धारा 11 व 28 की परीक्षा उक्त अनुच्छेदों की पृष्ठभूमि में करनी होगा। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि अन्तर्राष्ट्रीय संधि की पालना करना देश का कर्त्तव्य है। धारा 28 का उद्देश्य है कि पशु की बलि (कुर्बानी) करना अपराध नहीं है, यदि पशुबलि धर्म सम्मत हो यानी AIR 195 SC 282 के निर्णय के अनुसार बकरे की बलि धर्म का अभिन्न अंग हो और उसका सम्बन्ध Doctrine of Religion से हो। बकरे को मारना इस प्रकार Essential Religious प्रेक्टिस नहीं है। इन बिन्दुओं पर सुप्रीम कोर्ट में सम्भवत: कभी बहस ही नहीं हुई। अत: PCAAct की धारा अवैध और Ultra vires है।

ईद–उल–अज़हा पर्व के रूप में उस घटना की याद में मनाया जाता है जब हज़रत अब्राहिम ने Sacrifice किया था। चूंकि अब्राहिम ने अल्लाह की Command की पालना की थी अब्राहिम ने अल्लाह की आज्ञा में अपने पुत्र की कुर्बानी स्वीकार दी थी। अल्लाह ने हस्तक्षेप किया और अपने Angel जिब्राइल से अब्राहिम को सूचना भेजी कि उसका बलिदान पहले ही स्वीकार हो चुका है अत: उसे Reward दिया गया। कुरान (37:100:111) में अल्लाह ने Ordain किया है, "Those who do good shall be rewarded", बकरे की कुर्बानी करना अच्छा काम नहीं कहा जा सकता। ईद–उल–अज़हा तो बकरे की कुर्बानी देकर मनाया जाता है, जबकि अब्राहिम ने अल्लाह की Comman् को माना था उस पर अमल नहीं हुआ था। बकरे का गोश्त (पकाकर) परिवारजन, पडोसी व दोस्त को उल्लास के साथ परोसा जाता है।

इस विषय को समझने के लिये हमें संविधान The Prevention of Cruelty Act, 1960; Wild Life (Protection) Act, 1972; States द्वारा बनाये गये The Prohibition of Bird and Animal Sacrifice Act, Local Municipal Acts, Local Panchayat Acts, International Covenants, संविधान की ग्यारहवीं व बारहवीं अनुसूची। हिन्दुओं ने समय की पुकार को स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, रामकृष्ण परमहंस के प्रवचनों द्वारा पशुबलि के निषेध के महत्व को समझा। यह क्रूर प्रथा कई राज्यों में कानून द्वारा निषेध हो चुकी है।

ईदगाह में यशस्वी शहर काजी खालिद उस्मानी जी नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोगों की मौजूदगी में गत शनिवार को पर्व पर सबको बधाई दी है। उन्होंने लोगों को नसीयत दी कि पर्व के समय दूसरे मजहब के लोगों की भावनाओं का ध्यान रखें और कुर्बानी के लिये गंदगी न हो इस पर ध्यान दें। खालों की उचित व्यवस्था करें। इस पर्व पर घर आने वाले दूसरे धर्म के मेहमानों को मिठाई, मिल्क सेक, सेवई की व्यवस्था की जाती है।

देश के चीफ काजी जब इस प्रकार का संदेश दे रहे हैं तो नि:सन्देह मुझे उम्मीद है कि हम सब ऐसे प्रबुद्ध व्यक्तियों से मिलकर प्रयास करें तो कुर्बानी का कोई विकल्प निकाल सकते हैं। जहां जहां भैंसों की बलि बंद हुई है वहां वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। मंदिरों में कुकुम्बर काटा जाता है कहीं नारियल फौडे जाते हैं, आदि जिन्हें समाज के सभी लोगों को व पिछडे, गरीबों आदि में वितरित किया जाता है। त्यागना है तो अपनी बुराईयों को छोडें। आइये मिलजुल भाईचारे के वातावरण में जानवरों (बकरे–भेडों) की कुर्बानी का शाकाहारी विकल्प तलाश करें।

विश्व के दो व्यक्तियों ने बीड़ा उठाया है कि शाकाहारी बनो और विश्व को बचाओ। एक है जॉन रोबिन्स की बहुचर्चित पुस्तक **The Food Revolution: How Your Diet Can Help Save Your Life and Our World" और दूसरी है दी सुप्रीम मास्टर चिंगहाई की पुस्तक **From Crisis to Peace: The Organic Vegan Way Is The Answer** दोनों ने अकाटय प्रमाणों से प्रमाणित किया है कि शाकाहारी बनकर धरती को विनाश होने से बचाया जा सकता है।

सबको सन्मति दे भगवान!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

जल संरक्षण की पारंपरिक तकनीकों से वंदे गंगा अभियान को सफलता मिलेगी

अंजलिका पंवार

रेतीले राजस्थान की तपती ज़मीन पानी की हर बूँद का महत्व समझती है। यही कारण है कि हर राजस्थानी पानी बचाने को सबसे ज्यादा महत्व देता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 5 जून से 20 जून तक चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान राजस्थान में जल संरक्षण की इसी अलख को जगा रहा है। दरअसल राजस्थान में यह पंक्तियाँ हर किसी की ज़ुबान पर रहती हैं–

''**जळ थोड़ो नेह घणो**''

राजस्थान की शुष्क धरा पर गिरती पानी की एक–एक बूंद सभी प्रदेशवासियों के जीवन में वही स्थान रखती है, जितना कि हरे–भरे वृक्षों की हर डाली पर जीवन की सांसें। जल संरक्षण की प्राचीन परंपराएं वर्तमान परिस्थितियों में भी कारगर हैं। भजनलाल सरकार इन्हें संरक्षित और पोषित करने का प्रयास कर रही है। जल संरक्षण की इन्हीं परम्परागत तकनीकों से राजस्थान के शुष्क एवं अर्ध शुष्क जलवायु में जल संरक्षण सहज बन रहा है। जानते हैं इन पारंपरिक तकनीकों के बारे में–

जोहड़ :– जोहड़ मिट्टी के छोटे बांध होते हैं जो वर्षा के पानी को संचित करते हैं और उसे जमीन में रिसने देते हैं, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होती है। जोहड़ कुओं के जल स्तर को बनाए रखते हैं जिससे पीने और खेती के लिए बड़ी मदद मिलती है। इनके निर्माण में सामुदायिक सहयोग शामिल होता है जिससे स्थानीय निवासियों को जल आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

बावड़ी :–बावड़ी गहरे, बहु–मंजिला कुएँ होते हैं जिनमें पानी तक पहुँचने के लिए सीढ़ियाँ होती हैं। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में बावड़ियाँ न केवल पीने के पानी और सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि ये सामाजिक मिलन स्थल के रूप में भी कार्य करती हैं। इनके निर्माण में कला और स्थापत्य का अनोखा संगम देखने को मिलता है, जैसे कि दौसा की आभानेरी, जोधपुर की तोरी और जैसलमेर की पटवा बावड़ी स्थापत्य कला की बेजोड़ प्रस्तुति हैं। आज के दौर में प्राचीन समय में निर्मित बावड़ियां पर्यटन का भी एक अच्छा स्त्रोत साबित हो रही हैं। इसको इस तथ्य से समझा जा सकता है कि आभानेरी बावड़ी दौसा जिले का सबसे महत्वपूर्ण ट्यरिस्ट स्पॉट है।

टांका :– टांका भूमिगत टैंक या जलाशय होते है जो छत और आँगन से वर्षा जल को एकत्रित और संचित करता हैं। अमूमन टांके घरों और स्कूलों में बनाए जाते हैं ताकि पीने के पानी का स्थायी स्त्रोत मिल सके। टांका का निर्माण अपेक्षाकृत सरल होता है और यह जल संरक्षण का एक प्रभावी तरीका है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। टांका के माध्यम से वर्षा जल का संग्रहण और उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट का समाधान करने में मदद करता है। राजस्थान के लगभग सभी राजकीय विद्यालयों में टांके देखने को मिल जाते हैं।

खड़ीन :– खड़ीन एक पारंपरिक रन ऑफ खेती प्रणाली है, जिसमें खेत के निचले किनारे पर एक लंबा मिट्टी का बांध बनाया जाता है ताकि वर्षा के समय बहने वाले पानी को एकत्रित किया जा सके। जैसलमेर क्षेत्र में खड़ीन प्रणाली काफी प्रचलित है और यह कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एकत्रित पानी का उपयोग फसलों की सिंचाई और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जाता है।

नाड़ी :– नाड़ी छोटे से मध्यम आकार के तालाब होते हैं जो वर्षा जल को घरेलू और पशु धन के उपयोग के लिए संचित करते हैं। सरकार की अनूठी पहल से नाड़ी निर्माण हेतु मनरेगा फंड को कन्वर्ज किया जा रहा है जिससे अब बजट की समस्या नहीं रही है। नाड़ी सूखे या अनुमान से कम बरसात के समय में बहुत उपयोगी होती हैं और अक्सर सामुदायिक रूप से प्रबंधित की जाती हैं।

कुंड :– कुंड भूमिगत संरचनाएँ होती हैं जिनके चारों ओर एक कटोरी के आकार का कैचमेंट एरिया होता है जो वर्षा जल को संचित करता है। थार मरुस्थल में कुंड आमतौर पर घरेलू पेयजल के लिए एक महत्वपूर्ण स्त्रोत प्रदान करते हैं।

राजस्थान के निवासियों की प्रतिभा और अनुकूलता का प्रमाण इन पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों में झलकता है। आज के आधुनिक युग में भी यही प्राचीन तकनीकें जल संरक्षण के इरादों को मजबूती प्रदान करती हैं। ये तकनीकें सीमित जल संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करती हैं और भारत के सबसे शुष्क राज्य में जीवन निर्वाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सामुदायिक सहयोग और पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करके हम जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं और वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समाज की इसी ज्ञान विरासत को सरकार के सहयोग से नए आयाम देकर राज्य के प्रत्येक गांव, ढाणी को जल आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने का प्रयास है।

लेखिका–
सुश्री अंजलिका पंवार,
सहायक जनसम्पर्क अधिकारी,
शोध एवं संदर्भ शाखा, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग।

आओ जरा कश्मीर समस्या को समझने का प्रयास करें - भाग-2

महावीर सिंह

इस लेख के पूर्व भाग में हमने इंडिपेंडेंस ऑफ इंडिया एक्ट और उसके तहत धार्मिक आधार पर भारत के विभाजन के बारे में संक्षेप में जाना। अधिसंख्य देशी रियासतों में भारत अथवा पाकिस्तान में विलय के विकल्प को चुना। उसके कुछ तो भौगोलिक कारण थे और ज्यादा महत्व पूर्ण देशी रियासतों के राजाओं की यह समझ थी कि बदली हुई परिस्थितियों में उनका स्वतंत्र अस्तित्व पूर्णत: अव्यवहारिक व असंभव है। भारत की अंतिम सरकार ने देशी राजाओं को अनेक प्रकार की सुविधाएं देकर उनके विलय को सौहार्द्रपूर्ण बना दिया। हमने यह भी देखा कि जूनागढ़ का भारत विलय कठिन परिस्थितियों में हुआ जहां वहां के नवाब में पाकिस्तान विलय के पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे किंतु जनता में उसे जनमत संग्रह के आधार पर अस्वीकार कर दिया।

कश्मीर की स्थिति पर भी विचार किया गया था। कश्मीर के राजा हरि सिंह अनिश्चय की स्थित में थे। वस्तुत वे अपने राज्य को न भारत और न पाकिस्तान में विलय करना चाहते थे। कश्मीर की अधिसंख्य जनसंख्या मुस्लिम धर्मावलंबी थी और राजा हिन्दू धर्म मानने वाला था। कश्मीर की सीमा आजाद भारत से और पाकिस्तान से मिलती थी। कश्मीर का वह भाग जिसे अब हम पाक ओक्यूपाइड कश्मीर कहते है वहां की अधिसंख्य जनसंख्या मोटे तौर पर इस्लाम को मानने वाले कबाइली (ट्राइबल) लोगों की थी। पाकिस्तान को, द्वि राष्ट्र सिद्धांत---टू नेशन थ्योरी--- के अनुसार कश्मीर का स्वतंत्र अस्तित्व स्वीकार नहीं था किंतु वह सीधे–सीधे कश्मीर की स्वतंत्रता पर आक्रमण कर्ता भी नहीं दिखना चाहता था। इसलिए पाकिस्तान में कबाइलियों को हथियारबंद किया, प्रशिक्षित किया और पाकिस्तानी सेना के संरक्षण में कश्मीर घाटी व अन्य भागों में प्रवेश करा दिया। राजा हरि सिंह को अपने अस्तित्व का खतरा सामने दिख गया, तब उन्होंने भारत सरकार से सैन्य मदद की गुहार की। भारत की अंतरिम सरकार ने स्पष्ट किया कि बिना भारत में विलय के भारत द्वारा सैन्य मदद दिया जाना कानूनी व व्यवहारिक दृष्टि से संभव नहीं होगा, तब जाकर राजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इसलिए कश्मीर की आज जो उलझी स्थिति है उसके पहले दो कारण है:– पाकिस्तान का कश्मीर पर कबाइलियों की आड़ में छद्म आक्रमण, राजा हरि सिंह का भारत में विलय पर अत्यंत विलंब से लिया निर्णय हैं। विलंब से लिए निर्णय के कारण हथियारबंद कबाइली श्रीनगर के अति समीप तक आ गए जहां से भारतीय सेना में उन्हें पीछे धकेलना शुरू किया। उस समय तक राजा हरि सिंह के आधिपत्य वाले कश्मीर राज्य का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में जा चुका था। अब एक प्रश्न जो बार बार मीडिया में उठाया जाता है वह है कि भारत में युद्धविराम क्यों किया और संयुक्त राष्ट्र संघ में क्यों गया? क्यों नहीं, जैसा कुछेक नेता कहते है, तीन–चार दिन युद्ध जारी रखकर पूरा कश्मीर स्वतंत्र करवाया???

उस समय की भारत और विश्व की परिस्थितियों को बिना ध्यान में रखे, 60, 70 साल बाद इस प्रकार के प्रश्न करना बड़ा आसान है। भारत को आजाद हुए कुछ ही महीने हुए थे। द्वितीय युद्ध के बाद और ब्रिटिश शासन की भारत के प्रति अहित कारी आर्थिक नीतियों के कारण शासन के पास खाली राजकोष का था। देश अधिकांश वस्तुओं के लिए विदेशों पर निर्भर था। सबसे बड़ी बात यह थी कि नव स्वतंत्र भारत की विश्व समुदाय में क्या हैसियत थी? कितने देश, कितने समय तक हमें सैन्य व आर्थिक सहायता दे सकते थे? 1947 के 5,7 साल पहले के और फिर उसके भारत में विलय के बाद के कश्मीर के घटनाक्रमों को समझने के लिए शेख अब्दुल्ला के किरदार व उनकी भूमिका को भी समझना पड़ेगा। यह निर्विवाद है कि कश्मीर के भारत विलय में शेख अब्दुल्ला की सकारात्मक भूमिका रही था।

विलय पत्र के साथ ही महाराजा हरि सिंह में लॉर्ड माउंटबेटन को पत्र लिखा था कि वे अंतरिम सरकार बनाएंगे जो कबाइली समस्या के कारण उत्पन्न आपातकाल से निपटने में उनकी सहायता करेगी। शेख अब्दुल्ला को आपातकाल में प्रधानमंत्री की बनाने की बात भी लिखी। इस के बाद, राजा द्वारा आमंत्रण के बाद शेख अब्दुल्ला में 30 अक्टूबर 1947 को अंतरिम प्रधानमंत्री का पद संभाला। कश्मीर के भारत में विलय को भारत की सरकार द्वारा स्वीकार करने के पश्चात माउंटबेटन द्वारा पत्र लिखा गया था कि उनकी सरकार के मतानुसार, जहां कहीं भी विलय का मुद्दा विवादित हो उसका फैसला लोगों की इच्छा के अनुरूप किया जाना चाहिए। जब भी जम्मू कश्मीर में कानून व्यवस्था बहाल हो जाएगी, हमलावर बाहर निकाल दिए जाएंगे, तब विलय के प्रश्न पर लोगों की राय ली जाएगी।

शेख अब्दुल्ला पहले जम्मू कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के नेता थे किंतु फिर उन्होंने सभी धर्म–जात वालों को इस से जोड़ा और इसका नया नाम जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस रखा। यह दल जनता के अधिकारों, समस्याओं के लिए राजा के विरुद्ध भी आंदोलन रत था।

भारत की आजादी के संघर्ष से जुड़े बड़े नेताओं के साथ भी संपर्क में रहती थी। 1947 आते–आते शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के सर्वाधिक लोकप्रिय जन नेता हो गए। कबाइली आक्रमण के कारण छिन्न–भिन्न हुई, प्रशासनिक व कानून व्यवस्था को बहल करने में नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं में सक्रिय भूमिका अदा की। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर महाराजा हरि सिंह ने इन्हें अंतरिम सरकार गठन करने और प्रधान मंत्री बनाने का आमंत्रण दिया। अंतरिम प्रधान मंत्री के बाद शेख अब्दुल्ला 1951 में जम्मू कश्मीर के पहले निर्वाचित प्रधान मंत्री बने। भारत की सरकार तत्समय नव स्वतंत्र देश की विभिन्न आंतरिक परिस्थितियों को ध्यान में रख कर और विश्व के देशों में नए भारत की एक लोकतांत्रिक, शांतिप्रिय व सैन्य बल के बजाए वार्ताओं के जरिए विवादों के समाधान के सिद्धांत को समर्पित राष्ट्र की छवि प्रस्तुत करने के लिए यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गई और संयुक्त में दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवाया।

शेख अब्दुल्ला ने यूएनोकी सुरक्षा परिषद में 5 फरवरी 1948 को भारत का पक्ष रखते हुए कहा था कि कबाइली हमलावरों में हजारों लोगों का नरसंहार किया, उनकी संपत्तियां लूटी।हिंदू और सिख थे, मुसलमान भी थे, हजारों लड़कियों का अपहरण किया। मरे गए लोगों में अधिकांश हिन्दू व सिख थे । मुसलमान भी थे। सैन्य, पुलिस प्रशासन विफल हो चुका था। ऐसी परिस्थिति में नेशनल कॉन्फ्रेंस के हजारों कार्यकर्ताओं में प्रशासन संभाला। लेकिन कालांतर में शेख अब्दुल्ला और भारत सरकार में मतभेद उभरे। भारत सरकार की सूचनाओं के अनुसार शेख विद्रोहियों अर्थात पाक समर्थित तत्वों से संपर्क बढ़ाने लगे। भारत सरकार ने विद्रोहियों समर्थन देने के आरोप लगा कर उन्हें जेल में डाल दिया। उस समय विश्व अमरीका और रूस के नेतृत्व में दो अलग–अलग खेमों में बंटा था। 1954 में, अमरीका ने दक्षिण पूर्वी एशिया के देशों की सुरक्षा के लिए एक सैन्य संगठन बनाया जिसका नाम था सीटो। पाकिस्तान को इसमें शामिल किया और अमरीका ने उसे भरपूर सैन्य व आर्थिक मदद दी।

इतिहास गवाह है कि लोकतंत्र के झंडाबरदार बने शक्तिसंपन्न पश्चिमी देशों को अन्य देशों में तानाशाह व सैन्य शासकों के साथ गलबहियां करने से कभी कोई परहेज नहीं रही बशर्ते वे उनके इशारों के अनुसार चलते रहे। भारत के प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू में और मिश्र, इंडोनेशिया आदि कई देशों के साथ, इन दिनों सैन्य गुटों से अलग रहना उचित समझा (नॉन अलाइनइड नेशंस)। इस आंदोलन के जरिए नवस्वतंत्र भारत में दुनिया में अपनी अलग प्रजातांत्रिक, विकासोन्मुख, प्रजाहितैषी देश वाली पहचान बनाई। जहां बहुत से नवस्वतंत्र देश राजनीतिक अस्थिरता के शिकार हो रहे थे भारत में लोकतंत्र जड़ें पकड़ रहा था। जरा, पाकिस्तान में इसी अवधि में क्या हो रहा था, इस पर विचार करें। 1947 से 1958 के बीच अल्पावधियों के लिए एक के बाद एक 7 प्रधान मंत्री हुए अर्थात पाकिस्तान में लोकतंत्र अस्थिर हो रहा था और अंततोगत्वा 1958 में वहां की सेना ने शासन पर कब्जा कर लिया। इसके बाद से पाकिस्तान में या तो सैन्य शासन रहा अथवा सामान्यत सेना के पूर्ण नियंत्रण वाली कमजोर, नुमाइशी चुनी हुई सरकारें रही। 1958–71, 1977–88, 1999–2008 तक तो सीधे–सीधे सैन्य तानाशाहों का शासन रहा। इन्हीं अवधियों में 1965, 1971, 1998 में पाकिस्तान में भारत पर सैन्य आक्रमण किए। पाकिस्तान के साथ 1965 का युद्ध का तो कारण कश्मीर में आंतरिक असंतोष भड़काना और विद्रोहियों को हर तरह से सहायता देना ही था। इसका कोड नाम आपरेशान जिब्राल्टर रखा गया था।

यहां यह बात भी ध्यान में रखने योग्य है कि 1965 आते–आते, इस समस्या के बाबत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जन्मतसंग्रह वाला प्रस्ताव भी महत्वहीन हो गया था। पाकिस्तान पीओके से हटा नहीं, जो जन्मतसंग्रह कराने की प्रमुख पूर्व शर्त थी। इस युद्ध में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा।

1965 के युद्ध के बाद रूस की पहल पर युद्ध विराम हुआ और फिर 10 जनवरी 1966 को ताशकंद समझौता हुआ जिसकी आजकल खूब चर्चा होती है। भारत की दृष्टि से ताशकंत समझौते की प्रमुख बात यह थी कि---भारत और पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र नियमों का पालन करते हुए, अपने विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएंगे। बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। दोनों देशों की सेनाएं 5 अगस्त 1965 की स्थिति पर चली जाएंगी--। जन्मतसंग्रह पर यह पूर्ण विराम था।

1971 का भारत पाकिस्तान युद्ध पूर्णत: पाकिस्तानी सेना द्वारा चुनाव परिणामों को नकारने और बांग्लादेशियों पर अत्याचारों के कारण भारत में लाखों शरणार्थियों के आने और विश्व समुदाय के शक्तिशाली राष्ट्रों द्वारा इन अत्याचारों की अनदेखी का परिणाम था। इन सब अत्याचारों के बावजूद अमरीका, हर प्रकार से, पाकिस्तानी सैन्य शासन समर्थक बना रहा। इस युद्धों की परिणीति 1971 के शिमला समझौते से हुई। इस में दोनों देश पुन: संकल्पबद्ध हुए की---दोनों देश विभिन्न मुद्दों पर अपने मतभेदों को शंतिपूर्ण तरीके से सुलझाएंगे व उपमहाद्वीप में स्थाई शांति व सहयोग के लिए काम करेंगे। लोक कल्याण पर अपनी ऊर्जा लगाएंगे। कश्मीर के संदर्भ में, 17 सितंबर 1971 की युद्ध विराम रेखा को दोनों देशों में नियंत्रण रेखा के रूप में मान्यता दी और इसे अपरिवर्तनीय/बाध्यकारी माना।दोनों देश अपने मतभेदों को द्विपक्षीय वार्ताओं के माध्यम से शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएंगे--।

वर्तमान ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में चल रही डिबेट्स में ताशकंत और शिमला समझौतो पर कई प्रकार की सही गलत बातें राजनीतिक दलों के लोग करते रहते है। इस प्रकार की बातें अधिकांशत: तत्समय के तथ्यों व देश तथा वैश्विक परिस्थितियों को बिना ध्यान में रखे, केवल जनता का भ्रमित करने और अपने–अपने समर्थकों को बनाए रखने के लिए की जाती है।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएस

राशिफल शुक्रवार 13 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:21 तक, शुक्ल योग दिन 1:48 तक, गर करण दिन 3:19 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–सिंह, बुध–मिथुन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 11:21 तक है। भद्रा रात्रि 3:33 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:44 तक, शुभ 12:27 से 2:09 तक, चर 5:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:31, सूर्यास्त 7:17

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब होगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

फर्जी कॉलेज बनाकर फर्जी तरीके से छात्रवृत्ति उठाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

छात्रवृत्ति पोर्टल पर फर्जी दस्तावेज अपलोड कर फर्जी छात्रवृत्ति उठाने का कर रहे थे गोरखधंधा

फर्जी तरीके से लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उठाने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया।

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए काल्पनिक रूप से फर्जी कॉलेज बनाकर फर्जी तरीके से लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उठाने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

उप महानिरीक्षक पुलिस आनन्द शर्मा ने बताया है कि जयपुर ग्रामीण जिले के गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए काल्पनिक रूप से फर्जी कॉलेज बनाकर फर्जी तरीके से 23 लाख 6400 रुपये की छात्रवृत्ति उठाने वाले गुरुकृपा आईटीआई महाविद्यालय कुचामन जिला नागौर के संचालक श्रवण लाल जाट (32) निवासी जायल जिला नागौर, बलराम गुर्जर (43) निवासी सांगानेर जयपुर हाल प्रोजेक्ट मैनेजर सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग सहित ई-मित्र संचालक विजय कुमार बोचल्या(27) निवासी गोविंदगढ़ जिला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ई-मित्र संचालक विजय कुमार बोचल्या विजय कुमार बोचल्या, छात्रवृत्ति पोर्टल से स्वीकृत करवाने वाले गुरुकृपा आईटीआई महाविद्यालय कुचामन नागौर के संचालक और श्रवण राम जाट व विभाग से छात्रवृति दिलवाने के नाम पर रुपये लेने वाले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजर- डवलपर अनुबंध पर काम करने वाले बलराम गुर्जर ने मिलकर फर्जी तरीके से कॉलेज बनाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग छात्रवृत्ति पोर्टल से 23 लाख 6400 रुपये लिए है।

इस मामले में आरोपितों द्वारा गबन की गई राशि 23 लाख 6400 रुपये की बरामदगी के प्रयास व शेष आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर ने मामला दर्ज करवाया कि एसएसओ आईडी छात्रवृत्ति प्रणाली आरजे रावटीनस्टिट्यूट, वीबीएवाई कुमार बोचल्या, डॉ. सोनिया नित्यानंद, अक्षय मुलोडिया 4, बजरंग 019 का उपयोग कर एक फर्जी कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर शिक्षण संस्थान रावत कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनीमल साइंस राष्ट्रीय राजमार्ग नाघोरी जिला अलवर का गठन किया गया है। इनके द्वारा इस शिक्षण संस्थान को विभाग के छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकृत किया गया व कूट रचित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 23 लाख 6400 रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त कर राजकोष को हानि पहुंचाई गई है। मामला दर्ज होने के बाद आरोपित फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक पुलिस टीम का गठन किया और फिर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अम्बेडकर भवन व अन्य विभागों से दस्तावेज प्राप्त कर आरोपितों को चिन्हित करते हुए धर-दबोचा।

लाईसेंस का नवीनीकरण नहीं करवाये जाने पर की कार्यवाही

- गंदगी पाये जाने पर 2 प्रतिष्ठानों पर 5-5 हजार रूपये का किया कैंरिग चार्ज

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया के नेतृत्व में गुरूवार को संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा दिये गये नोटिसों के उपरान्त भी आर.एम.ए ट्रेड लाईसेंस का नवीनीकरण नही करवाये जाने पर झोटवाड़ा जोन में संचालित 1 प्रतिष्ठान जिसके अन्तर्गत नियमानुसार 30 दिवस या आर.एम.ए लाईन्सेंस (अनुज्ञा-पत्र) नवीनीकरण करवाये जाने तक (जो भी पहले हो) तक के लिए बंद किया गया है।

साथ ही मौके पर गंदगी पाये जाने पर 2 प्रतिष्ठानों से 5-5 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया ने अपील की कि नगर निगम ग्रेटर जयपुर सीमा क्षेत्र में संचालित प्रतिष्ठान जैसे होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, कैंटिन, मिठाई की दुकान, बैकरी, कन्फेक्सनरी, नमकीन के कारखाने व मिठाई के कारखाने, आईसक्रीम व आईसक्रीम फैक्ट्री इत्यादि का संचालन आर.एम.एम ट्रेड लाईन्सेंस प्राप्त करके ही किया जावें अन्यथा नियमानुसार विभाग द्वारा कार्यवाही की जावेगीं जिसकी जिम्मेदारी संचालनकर्ता की स्वयं की होगी।

मानसून की बारिश का इंतजार लेकिन भीषण गर्मी से कैसे बचा जाए इसके लिए जनपथ पर विधानसभा के सामने सड़क पर पानी डाल कर कुछ राहत देने की कोशिश

दो बाइकों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा थाना क्षेत्र में बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि में गुवारड़ी पेट्रोल पंप के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती करवाया।

थानाधिकारी बाबूलाल मीणा ने बताया कि युवक की पहचान चौमूं के हाड़ौता निवासी विनोद यादव (28) के रूप में हुई है। जो कालाडेरा स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। हादसा उस समय हुआ जब वह फैक्ट्री से घर लौट रहा था। स्थानीय लोगों ने घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया। वहीं युवक का शव चौमूं सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया। जहां गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने दोनों बाइक जब्त कर मामले की जांच में जुटी है।

पिस्टल की नोक पर बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

मुहाना पुलिस ने लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पिस्टल की नोक पर घर में घुस कर बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है और वहीं एक अन्य बदमाश की तलाश की जा रही है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 मई को पीडित नवीन सैन निवासी इस्कॉन रोड मुहाना के घर पर हथियार पिस्टल की नोक पर पीड़ित को बंधक बनाकर नकदी सहित जेवरात लूटने के मामले में तीस वर्षीय आकाश यादव और बीस वर्षीय ईमरान को गिरफ्तार किया है और दोनों ही बदमाश धौलपुर जिले के रहने वाले है। वहीं इनका एक साथी धौलपुर निवासी भूरा पंडित उर्फ अर्पित शर्मा अभी फरार चल रहा है। भूरा पंडित उर्फ अर्पित शर्मा के खिलाफ दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामले है और वहीं आशक यादव के खिलाफ मारपीट, हत्या, हत्या का प्रयास, लूट और फायरिंग के एक दर्जन मामलों में जेल जा चुके है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित आकाश यादव परिवादी का परिचित है और उसे यह मालूम था कि पीड़ित के घर पर काफी पैसा व सोना चांदी मिलेगा। वहीं आकाश यादव के पिताजी बिमार होने के कारण पैसों की जरूरत थी। जिस पर आकाश यादव ने ही परिवादी का घर व दुकान की रेकी करवाई थी तथा घटना के समय दूर रहकर सारा मुवमेंट बताता रहा। जिससे घटना कारित करने में आसानी रही। वहीं किसी तरह का रिस्क नहीं रहा । इसके बाद ईमरान व भूरा पंडित उर्फ अर्पित शर्मा घर में घुसकर पीड़ित को बंधक बना कर पिस्टल की नोक पर नकदी सहित जेवरात लूटने की वारदात को अंजाम दिया और वहीं तीनों धौलपुर चले गए।

दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात को ट्रेस आउट करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार उनके कब्जे से चुराई गई तीन एलसीडी व एक एसी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।।

पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात को ट्रेस आउट करते हुए राजू शर्मा उर्फ राज शर्मा निवासी अलवर हाल विश्वकर्मा और नवीन चौहान निवासी जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

पृथ्वीराज नगर पुलिस प्रशासन ने संघर्ष समिति को धरने की नहीं दी अनुमति

जयपुर। पृथ्वीराज नगर जन अधिकार संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री के नाम जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन देकर दो सौ फ़ीट चौराहा अजमेर रोड पर रजनी विहार कट को खोलने तथा नया बना हीरापूरा बस टर्मिनल शीघ्र प्रारंभ करने के लिए ज्ञापन देकर आंदोलन का आ ान किया था कि यदि नो जून तक माँगे नहीं मानी गई तो नो जुन को धावास रोड पर निम्बार्क तिराहे पर धरना दिया जाएगा जिसकी अनुमति संघर्ष समिति ने पुलिस प्रशासन से माँगी थी। संघर्ष समिति के संरक्षक अशोक शर्मा और अध्यक्ष एडवोकेट घनश्याम सिंह ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने धरना देने की अनुमति संघर्ष समिति को नहीं दी तथा पत्र देकर ये और सूचित किया कि यदि धरना दिया तो क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने हठधर्मिता दिखाते हुए अनुमति नहीं दी। संघर्ष समिति नियमों के तहत शांति से अपना आंदोलन चलाकर पृथ्वीराज नगर में मूलभूत सुविधाओं की माँग कर रही हैं लेकिन सरकार और पुलिस प्रशासन आंदोलन को दबाना चाहते हैं।

संघर्ष समिति अब नई रणनीति बनाकर आंदोलन को तेज करेगी। घनश्याम सिंह एडवोकेट ने बताया कि पृथ्वीराज नगर में अधिकतर पार्षदों से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी भाजपा के हैं जो की डबल इंजन नहीं होकर छः इंजन बने हुए हैं लेकिन फिर भी जनता के काम नहीं हो रहे हैं।

स्वस्थ नागरिक ही स्वच्छ और सशक्त राष्ट्र की रख सकता है नींव : मदन राठौड़

- तकनीक युग में व्यस्त जीवनशैली के बीच योग को अपनाकर जीवन को बनाएं संतुलित और अनुशासित:- मदन राठौड़
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नगर निगम जयपुर ग्रेटर की ओर से आयोजित योग महोत्सव में की शिरकत, पौधरोपण कर दिया पर्यावरण का संदेश

जयपुर। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की ओर से गुरुवार को विद्याधर नगर स्थित स्मृति वन उद्यान में जयपुर योग महोत्सव 2025" के तहत योग-प्राणायाम किया गया। योग महोत्वस में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी शिरकत की और योगासन कर स्वास्थ्य तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान राठौड़ ने शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पर्यावरणीय उत्तरदायित्व निभाते हुए पौधारोपण किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने "पहले खुद स्वस्थ हो, तब शहर को भी स्वच्छ रखें" थीम पर आयोजित योग कार्यक्रम के दौरान आमजन ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया।

राठौड़ ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही स्वच्छ और सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकता है। योग भारतीय संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है, जो हमें संतुलित जीवन की दिशा दिखाती है।

यदि हम प्रतिदिन योग करें और अपने शरीर, मन एवं परिवेश की स्वच्छता को महत्व दें, तो यह न केवल हमारे जीवन को बल्कि पूरे समाज को भी सशक्त बना सकता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने योग को केवल एक शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि "राष्ट्र निर्माण की नींव में एक आध्यात्मिक और सामाजिक साधना" बताया। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे तकनीक और व्यस्त जीवनशैली के बीच योग को अपनाकर अपने जीवन में संतुलन और अनुशासन लाएं।

कार्यक्रम में जयपुर शहर के जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि शहर का प्रत्येक नागरिक अगर स्वस्थ रहेगा तो समाज भी जागरूक और अनुशासित होगा। योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना को भी जाग्रत करने का माध्यम है। ग्रेटर जयपुर नगर निगम द्वारा आयोजित इस आयोजन में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने भी सहभागिता की और नगरवासियों से आग्रह किया कि योग से आरंभ हो दिन की शुरुआत और स्वच्छता से हो उसकी परिणति – यही जयपुर को सुंदर और सशक्त बनाएगा।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने पौधारोपण कर पर्यावरण-संरक्षण का संदेश दिया।

इस दौरान वैदिक परंपरा के अनुसार हवन यज्ञ कर वातावरण की शुद्धि की प्रार्थना की। योग प्रशिक्षकों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, ध्यान और विविध आसनों का सजीव प्रदर्शन कर सभी को अभ्यास कराया।

ट्रायल के बहाने कार ले भागा बदमाश

जयपुर। एयरपोर्ट थाना इलाके में एक युवक ने कार बेचने के लिए ऑनलाइन विज्ञापन डाला था। कार देखने आया शख्स ट्रायल के बहाने लेकर चलता बना। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। पुलिस के अनुसार गुरु नानकपुरा राजा पार्क निवासी पारस खन्ना ने मामला दर्ज करवाया कि उसने ऑनलाइन कार बेचने के लिए विज्ञापन डाला था। इस पर एक युवक ने कार खरीदने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद आरोपी ने उसे जेएलएन मार्ग पर बुला लिया। इसके बाद कार खुले में देखने के बहाने उसे एयरपोर्ट रोड पर ले आया। यहां पर आरोपी ने कार मालिक को उतार दिया और ट्रायल लेकर आने को कहा। इसके बाद बदमाश कार लेकर फरार हो गया।

जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल सीताराम ने बताया कि घटना का सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। लेकिन इसके आधार पर शख्स की पहचान करना मुश्किल है। आरोपी के मोबाइल नंबरों की डिटेल खोजी जा रही है। फिलहाल बदमाश का कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।

लेनदेन को लेकर युवक पर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 मई को दीपक मीना निवासी हिंडौन सिटी जिला करौली हाल इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान पर लेनदेन को लेकर फायरिंग करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- अभिषेक मीणा व रोहिताश से घटना में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन सहित एक अवैध देशी कट्टा बरामद भी किया

पुलिस ने लेनदेन को लेकर फायरिंग करने के मामले में गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 29 मई को दीपक मीना निवासी हिंडौन सिटी जिला करौली हाल इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान पर लेनदेन को लेकर फायरिंग करने के मामले में 23 वर्षीय अंकित मीना उर्फ सुक्का निवासी दौसा और 20 वर्षीय अर्जुन मीणा निवासी करौली को गिरफ्तार किया है।

इससे पूर्व में पुलिस ने अभिषेक मीणा निवासी टोडाभीम जिला करौली हाल रामनगरिया जिला जयपुर और रोहिताश मीणा निवासी टोडाभीम जिला करौली को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपितों ने दीपक मीणा को बैंक खाते किराये पर दे रखे थे। उपरोक्त बैंक खातो की लेनदेन पर ही उनका विवाद दीपक मीणा से था। इसी विवाद को लेकर दीपक मीना पर 29 मई को फायर किया था।

गिरफ्तार आरोपित अभिषेक मीणा व रोहिताश से घटना में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन सहित एक अवैध देशी कट्टा बरामद भी कर लिया गया है।

अग्रज्योति अलंकरण समारोह 15 को

जयपुर । अग्रबंधुओं की राष्ट्रीय पाक्षिक पत्रिका अग्रज्योति अपने 22 वे वार्षिकोत्सव अग्र ज्योति अलंकरण समारोह आगामी 15 जून को साम 5बजे सांगानेरी गेट स्थित अग्रवाल कॉलेज परिसर के अग्रसेन ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर अग्रज्योति अग्रबंधुओं का भामाशाह अलंकरण व लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य संयोजक अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि समारोहे देशभर में कहीं भी समाज उपयोगी भवन बनाने में 5 लाख से अधिक का आर्थिक सहयोग दिया हो उन्हें 'अग्रज्योति भामाशाह अलंकरण'से तथा इसके साथ ही जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा में समर्पित किया हो उन्हे 'लाइफ टाइम अचीवमेन्ट अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान सर्वोच्च पद 'अग्ररत्न विभूषण' से सत्यनारायण बेरीवाल को तथा 'अग्र विभूषण' से बृजभूषणदास अग्रवाल को भी सम्मानित किया जाएगा। मुख्य समन्वयक डॉ. ओपी गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में अग्रज्योति के अलंकरण विषेशांक का भी अनूठे अंदाज में विमोचन किया जायेगा।

गलता तीर्थ मंदिर का हो सौन्दर्यकरण श्रद्धालुओं को मिले बेहतर सुविधाएं

- जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य गलता तीर्थ का सौन्दर्यकरण एवं श्रद्धालुओ को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है

डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

जयपुर । मंदिर ठिकाना गलता जी, जयपुर की प्रबन्ध व्यवस्था, विकास कार्यो एवं श्रद्धालुओं को मंदिर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में गुरूवार को जिला कलक्टर एवं प्रशासक मंदिर ठिकाना गलता जी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य गलता तीर्थ का सौन्दर्यकरण एवं श्रद्धालुओ को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने आगामी मानसून के दौरान श्रावण मास में होने वाली कावड़ यात्रा मे किसी प्रकार का हादसा न हो इसको ध्यान में रखते हुए 24 घण्टे सिविल डिफेन्स के वॉलिन्टियर्स की नियुक्ति करने के निर्देश उप नियन्त्रक नागरिक सुरक्षा विभाग अमित शर्मा को दिए है। उन्होंने आम श्रद्धालुओ की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए गलता तीर्थ परिसर में सरस पार्लर खोलने के निर्देश सरस डेयरी प्रबन्धक को दिए हैं। उन्होंने परिसर स्थित कुण्डों सहित सम्पूर्ण परिसर की बेहतर साफ सफाई व पार्किंग की व्यवस्था करवाने के निर्देश ए.डी.सी. नगर निगम हैरिटेज सुरेन्द्र सिंह यादव को दिए है। इसके साथ-साथ मंदिर परिसर में फल-फूल-माला प्रसाद की बेहतर व्यवस्था के साथ-साथ संविदा पर लगे सभी श्रमिकों को नियमानुसार नियमित रूप से पारिश्रमिक देने के निर्देश देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त रतनलाल योगी को दिए हैं। जिला कलक्टर ने आगामी मानसून को देखते हुए गलता परिसर स्थित क्यारा बांध एवं राजा कुण्ड में से मिट्टी खाली करवाकर चारों ओर सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाने के निर्देश वन विभाग को दिए हैं। उन्होंने मंदिर ठिकाना गलता जी की स्वामित्व की किराये पर चल रहीं दुकानों के किराये की वर्तमान दरों के अनुसार पुनः निर्धारण करवाने के संबंध में निर्देश देवस्थान व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होने गलता जी के समस्त विद्युत एवं पेयजल कनेक्शनों को मंदिर के नाम ट्रांसफर की कार्यवाही करवाने के निर्देश अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार को दिए हैं। इस दौरान सहायक आयुक्त द्वितीय देवस्थान विभाग महेन्द्र देवतवाल, उप अधीक्षक पुरातत्व विभाग मनोज कुमार द्विवेदी, कनिष्ठ अभियन्ता नगर निगम जयपुर हैरिटेज कुलदीप शर्मा, एस.ई. जे.डी.ए. महेश गोयल, उपायुक्त आदर्श नगर युगांतर, एक्स.ई.एन. जे. वी .वी. एन .एल. नागेश अग्रवाल, ए.सी.एफ. एन.बी.पी. देवेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

किराये पर दिए जाएंगे अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत निर्मित हो रहे गोदाम

- पैक्स की होगी नियमित आय, वित्तीय स्थिति होगी सुदृढ़
- सहकारिता विभाग ने जारी की मानक संचालन प्रक्रिया
- नैफेड और एनसीसीएफ ने भी गोदाम किराये पर लेने के लिए किया आश्वस्त

जयपुर। विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के अंतर्गत राज्य में निर्मित किये जा रहे गोदामों को अब किराये पर दिया जा सकेगा। सहकारिता विभाग द्वारा इस संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है। गोदामों को किराये पर दिए जाने से पैक्स को नियमित आय होगी और उनकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होगी।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराने तथा पैक्स की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में वृहद् स्तर पर गोदामों का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही वित्तीय सहायता से ये गोदाम निर्मित किये जा रहे हैं। गोदामों को किराये पर उपलब्ध कराने के लिए एसओपी में प्राथमिकता क्रम में दो अलग-अलग विकल्प दिये गए हैं।

राजपाल ने बताया कि प्रथम विकल्प के अनुसार पहली प्राथमिकता में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अन्न भण्डारण/ मिड डे मील/ उचित मूल्य दुकान (अन्न)/ अन्य कृषि उत्पाद/ अन्य वैकल्पिक उत्पाद आदि के लिए गोदाम किराये पर दिया जा सकेगा। द्वितीय प्राथमिकता के अनुसार, यदि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा उपभोग आधारित विकेन्द्रीकृत भण्डारण की उपलब्धता के उद्देश्य से गोदाम की मांग की जाती है, तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। तीसरी प्राथमिकता में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की आवश्यकतानुसार उसे प्राथमिकता दी जाएगी। इसी प्रकार, चौथी प्राथमिकता में यदि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत ब्लॉक स्तर पर आमजन के लिए निर्धारित सामग्री के भण्डारण का निर्णय लिया जाता है, तो भण्डारण हेतु खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को प्राथमिकता दी जाएगी। जबकि, पांचवी प्राथमिकता में गोदाम बाजार दर पर अनुमोदित किराये पर नहीं लिये जाने की संभावना होने पर सरकारी विभाग/ संस्था अथवा सहकारी संस्था द्वारा निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनी/ फर्म/ सदस्य को अनुमोदित किराये पर गोदाम उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि द्वितीय विकल्प की पहली प्राथमिकता में समिति के सदस्य/ सदस्यों को भण्डारण की आवश्यकता होने पर उचित दर पर भण्डारण की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सकेगी। द्वितीय प्राथमिकता में समिति के कार्यक्षेत्र के कृषकों को समर्थन मूल्य पर खरीद प्रारम्भ होने तक लिए उनकी फसल को रखने के लिए गोदाम उपलब्ध कराया जा सकेगा। जबकि, तीसरी प्राथमिकता में सीमेंट, मशीनरी, खाद-बीज के लिए गोदाम किराये पर दिया जा सकेगा।

राजपाल ने बताया कि समिति द्वारा गोदाम किराये पर देने के लिए पूरे वर्ष का एक कैलेण्डर तैयार किया जाएगा। गोदाम किराये पर दिए जाने से पूर्व वार्षिक कैलेण्डर, किराया निर्धारण एवं अन्य प्रस्ताव का खण्डीय अतिरिक्त रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा अनुमोदन किया जाएगा। न्यूनतम एक वर्ष एवं अधिकतम तीन वर्ष के लिए पंजीकृत किरायानामा के माध्यम से गोदाम किराये पर दिया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि नैफेड तथा एनसीसीएफ द्वारा भी विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भण्डारण योजना के तहत निर्मित किए जा रहे इन गोदामों को किराये पर लिए जाने के लिए आश्वस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि नैफेड द्वारा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, सीकर, अलवर, जयपुर, राजसमंद, टोंक, सवाईमाधोपुर, झुंझुनूं तथा उदयपुर जिले के 58 गोदामों को किराये पर लेने हेतु आश्वस्त किया गया है। जबकि, एनसीसीएफ की ओर से भी गोदामों को किराये पर लेने हेतु विभाग को पत्र लिखकर आश्वस्त किया गया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश दुखान्तिका : उदयपुर के चार लोगों की दर्दनाक मौत

शहर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के पुत्र शुभ मोदी व शगुन मोदी लंदन घूमने जा रहे थे, हादसे का शिकार हुये

उदयपुर, (का.सं.)। अहमदाबाद में हुई विभत्स विमान दुर्घटना में उदयपुर के चार लोग सवार थे, जिनमें उदयपुर शहर के मार्बल व्यापारी के बेटा-बेटी शामिल है जो लंदन घूमने जा रहे थे। वहीं लंदन में ही शैफ का काम करने वाले दो युवक सवार थे जो जिले के वल्लभनगर व मावली क्षेत्र के रहने वाले है।

- **लंदन में ही शैफ का काम करने वाले दो युवक सवार थे जो जिले के वल्लभ नगर व मावली क्षेत्र के रहने वाले हैं, इनकी भी मौत हो गई**

जानकारी के अनुस्सर एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर ए-।-.171 ने अहमदाबाद से गुरुवार दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1:40 बजे यह क्रैश हो गया। विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। विमान में उदयपुर जिले के चार जने सवार थे, जिनमें शहर के सहेली नगर क्षेत्र निवासी मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के पुत्र शुभ मोदी व शगुन मोदी शामिल है। हादसे की खबर लगते ही संजीव व उनकी पत्नी श्वेता अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए जबकि दो अन्य में प्रकाशचंद व वरदीचंद शामिल है। वरदीचंद मेनारिया उदयपुर शहर से 47 किलोमीटर दूर वल्लभनगर क्षेत्र के रूण्डेडा का निवासी है। वरदीचंद की पत्नी और उनका बेटा दीपक उन्हें अहमदाबाद छोड़ने गए थे। अभी वे वहीं है। वरदीचंद एक माह पहले ही लंदन से आए थे। हादसे के समाचार के बाद वरदीचंद के भाई भगवान लाल भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। वहीं वरदीचंद के साथ ईंटाली के पास रोहिड़ा गांव के प्रकाश मेनारिया भी थे। दोनों ही लंदन में कुकिंग का काम करते थे और छुट्टियां बीताकर पुनः लंदन लौट रहे थे।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद उदयपुर में प्रभावितों के घर पर जिला कलेक्टर पहुंचे।

इधर, हादसे से प्रभावितों की जानकारी सामने आने पर जिला कलक्टर नमित मेहता, एडीएम प्रशासन दीपेंद्रसिंह राठौड़ गुरूवार शाम सहेलीनगर स्थित संजीव मोदी के निवास पर पहुंचे। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुका था। निवास पर कुछ रिश्तेदार व पड़ौसी मौजूद थे। जिला कलक्टर मेहता ने रिश्तेदारों से जानकारी ली तथा उन्हें ढांढस बंधाया। इसी प्रकार वल्लभनगर एसडीएम सुरेंद्र पाटीदार सहित अन्य अधिकारी वरदीचंद मेनारिया के निवास पर तथा मावली तहसीलदार-थानाधिकारी सहित अन्य रोहिड़ा में प्रकाशचंद्र मेनारिया के निवास पर पहुंचे। उधर, मुख्यमंत्री कार्यालय से भी जिला प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली गई।

बांसवाड़ा की डॉ. कोनी व्यास, पति और बच्चों की भी मौत

बांसवाड़ा/जयपुर। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में बांसवाड़ा की डॉ. कोनी व्यास, उनके पति डॉक्टर प्रदीप जोशी, बच्चे प्रद्युत जोशी, मिराया जोशी और नकुल जोशी की भी मौत हो गई। उदयपुर के पेसिफिक हॉस्पिटल उमरड़ा के प्रबंधन ने बताया कि डॉ. कोनी व्यास ने एक महीने पहले यहां से जॉब छोड़ दी थी। वे उनके पति के साथ ही रहने के लिए लंदन जा रही थी, इसलिए उन्होंने इस्तीफा दिया।

श्रीगंगानगर में भीषण गर्मी जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार 11वें दिन भी जारी रहा। जिले का अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक रहा। चिलचिलाती धूप और तपती हवाओं के कारण जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सुबह 11 बजे के बाद से ही सड़कें वीरान नजर आने लगती हैं और लोग दोपहर में घरों में गुजारने को मजबूर हैं। गर्म हवा के थपेड़ों और तीखी धूप की वजह से बाजारों में कर्फ्यू जैसे हालात बन गए हैं। राहगीर छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेकर गर्मी से बचाव की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को मुंह पर कपड़ा बांधकर निकलना पड़ रहा है, इसके बावजूद दोपहर में बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। तेज गर्मी का असर हर क्षेत्र पर साफ नजर आ रहा है। सबसे पहले असर यातायात पर पड़ा है। रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या में 50 फीसदी तक की गिरावट आई है। दोपहर में बस स्टैंड लगभग सूने दिखाई दे रहे हैं।

कार की टक्कर से रिटायर्ड पुलिसकर्मी घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में 62 वर्षीय रिटायर्ड पुलिसकर्मी गुरुवार को मंदिर के दर्शन कर वापस बाइक से अपने घर जा रहे थे। इस दौरान बीच रास्ते तेज गति से आ रहे कार ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वे घायल हो गए। इलाज के लिए उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया।

जानकारी के अनुसार, पाली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल के पद से रिटायर्ड हुए 62 वर्षीय दलपतसिंह पुत्र भोपाल सिंह गुरुवार सुबह पुलिस लाइन के पास स्थित राजीव नगर स्थित अपने मकान से हाउसिंग बोर्ड स्थित सांई बाबा मंदिर दर्शन करने गए थे। दर्शन कर वे वापस हाउसिंग बोर्ड से अपने घर के लिए बाइक लेकर रवाना हुए। इस दौरान मिलगेट पुलिस चौकी पास तेज रफ्तार से आ रहे कार ड्राइवर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वे बाइक से नीचे गिर गए, जिससे उनके सिर और बॉडी में जगह-जगह चोटें आई। इलाज के लिए उन्हें परिजन पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां उनका उपचार किया गया।

सगी बहनों से दुष्कर्म

बीकानेर, (निसं)। पूगल पुलिस थाना क्षेत्र में 14 और 18 साल की बहनों के साथ पड़ौस के खेत में रहने वाले युवकों की ओर से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। दोनों आरोपी सगे भाई हैं।

पीड़िताओं के पिता की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसका परिवार खेत काश्त करता है और खेत में ही ढाणी में रहते हैं। पड़ोस में राजकुमार यादव का खेत है जिसे महेन्द्र बावरी का परिवार काश्त करता है। दोनों के परिजनों का एक-दूसरे के घर आना जाना था। पीड़ित परिवार में 18 और 14 साल की दो पुत्रियां हैं जो कुछ दिनों से गुमशुम रहती है। उनकी मां ने पूछा तो बड़ी पुत्री ने बताया कि 8-9 महीने पहले ढाणी में अकेली नहा रही थी। इस दौरान महेन्द्र बावरी का बेटा लक्ष्मण आया और उसने फोटो खींच ली। बाद में फोटो वायरल करने की धमकी देकर लगातार दुष्कर्म करता रहा और किसी को बताने पर घरवालों को जान से मारने की धमकी दी। लक्ष्मण के छोटे भाई ने भी 14 साल की लड़की की फोटो खींची और उसे एडिट कर वायरल करने की धमकी देकर सात-आठ माह से दुष्कर्म करता रहा। पूगल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों बहनों का मेडिकल मुआयना करवाया गया है।

JKK जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
कार्यालय महानिदेशक

क्रमांक :- जकके/स्टेज लाईट एवं फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी/2025-26/405-406 दिनांक :- 06/06/2025

जवाहर कला केन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रमों हेतु फोटोग्राफी एवं विडियो रिकॉडिंग दर अनुबंध हेतु एवं Arrangement of Stage lights, sound and other related items on hire basis दर अनुबंध हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and JKK की विभागीय वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

NIB No. : JKK2526A0013, UBN No. : JKK2526SLRC00013
NIB No. : JKK2526A0014, UBN No. : JKK2526SLRC00014

राज.संवाद/सी/25/4164 अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशा.)

OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur-302033
Ph- 0141-2795624, 634 Email- principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2025-26/2822 Date :- 11/06/2025

Notice Inviting E-Bids

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय में NICU/PICU/ICU के लिए कार्य की प्रकृति के आधार पर उच्च कुशल मैनपावर (नर्स ग्रेड-II) सेवाओं के उपापन हेतु दर संविदा हेतु (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 1,25,000,00/-) दिनांक 23/06/2025 को अपरान्ह 02.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। अधिक विवरण के लिए वेबसाईट Website sppp.raj.nic.in or eprocrajasthan.gov.in or www.ruhscms.org का अवलोकन करें।

UBN : CMS2526SLRC00025

Raj.Samwad/C/25/4146 Principal, RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

सफाई कर्मचारी की ऑन ड्यूटी तबियत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

- **बताया जा रहा है कि तेज गर्मी की वजह से ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई थी**
- **भीषण गर्मी को मध्यनजर रखते हुए सफाई कर्मियों के लिए समय परिवर्तन की मांग**

जोधपुर, (कांस) । जोधपुर में नगर निगम के सफाई कर्मचारी की ऑन ड्यूटी तबियत बिगड़ गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज गर्मी की वजह से ड्यूटी के दौरान सफाई कर्मचारी की तबीयत बिगड़ गई इसकी वजह से उसकी मौत हो गई।

नगर निगम जोधपुर के कर्मचारी यूनियन नेता राकेश गुजराती ने बताया कि सफाई कर्मचारी दीपक तेजी वार्ड संख्या 22 में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। मृतक दीपक अपनी मां की जगह अनुकंपा नियुक्ति पर लगा था। आज दीपक स्वस्थ हालत में सुबह ड्यूटी पर आया था। अचानक कार्य करते हुए उसकी तबीयत बिगड़ गई। इस पर शुरुआत में सेटेलाइट हॉस्पिटल लेकर गए। वहां से तुरंत मथुरादास माथुर हॉस्पिटल लेकर आए। यहां इलाज के दौरान दीपक की मौत हो गई। उन्होंने मांग करते हुए कहा निगम आयुक्त इस भीषण गर्मी को मध्यनजर रखते हुए सफाई कर्मचारियों के लिए समय परिवर्तन करें जिससे सफाई कर्मचारियों को राहत मिले। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए सफाई कर्मचारियों की शिफ्ट के समय परिवर्तन को लेकर आयुक्त को बताया गया था, लेकिन उसके बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया गया।

यूआर साहू ने आरपीएससी चेयरमैन का पदभार संभाला

पूर्व डीजीपी यूआर साहू ने गुरूवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान पुलिस के पूर्व डीजीपी यूआर साहू ने गुरूवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनके साथ अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश एसपी वंदिता राणा व एएसपी हिमांशु जांगिड़ मौजूद रहे। सचिव रामनिवास मेहता द्वारा उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष कैलाश चंद मीणा ने उन्हें कार्यभार सौंपा।

- **'आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व चुनौतीपूर्ण है, परीक्षाओं व साक्षात्कारों का समयबद्ध आयोजन प्राथमिकता रहेगी'**

कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त अध्यक्ष यूआर साहू ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि आयोग के अध्यक्ष पद का दायित्व चुनौतीपूर्ण है। उनके द्वारा इसके निर्वहन का पूर्ण प्रयास किया जाएगा। परीक्षाओं व साक्षात्कारों का समयबद्ध आयोजन उनकी प्राथमिकता रहेगा, उन्होंने कहा कि आयोग की प्रक्रियाओं के संबंध में वर्तमान सदस्यों व अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आगामी कार्ययोजना निर्धारित की जाएगी।

राजस्थान-सरकार

कार्यालय नगरपरिषद चूरू (राज0)
राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल के पास, चूरू :- 331001
दूरभाष :- 01562-250318 ई-मेल :- npchuru@gmail.com
क्रमांक :- न.प.चूरू/सफाई शाखा/2025-26/15831333 दिनांक :- 10.06.2025

ई-निविदा सूचना 25 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा 01 कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2526A2334 आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

UBN Code :- DLB2526WLOB07477

राज.संवाद/सी/25/4126 आयुक्त, नगरपरिषद, चूरू

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 1546 दिनांकः- 12.06.2025

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न.प.बू/निर्माण /2025-26/1322 दिनांक 26/05/2025 की निविदा दिनांक 27/05/2025 से दिनांक 12/06/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जानी थी। निविदा दिनांक 13/06/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त कर निविदा दिनांक 13/06/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जाना थी। उक्त निविदा में संशोधन करते हुए निविदा दिनांक 20/06/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जायेगी तथा निविदा दिनांक 23/06/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त कर निविदा दिनांक 23/06/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB05994, DLB2526WSOB05997, DLB2526WSOB05972, DLB2526WSOB05978, DLB2526WSOB05981, DLB2526WSOB05989, DLB2526WSOB05991, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/4129 आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

आरपीएससी ने विचारित सूची जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भू-वैज्ञानिक (खान एवं भू-विज्ञान विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत विचारित सूची जारी की गई है। सूची में 90 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया है। इस परीक्षा का आयोजन 7 मई 2025 को किया गया था। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि यह सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के बाद आयोग द्वारा जारी की जाएगी। उक्त परीक्षा की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 20 से 26 जून 2025 (रात्रि 11.59) तक खोला जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन तथा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना भी सुनिश्चित करनी होगी।

अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बायोकेमिस्ट (चिकित्सा शिक्षा ग्रुप-1 विभाग) भर्ती-2024 के अन्तर्गत वांछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ करने का अंतिम अवसर दिया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के वरिष्ठ उप सचिव भंवरसिंह पंवार ने बताया कि 27 सितंबर 2024 को उक्त पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिनांक 8 अक्टूबर से 6 नवंबर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आयोग द्वारा की गई रेण्डम/सेम्पल जांच में यह पाया गया कि कतिपय आवेदकों के पास अनिवार्य योग्यता नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है। पूर्व में आयोग द्वारा उक्त पदों हेतु शैक्षणिक व वांछित योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 5 से 9 जून तक आवेदन विथड्रॉ करने का अवसर दिया गया था। इस दौरान भी आवेदन विथड्रॉ नहीं करने वाले अपात्र अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 14 जून 2025 तक विथड्रॉ कर लेवें अन्यथा अभ्यर्थी को आयोग द्वारा भविष्य में ली जाने वाली समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त उनके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 के अन्तर्गत कार्यवाही भी की जायेगी।

परीक्षा का आयोजन 15 से

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियंता संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन 15 से 18 मार्च 2026 तक किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि 5 अगस्त 2024 को विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता (सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल एवं कृषि अभियांत्रिकी) के 1014 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 28 सितंबर 2025 को किया जाना प्रस्तावित है।

तीन बाल श्रमिक मुक्त कराए

भीलवाड़ा, (निसं)। बाल श्रम मुक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे उमंग 5 अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित मीणा के निर्देशानुसार मानव तस्करी विरोधी इकाई, श्रम विभाग, बाल अधिकारिता विभाग एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं नवाचार संस्थान ने इंद्रा मार्केट में स्थित अमित टी सेंटर से 2 बाल श्रमिक एवं सुनील स्टेशनर्स से 1 बाल श्रमिक को बाल श्रम से मुक्त करवाया।

बच्चों को बाल कल्याण समिति सदस्य विनोद राव के समक्ष प्रस्तुत किया गया, श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक आशीष यादव एवं शिव प्रसाद ने बच्चों के बयान लिए।

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव के आदेशानुसार बच्चों के आश्रय की आवश्यकता होने से बच्चों को आश्रय हेतु एवरेस्ट शेल्टर होम में रखवाया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी शौकत अली, एएसआई ओमप्रकाश सेन, हेड कॉन्स्टेबल मुकेश पारीक एवं बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक धर्मराज प्रतिहार के निर्देशानुसार चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के परियोजना समन्वयक हेमंत सिंह सिसोदिया, काउंसलर निर्मला पुरोहित एवं सुपरवाइजर राधेश्याम गुर्जर, आनंद कुमार सुनारिया एवं कैस वर्कर अरविंद वर्मा एवं नवाचार संस्थान के जिला प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर एवं रेड एवं रेस्क्यू ऑफिसर भगवत सिंह चारण ने कार्रवाई करते हुए तीन बाल श्रमिक को बाल श्रम से मुक्त करवाया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड मेडीकल कॉलेज (पी डब्ल्यु डी केम्पस जैकब रोड) जयपुर

क्रमांक :- दिनांक :

निविदा सूचना संख्या :- 09/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युत कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सा.नि.वि., राजस्थान, जयपुर में पंजीकृत संवेदकों, एवं नियमानुसार सक्षम स्तर से स्वीकृति उपरान्त केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदक भाग ले सकते है को निर्धारित प्रपत्र में कुल 2 पैकेज / कार्यों, जिनकी कुल लागत राशि रूपये 189.59 लाख है, के लिए ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	03.06.2025 सुबह 9.30 बजे से 12.06.2025 सांय 6:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण बेबसाईट http://eproc.Rajasthan.gov.in एवं sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।
UBN:- PWD2526A0993, PWD2526WSOB03233, PWD2526WSOB03237

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. विद्युत खण्ड मेडीकल कॉलेज जयपुर
DIPR/C/7198/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन.एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624, E-mail.: eephedscr@gmail.com
कमांकः अ.अ./जन स्वा./सौं/निविदा/2025-26/788 दिनांकः- 3/6/25

ई-निविदा सूचना संख्या- 06/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रकिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	ANNUAL RATE CONTRACT FOR CLEANING DISINFECTION AND RESTORATIOIN OF WATER SUPPLY RESERVOIR UPKEEPING FIT FOR, POTABLE WATER SUPPLY, PAINTING AND SLOGAN WORK AT VARIUOUS SITE UNDER DIVISION SANCHORE
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 01 रु. 25.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	04.06.2025 से 16.06.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	17.06.2025 को 11.00 बजे से
UBN No	PHE2526WSRC03242

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर
DIPR/C/7686/2025

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
क्रमांक-डीपीएम/मप्रकृप्रौविवि/निविदा/2025-26/(02)(03)/6090 दिनांक : 12.06.2025

निविदा सूचना-(02)(03)(2025-26)

माननीय कुलपति महोदय, म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि. उदयपुर की ओर से विश्वविद्यालय हेतु स्टेशनरी (अनुमानित लागत रू. 20 लाख), विज्ञापन प्रकाशन (अनुमानित लागत रू. 15 लाख) मुहरबन्द निविदाएँ आंमत्रित की जाती है। समस्त शर्ते एवं विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.mpuat.ac.in पर देखा जा सकता हैं।

निदेशक
UBN No. ATU2526GLRC00097, UBN No. ATU2526SLOB00098 (आयोजना एवं परिवेक्षण निदेशालय)

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/NIT/STORE/2025/ 7358 Date : 10-06-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 18/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 21-06-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – DLB2526SLOB07475 TO 07474

Raj.Samwad/C/25/4120 Commissioner, Municipal Board Nathdwara

सार्वजनिक अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड केकडी
क्रमांक-554-573 दिनांक-05/06/2025

Notice Inviting Bid No:- 04/2025-26

Bids For Rate Contract for Patch Repair work & Other Maintenance work on Various roads under PWD Dn Kekri for the Year 2025-6 Procurement are Invited from interested bidders upto 6.00 PM of 16.06.2025 Other particulars of the id may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 195.12 Lacs.
UBN No :- PWD 2526 WSRC03726

(Bhim Singh Meena)
Executive Engineer
PWD Dn. Kekri
DIPR/C/7653/2025

वैन और बाइक की टक्कर में 12 दिन की बच्ची सहित तीन की मौत

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र के अरनिया पुलिया पर मारुति वैन और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर है तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई।

- **बाइक सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ा, वैन में सवार नव प्रसूता की हालत गंभीर तथा उसकी 12 दिन की पुत्री की मौत हो गई**

अकलेरा पुलिस के अनुसार बीरामचंद एवं कालूराम नामक दो युवक बाइक पर सवार होकर घाटोली गांव जा रहे थे, जिनकी बाइक अरनिया नदी की पुलिया पर सामने से आ रही

अरनिया नदी की पुलिया पर हुये हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए।

वैन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दूसरी तरफ वैन में सवार नवप्रसूता की 12 वर्षीय बच्ची की भी मौके पर मौत हो गई, जबकि नव प्रसूता भूली बाई की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि बांसखेड़ा निवासी भूली बाई ने 12 दिन पूर्व एक बच्ची को जन्म दिया था जिसकी तबीयत खराब होने के चलते उसको अकलेरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां से अस्पताल वालों ने बालिका को झालावाड़ ले जाने की सलाह दी, जिस पर भूली बाई एवं उसका ससुर तथा अन्य परिजन भूली भाई और उसकी नवजात बच्ची को लेकर झालावाड़ जा रहे थे, जहां रास्ते में यह हादसा हो गया। भूली भाई की नवजात बालिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भूली भाई की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसको अकलेरा के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/783-85 दिनांक : 10.06.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 11.06.2025 से दिनांक 23.06.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 24.06.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A2255
UBN :- DLB2526WSOB07304, DLB2526WSOB07307, DLB2526WSOB07312, DLB2526WSOB07425, DLB2526WSOB07426, DLB2526WSOB07429, DLB2526WSOB07430, DLB2526WSOB07432, DLB2526WSOB07434, DLB2526WSOB07435, DLB2526WSOB07437, DLB2526WSOB07438, DLB2526WSOB07439, DLB2526WSOB07440, DLB2526WSOB07441, DLB2526WSOB07442, DLB2526WSOB07443, DLB2526WSOB07444, DLB2526WSOB07445, DLB2526WSOB07447, DLB2526WSOB07448

राज.संवाद/सी/25/4122 अधिशाषी अधिकारी

गायत्री यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर किया योगाभ्यास

सीकर रोड स्मृति वन पार्क में विशेष योग सत्र आयोजित

गायत्री यज्ञ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदनसिंह राठौड़, जयपुर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, जयपुर शहर भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल, योगगुरु कुलभूषण बैराठी ने सूर्य गायत्री मंत्र से आहुतियां प्रदान की।

- स्मृति वन योग कक्षा के अशोक सहरिया को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया

जयपुर। जयपुर नगर निगम जयपुर ग्रेटर, पतंजलि किसान सेवा समिति, गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा सहित अन्य संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्टीय योग दिवस के काउंट डाउन के तहत गुरुवार को सीकर रोड स्थित स्मृति वन पार्क में विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। योग सत्र की खास बात यह रही कि योग और अग्निहोत्र साथ-साथ चल रहे थे। पर्यावरण शुद्धि के लिए हुए गायत्री यज्ञ (अग्निहोत्र में) राज्यसभा सासंद और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदनसिंह राठौड़, जयपुर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, जयपुर शहर भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल, योगगुरु कुलभूषण बैराठी ने सूर्य गायत्री मंत्र से आहुतियां प्रदान की।

गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के मनु महाराज के सान्निध्य में तथा गोपाल पारीक, उमाशंकर खंडेलवाल के आचार्यत्व में योग करने वाले साधकों ने बारी-बारी यज्ञ किया। हवन सामग्री और गाय के घी की महक से स्मृति वन सुवासित हो उठा। सभी लोगों को सूर्योदय और सूर्यास्त के समय अग्निहोत्र करने का आव्हान किया गया। उल्लेखनीय है कि अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा सीकर रोड क्षेत्र में होने वाले योग सत्र में यज्ञ भी अनिवार्य रूप से किया जा रहा है।

इससे पूर्व प्रीति शर्मा के मार्गदर्शन में लोगों को योग का अभ्यास कराया गया। डीआरएमएफ की टीम और विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र के अनेक पार्षदों ने योग किया। गौऋषि प्रकाश दास महाराज ने राष्ट्र भक्ति के गीतों ने लोगों को जोश भर दिया। उत्थान सेवा संस्थान की ओर से संचालित अपनी बाल संस्कार पाठशाला के बालक बालिकाओं ने भी योगाभ्यास किया।

मंच का संचालन पतंजलि किसान सेवा समिति के प्रभारी कैप्टन शीशराम चौधरी और रमेश गोयल ने किया। पतंजलि किसान सेवा समिति सह प्रभारी शिवानन्द त्रिपाठी ने बताया कि क्रीड़ा भारती के सतपाल, पतंजलि योग समिति के संरक्षक महेंद्र सिंह यादव ने योगाभ्यास करने के बाद पौधारोपण किया। पतंजलि के सुभाष यादव, डॉ बजरंग सिंह शेखावत, विक्रम सिंह कांवट, पूर्व जेल अधीक्षक शंकर सिंह खंगारोत, भगवान राम प्रजापत, चेतन सिंह तंवर, मुकेश कुमावत, भारत विकास परिषद के राजेश अग्रवाल, सुभाष आर्य, रमेश चंद्र शर्मा, श्यामसुंदर मूंदड़ा, कर्नल जगदीश चंद्र, सुबेदार शीशराम, सत्यवीर सिंह रोढ़ा, लाखन सिंह चाहर, रवि मूंदड़ा, विनोद शर्मा, गोवर्धन सैनी, प्रवीण कुमावत, मोहन चौधरी, तरूण कुमावत, परमानंद वर्मा एवं अन्य ने अपने अथक परिश्रम से कार्यक्रम को सफल बनाया। स्मृति वन योग कक्षा के अशोक सहरिया को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

जेडीए स्कीम में आवेदन 16 जून तक

जयपुर । जेडीए प्रशासन ने आवासीय योजना गंगा विहार, सरस्वती विहार एवं यमुना विहार मे ऑनलाईन आवेदन की तिथि 16 जून तक बढ़ा दी है।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि आवेदकों के रुझान और वेबसाइट पर ट्रैफिक लोड के कारण, 12 जून को निर्धारित अंतिम तिथि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अब सभी इच्छुक आवेदक 16 जून 2025 की रात्रि 12:00 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन में संशोधन करने की सुविधा 17 जून से 20 जून 2025 तक उपलब्ध रहेगी। जबकि लॉटरी की तिथि पूर्वानुसार 2 जुलाई 2025 को आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि गंगा विहार योजना जोन-13 के ग्राम बस्सी के खसरा नं. 1629, 1930 व 1931 पर जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से 2.50 किलोमीटर की दूरी पर कृषि अनाज मण्डी बस्सी के पीछे, बस्सी रेलवे स्टेशन के समीपस्थ स्थित है एवं योजना में 30 मीटर चौडी सडक से पहुँच मार्ग उपलब्ध होता है। यमुना विहार योजना जोन-14 के ग्राम काठावाला तहसील-चाकसू के खसरा 23,25,26,37,38, 74,122,126 व 127 एवं ग्राम झुझारपुरा तहसील-चाकसू के खसरा 13, 29, 30, 30/186, 31,68, 70, 87, 88 एवं 89 पर जयपुर से चाकसू जाने वाली 90 मीटर टोंक रोड पर स्थित है।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से औद्योगिक समस्याओं पर चर्चा की

- मुख्यमंत्री ने दिए उद्योगों की समस्याओं का प्राथमिकता पर निराकरण करने के निर्देश

जयपुर। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के राष्ट्रीय संगठन लघु उद्योग भारती के शीर्ष प्रतिनिधि मण्डल ने आज अखिल भारतीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र और अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक समस्याओं के व्यावहारिक निराकरण के लिये मुलाकात की जिसमें प्रमुख रूप से राजस्थान के पुराने 37 औद्योगिक क्षेत्रो को रीको में हस्तांतरित करने के विधानसभा में लम्बित बिल को पास करने, जोधपुर पाली बालोतरा, जसोल, बिठूजा में स्थित टेक्सटाइल व स्टील उद्योग से एवं पचपदरा रिफाईनरी से निकलने वाले तेजाबी व लवणीय प्रदूषित पानी के निस्तारण के लिये ड्रेन द्वारा कच्छ की खाड़ी तक पंहुचाने की वृहद् योजना बनाने, ब्यावर व भीलवाड़ा जिलें मे टाईल हब बनाने, कृषि भूमि में रूपान्तरण के बाद म्यूटेशन भरने, पचपदरा के पास रीको पेट्रोजोन हब विकसित करने, पर्यावरण स्वीकृति के लिये लम्बित प्रकरणो का शीघ्र निस्तारण करने, माईनिग क्षेत्र में ड्रोन सर्वे की पुनः समीक्षा करने, जोधपुर के आखलियों को नियमित करने, पेट्रोजोन मे छोटे उद्यिमयो को वाजिब दर पर औद्योगिक शेड बनाने, बालोतरा यूआईटी की सीमा में रिग रोड बनाने, कृषि मण्डी टैक्स व कृषक कल्याण सेस को समाप्त करने, रिर्सोट व होटल को पूर्ण उद्योग का दर्जा देने, होटल व रिर्सोट में भवन पर भी ब्याज व अनुदान देने, रीको द्वारा भूखण्ड आवंटन के बाद उद्योगो की प्रकृति बदलाव की स्वीकृति देने, राइजिंग राजस्थान के तहत् किये गये एमओयू के अन्तर्गत स्वयं की भूमि पर लगने वाले उद्योगों को शिथिलता देने, मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के तहत् लम्बित प्रकरणों की अनुदान राशि जारी करने, माईनर से मेजर उत्पादों को पुनः माईनर में करवाने के लिये केन्द्र सरकार को पत्र देने जैसे अनेक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

12 बीघा भूमि पर तीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की टीम ने निजी खातेदारी की करीब 12 बीघा कृषि भूमि पर 3 नवीन अवैध कॉलोनियों को पूर्णतः ध्वस्त किया।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित निमड़ी रोड़, मोरिजा, जिला जयपुर में करीब 5-5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सडकें, बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। इसी प्रकार मोरिजा बस स्टेण्ड के पास, ओम शिव टेन्ट के पास, जिला जयपुर में करीब 2 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही कॉलोनी पर भी कार्रवाई की।

डिफेक्टिव मीटर के प्रकरणों की कराएं ऑडिट : डिस्कॉम्स चेयरमैन

- आरती डोगरा ने सभी ओ एंड एम सर्किलों में डिफेक्टिव मीटर के प्रकरणों की लंबित सूची को समाप्त करने के निर्देश दिए

जयपुर। विद्युत वितरण निगमों की अध्यक्ष आरती डोगरा ने सभी ओ एंड एम सर्किलों में डिफेक्टिव मीटर के प्रकरणों की लंबित सूची को समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए कि जिन सर्किलों में डिफेक्टिव मीटर के प्रकरण अधिक सामने आ रहे हैं, वहां खराब मीटर की लैब में टेस्टिंग तथा ऑडिट कराएं। मिसमैच मिलने की स्थिति में संबंधित विद्युत कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

सुडोगरा गुरूवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों में स्मार्ट मीटर, ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लंबित बिजली कनेक्शन, डिफेक्टिव मीटर बदलने तथा दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति के रोडमैप की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मीटर बंद होने की स्थिति में उपभोक्ता के औसत उपभोग के आधार पर बिलिंग करनी पड़ती है, जिससे निगम को राजस्व का नुकसान होता है और उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी सर्किल में डिफेक्टिव मीटर बदलने के प्रकरण दो माह से अधिक समय तक लंबित न रहें।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बताया कि भारत सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में निशुल्क स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिन टीमों द्वारा फील्ड में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, उनका डिस्कॉम के कार्मिक नियमित निरीक्षण एवं मॉनीटरिंग करें।

सुडोगरा ने कहा कि भारत सरकार के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को प्रदेश में सुगमता से क्रियान्वित करने के लिए डिस्कॉम्स द्वारा विस्तृत गाइडलाइन को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

उन्होंने निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अधीक्षण अभियंता प्रतिमाह, अधिशासी अभियंता प्रति तीन सप्ताह, सहायक अभियंता प्रत्येक 15 दिवस तथा कनिष्ठ अभियंता साप्ताहिक आधार पर स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन की समीक्षा करें।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने वर्ष-2027 तक किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के क्रम में दिन में दो ब्लॉक में सप्लाई देने के रोडमैप की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि राज्य के तीनों डिस्कॉम्स में 33 केवी के 5,478 ग्रामीण सब स्टेशनों में से 3,577 सब स्टेशनों में किसानों को दिन में दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, तीनों डिस्कॉम्स में अब तक करीब 1 लाख 36 हजार 417 स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं।

छह पुलिसकर्मी 'कांस्टेबल ऑफ दी मंथ' के अवॉर्ड से सम्मानित

कनिष्ठ अभियंता धन्नाराम व ठेकेदार रामकुंवार गुर्जर एवंमहिपाल डुडी को छह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया ।

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नरेट में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत,लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को ''कांस्टेबल ऑफ दी मंथ'' के अवॉर्ड से सम्मानित किया। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि मई माह का ''कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से जवाहर सर्किल थाने के कांस्टेबल मुकेश को दिया गया। मुकेश ने अज्ञात तीन वर्षीय बच्ची का अपहरण होने पर तत्काल टीम के साथ मिल कर सीसीटीवी फुटेज पर काम किया और बच्ची को सकुशल उसके माता-पिता तक पहुंचाया और आरोपी को गिरफ्तार करने में अहम भूमिका रही। वहीं सिंधी कैम्प थाने के कांस्टेबल श्रवण कुमार ने घरेलू नौकर द्वारा नकबजनी की वारदात करने पर तकनीकी सहायता व कड़ी मेहनत से आरोपित दिनेश कुमार व चुन्नी कुमारी उर्फ आरती को गिरफ्तार कर प्रकरण का सम्पूर्ण माल बरामद करवाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा गलता गेट थाने का कांस्टेबल विनोद कुमार ने पोक्सो एक्ट के प्रकरण में फरार वारंटी बदमाश सपना व मंजू की तलाश के लिए गांव वालों के सहयोग से एवं ग्राम पंचायत के प्रधान को विश्वास में लेकर ढाणी-ढाणी तलाश कर कड़ी मेहनत से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करवाने में अहम भूमिका निभाई।

किसानों को आर्थिक संबल मिला

जयपुर । किसान अपने बेहतर कल के लिए फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए ऋण लेता है लेकिन कई बार मौसम और बीमारी की मार से फसल खराब हो जाती है और समय पर ऋण नहीं चुका पाता, ब्याज बढ़ता जाता है और उसे पुनः ऋण नहीं मिल पाता, वह दूष्चक्र में फंस जाता है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील सरकार ने किसानों की इस समस्या का हल मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना-2025-26 से निकाला जिसमें अवधिपार ऋण राशि का मात्र 25 प्रतिशत जमा करवाने पर किसान को ब्याज में एकमुश्त राहत दी जाती है और वह पुनः ऋण लेने का पात्र हो जाता है। यह योजना जोधपुर समेत पूरे राज्य के किसानों के लिए भी वरदान साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत जोधपुर सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड से अब तक 36 किसानों ने 62.41 लाख रूपये की ऋण राहत प्राप्त की है।

अग्नि निरोधक समिति की बैठक सम्पन्न

नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में अग्नि निरोधक समिति की बैठक आयोजित की ।

जयपुर। अग्नि निरोधक समिति अध्यक्ष पारस जैन की अध्यक्षता में नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में अग्नि निरोधक समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें समिति सदस्य शक्ति प्रकाश यादव, लक्ष्मण नूनीवाल, गोविन्द छीपा, रमाकान्त शर्मा, श्रमति पूजा गुरनानी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल, अग्निशमन अधिकारी देंवाग यादव, श्रीमति उषा शर्मा, सहायक अग्निशमन अधिकारी तथा फायर शाखा के कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में अग्निशमन सर्वे के संबंध में चर्चा की गई साथ ही फायरमैन पद बढ़ाने के प्रस्तावों पर, रेवन्यू को बढ़ाने पर, जोनवाइज गार्डन्स का परीक्षण करने पर, फायर एनओसी पर चर्चा की गई।

पाक विस्थापितों और घुमंतुओं को 160 प्लॉट देगा जे.डी.ए.

- जयपुर के विकास के लिए 87 करोड़ के विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

जयपुर विकास प्राधिकरण के मंथन सभागार में आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में पब्लिक वर्क कमेटी की बैठक आयोजित की।

जयपुर। विकास प्राधिकरण एक बार फिर नई आवासीय योजनाएं लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। गुरुवार को जयपुर विकास प्राधिकरण के मंथन सभागार में आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में पब्लिक वर्क कमेटी (पीडब्ल्यूसी) की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जोन - 11 आवासीय योजना के लिए मानचित्र अनुमोदन किया गया। वहीं ग्राम सीतापुर में घुमंतु और पाक विस्थापितों के लिए 160 प्लॉट आवंटन करने का फैसला किया गया। इसके साथ ही 87 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को भी वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई।

जेडीए के जोन - 11 के क्षेत्राधिकार में स्थित ग्राम नेवटा, तहसील सांगानेर में 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1409 और ग्राम खटवाड़ा तहसील सांगानेर के खसरा नंबर 975 - 1199, 1101, 1104, 1105 कुल 18 रकबा 22.23 हैक्टेयर भूमि पर आवासीय योजना का मानचित्र अनुमोदन किया गया।

जेडीए के जोन - 11 के क्षेत्राधिकार में स्थित ग्राम मानपुरा टीला वाला तहसील सांगानेर के खसरा नंबर 249, 254, 255, 258 और 259 कुल 5 कुल रकबा 3.32 हैक्टेयर भूमि पर आवासीय योजना का मानचित्र अनुमोदन किया गया।

जोन - 10 के क्षेत्र में खोरी रोपड़ा (पटेल नगर) आवासीय योजना में चारदीवारी निर्माण के लिए 7.09 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। इसके साथ ही जोन - 13 में जीपी लगंड़ियावास राहोरी और नायला जमवारामगढ़ में विकास कार्य और सड़क के लिए 4.83 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

जोन - 9 में डी मार्ग सर्किल से राणा सांगा मार्ग पर राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा भूमिगत लाईन डालने से हुए रोड़ कट के नवीनीकरण के लिए 2.94 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जोन - 9 के क्षेत्र में विभिन्न निजी खातेदारी की अनुमोदित आवासीय योजनाओं में बी.टी. सड़क निर्माण कार्यों के लिए 19.84 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति, बीआरटीएस कॉरिडोर चौमू पुलिया से 14 नंबर रोड़ वीकेआई तक स्ट्रीट लाईट के वर्क ऑफ स्कोप को मंजूरी दी गई। जेडीए क्षेत्राधिकार में पीएचईडी (दक्षिण) के अन्तर्गत दो वर्ष के लिए जलापूर्ति के संचालन और रख - रखाव के लिए 2.76 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जोन - 14 में अनुमोदित निजी खातेदारी की योजना में सड़क निर्माण हेतु 32.50 करोड़ रुपए की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति पृथ्वीराज नगर दक्षिण में मानसरोवर मैट्रो स्टेशन से रीको आरओबी तक न्यू सांगानेर तक सड़क निर्माण के लिए 16.71 करोड़ रुपए की संशोधित प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति जारी की गई।

कार्यक्रमों का आयोजन

जयपुर। आगामी वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान अन्तर्गत राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गुरुवार को विभिन्न विभागों द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु बहुआयामी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कृषि विभाग द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्राम पंचायत बस्सी झाझड़ा, पंचायत समिति जोबनेर तथा ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम ग्राम जोरपुरा, जोबनेर में आयोजित किए गए।कार्यक्रम के दौरान बस्सी झाझड़ा में कुल 20 कार्य (फार्म पॉण्ड, पाइपलाइन एवं गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना) एवं जोरपुरा में 9 कार्य स्वीकृत किए गए। डीबीटी के माध्यम से अनुदान राशि का हस्तांतरण हुआ, प्राकृतिक/ जैविक/प्रीसिजन खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई पद्धितयों पर कार्यशालाएँ व प्रदर्शनी आयोजित हुईं, पूर्व स्वीकृत कार्यों का अवलोकन एवं नवीन प्रस्तावों की स्वीकृति दी गई, पौधारोपण हेतु अग्रिम तैयारियाँ सुनिश्चित की गईं, कम्पोस्टिंग तकनीक का प्रचार-प्रसार किया गया

सार-समाचार

मधुर मलिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मो.युसुफ खान प्रचार मंत्री मनोनित

जयपुर । राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जिला शाखा जयपुर के जिला कार्यकारिणी में राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के मुख्यालय अध्यक्ष मधुर मलिक को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मो. युसुफ खान को राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ जिला शाखा जयपुर का प्रचार मंत्री मनोनित किये जाने पर राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष दशरथ कुमार, महामंत्री प्रदीप शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद, संयुक्त महासचिव गोविंद नाटाणी, रमेश चन्द शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए आभार जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी कर्मचारी हितों एवं मण्डल हितों की मांगों का संघर्ष करते हुए कर्मचारी जगत के हितों के लिये कार्य करते रहेंगे।

मोहन वीणा-सात्विक वीणा की विश्व प्रसिद्ध जुगलबंदी 14 जून को

जयपुर। जयपुर में भारतीय शास्त्रीय संगीत को विश्व मंच पर पहचान दिलाने वाले ग्रैमी अवार्ड विजेता, पद्म भूषण पंडित विश्व मोहन भट्ट और उनके पुत्र, 'तंत्री सम्राट' पंडित सलिल भट्ट की मोहन वीणा और सात्विक वीणा का विशेष जुगलबंदी कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। यह संगीतमय कार्यक्रम 14 जून को शाम 7 बजे से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित किया जाएगा यह विशेष कार्यक्रम न केवल भारतीय शास्त्रीय संगीत बल्कि विश्व संगीत की भी एक अद्भुत प्रस्तुति होगी, जिसमें आलाप, जोड़, झाला, विलंबित और द्रुत गतियों की रचनाएं प्रस्तुत की जाएंगी। इस दौरान विश्व शांति के लिए राग विश्व कौंस में पिता - पुत्र की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण का केंद्र होगी। इसके साथ ही, राम और हनुमान जी की स्तुतियों की संगीतात्मक व्याख्या भी की जाएगी। वहीं, बनारस घराने के प्रसिद्ध तबला वादक, पंडित अभिषेक मिश्रा, अपने तबले की जोरदार थाप से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। जयपुर की मिट्टी में जन्मे पंडित विश्व मोहन भट्ट राजस्थान के एकमात्र पद्म भूषण से सम्मानित संगीतज्ञ हैं। उन्हें ग्रैमी अवार्ड, संगीत नाटक अकादमी अवार्ड और राष्ट्रीय तानसेन सम्मान जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हैं। इस अवसर पर उन्हें उनके 75वें अमृत महोत्सव वर्ष में विशेष सम्मान से भी नवाजा जाएगा कार्यक्रम की सूत्रधार प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना, अभिनेत्री और कोरियोग्राफर शिंजिनी कुलकर्णी होंगी, जो पंडित विश्व मोहन भट्ट और पंडित सलिल भट्ट के साथ एक अनूठे इंटरव्यू में उनके जीवन के प्रेरणादायक व रोचक पहलुओं पर संवाद करेंगी।

मदन राठौड़ ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर से मन अत्यंत व्यथित है। इस दुखद घटना में जिन अनमोल जीवनों की क्षित हुई, वह अपूरणीय है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें। हम सब इस कठिन घड़ी में एकजुट हैं। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और विमान हादसे में सवार यात्रियों के असामयिक निधन से अत्यंत दुःख हुआ। वहीं इस दुखद हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन की खबर से राजनीति जगत में भी शोक की लहर दौड़ गई है। विजय रूपाणी लंदन जा रहे थे।दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।

डॉक्टर की क्लिनिक से डेढ़ लाख रुपए चोरी

जयपुर। मोतीडूंगरी थाना इलाके में एक क्लिनिक से डेढ़ लाख रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है पुलिस के अनुसार आदर्श नगर निवासी डॉ नीरज भुटानी ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी गोविंद मार्ग पर क्लिनिक है। उसकी क्लिनिक से किसी ने डेढ़ लाख रुपए पार कर लिए। घटना 7 जून की बताई जा रही है। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नौकरी लगाने के नाम पर युवक से ठगे तीन लाख

जयपुर। मोती डूंगरी थाना इलाके में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवक से तीन लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार मोती डूंगरी गणेश मंदिर के पास रहने वाले मनोज कुमार बैरवा ने मामला दर्ज करवाया कि रोहित ने उसे नौकरी लगवाने का झांसा दिया और उससे कई बार में तीन लाख रुपए ले लिए। रुपए लेने के बाद भी आरोपी ने उसे नौकरी नहीं लगवाई और ना ही रुपए वापस लौटाए। इस पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली।

चोर चारों टायर चोरी कर ईंटों पर खड़ी कर गए कार

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में चोर घर के बाहर खड़ी कार के चारों टायर खोलकर उसे पत्थरों पर खड़ा कर गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार मीनावाला निवासी भव्य कायतवाल ने मामला दर्ज करवाया कि उसने रात को अपने घर के बाहर कार खड़ी की थी सुबह उठा तो देखा कार के चारों टायर गायब थे और कार ईंटों पर खड़ी थी। इस पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना 9 जून की बताई जा रही है। पुलिस इस मामले में घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

जुआ खेलते दो जुआरी गिरफ्तार

जयपुर। शास्त्रीनगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी) ने कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे दो जुआरियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से साऐ तीन हजार रुपये की जुआराशि सहित उपकरण जब्त किए गए है। थानाधिकारी महेन्द्र सिंह ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर जुआ खेल रहे भारत निवासी मानसरोवर और राजकुमार उर्फ राजू निवासी मानसरोवर को गिरफ्तार कर साढे तीन हजार रुपये की जुआराशि जब्त की है।

ARBiT it happens here...
राष्ट्रदूत
FRIDAY
13 June 2025
A-B

Removing the Unwanted

National Weed Your Garden Day is observed annually on June 13th. Its purpose is to encourage gardeners to take some time out of their busy schedules to remove unwanted weeds, promoting a healthier and more productive garden. This annual observance serves as a reminder for gardeners to dedicate a small amount of time to weed their gardens. By addressing weeds, gardeners can help their plants thrive, ensuring a more vibrant and successful harvest. Take time to weed your garden as you celebrate today. Pro-Tip for celebration: Use#NationalWeedYourGardenDay to post the activity on social media.

#RESEARCH

There Is A (WASp) To Help Repair

It is possible that gene therapy or stem cell therapy could restore WASp function!

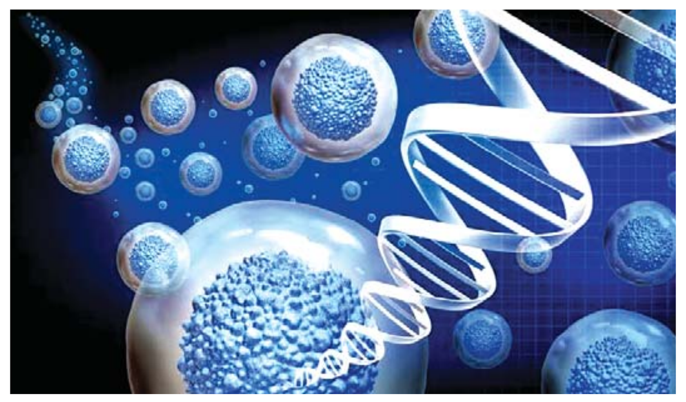

New research reveals that the 'guardian of the genome' doesn't work alone on DNA repair. DNA replication and repair happens thousands of times a day in the human body, and most of the time, people don't notice when things go wrong, thanks to the work of Replication protein, A (RPA), the 'guardian of the genome.'

Scientists previously believed this protein 'hero' responsible for repairing damaged DNA in human cells worked alone, but the new study shows that RPA works with an ally called the WAS protein (WASp) to prevent potential cancers from developing.

What the deficiency of WASp can do

The researchers discovered these findings after observing that patients with Wiskott-Aldrich syndrome (WAS), a genetic disorder that causes a deficiency of WASp, not only had suppressed immune system function, but in some cases, also developed cancer. Yatin Vyas, professor and chair of the pediatrics department at Penn State College of Medicine and pediatrician-in-chief at Penn State Health Children's Hospital, conducted prior research that revealed that WASp functions within an apparatus that is designed to prevent cancer formation. As a result, some cancer patients had tumor cells with a WASp gene mutation. These observations led him to hypothesize that WASp might play a direct role in DNA damage repair.

"WAS is very rare, less than 10 out of every 1 million boys have the condition," says Vyas. "Knowing that children with WAS were developing cancers and also observing WASp mutations in tumor cells of cancer patients, we decided to investigate whether WASp plays a role in DNA replication and repair."

The researchers conducted protein-protein binding experiments with purified human WASp and RPA and discovered that WASp forms a complex with RPA. Further tests revealed that WASp 'directs' RPA to the site where single DNA strands are broken and need to be repaired. According to Vyas, without the complex, DNA repair happens by secondary mechanisms, which can lead to cancer. This novel function of WASp is conserved through evolution, from yeast to humans. The results of the study appear in *Nature Communications*. In the future, Vyas and colleagues will continue to study how their observations about this RPA-WASp complex formation can be applied to treating cancer patients. Vyas says it is possible that gene therapy or stem cell therapy could restore WASp function and may prevent further tumor growth and spread. He also mentions the possibility of using WASp dysfunction as a biomarker for identifying patients at risk for autoimmune diseases and cancers.

"This complex we've discovered plays a critical role in preventing the development of cancers during DNA replication," says Vyas. "Translating this discovery from bench to bedside could mean that someday, we have another tool for predicting and treating cancers and autoimmune diseases." Coauthors are from Penn State; the University of Seville-CSIC-University Pablo de Olavide; the University of Iowa Carver College of Medicine; and the Institute of Cancer Research. The authors declare no conflicts of interest.

Support for the work came from the National Institutes of Health; the ICR Intramural Grant and Cancer Research UK Programme; the European Research Council and the Spanish Ministry of Science and Innovation grant; the University of Iowa Dance Marathon research award; the Research Bridge Award from the Carver College of Medicine University of Iowa; and endowments from the Mary Joy & Jerre Stead Foundation and from Four Diamonds and Children's Miracle Network.

Diabetes And Fruit? Go On...

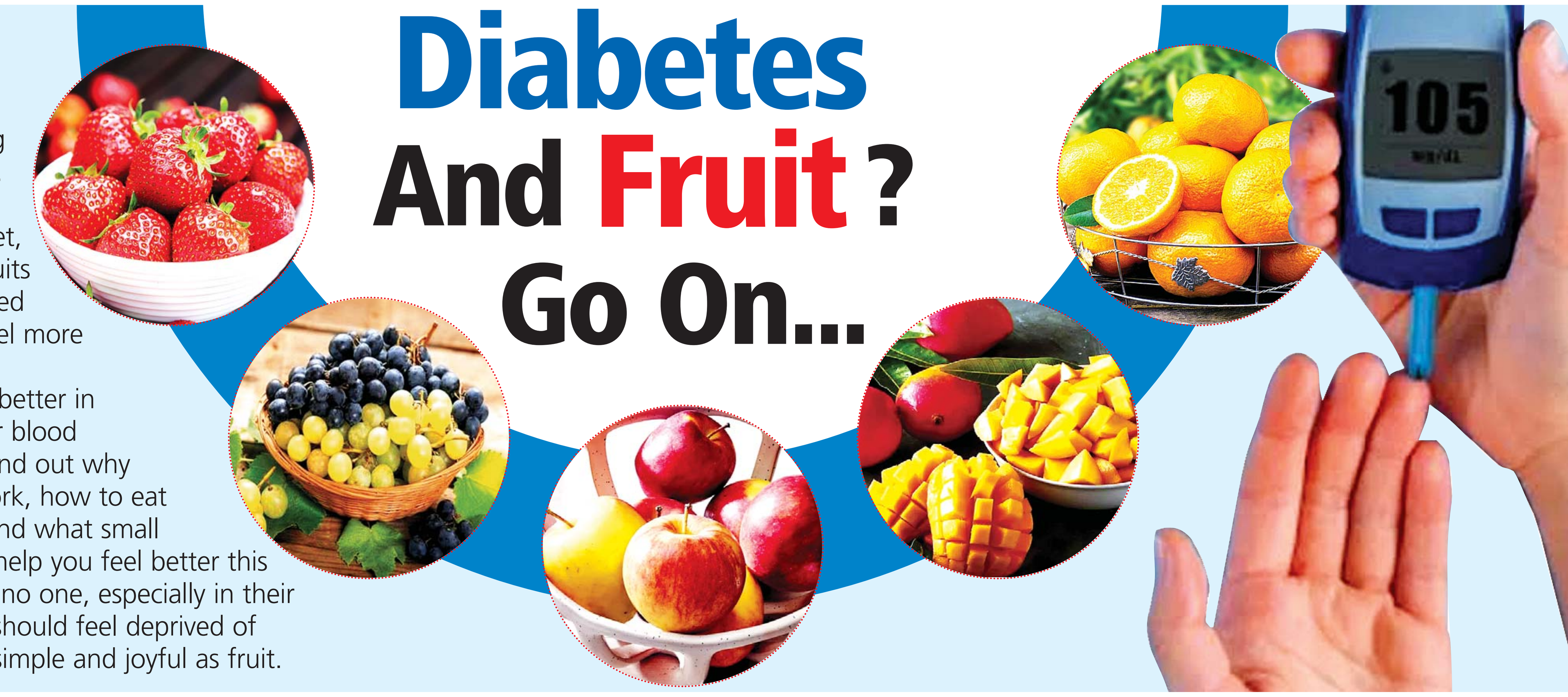

Many doctors across the country are already shifting their guidance. I'll share five incredibly sweet, easy to find fruits that have helped older adults feel more energized, less inflamed, and better in control of their blood sugar. You'll find out why these fruits work, how to eat them wisely, and what small change could help you feel better this week because no one, especially in their golden years, should feel deprived of something as simple and joyful as fruit.

● Moitra Dey

Have you ever been told that if you have diabetes, you need to avoid sweet fruits altogether? Maybe, you've stood in the produce aisle looking at a ripe apple or a juicy bunch of grapes and thought, "I can't risk it." It's a message that's been repeated for decades. Sugar is the enemy and sweet fruits are too dangerous. But what if that message is incomplete? What if some of the most familiar, affordable, and naturally sweet fruits, the ones you pass by every week, are actually working for your health, not against it? Recent studies are beginning to challenge long held beliefs about fruit and diabetes, showing that several sweet fruits can actually help lower blood sugar, improve digestion, and reduce inflammation when eaten the right way.

Many doctors across the country are already shifting their guidance. I'll share five incredibly sweet, easy to find fruits that have helped older adults feel more energized, less inflamed, and better in control of their blood sugar. You'll find out why these fruits work, how to eat them wisely, and what small change could help you feel better this week because no one, especially in their golden years, should feel deprived of something as simple and joyful as fruit.

Strawberries

There's something about a strawberry that brings back warm memories. Summer afternoons, fresh bowls at family gatherings, or a small dish lovingly prepared by a spouse long gone. That familiar red fruit isn't just delicious, it holds quiet power, especially for seniors living with diabetes for years. Many of us were told to avoid sweet fruits like strawberries. We were warned that the sugar would spike our glucose, that it was better to be safe than sorry. But today, science and experience are painting a much different picture. Strawberries may be sweet but they're also incredibly smart. Rich in anthocyanins, the natural pigments that give them their vibrant red colour, strawberries help slow the absorption of sugars into the bloodstream. That means you can enjoy their sweetness without suffering the roller coaster of blood sugar spikes and crashes. And they don't stop there. These little fruits are packed with antioxidants that fight inflammation, something so many of us struggle with as we age. Whether it's stiff knees in the morning, sore fingers after gardening, or that dull ache that seems to settle in your lower back, inflammation is often the culprit. Strawberries quietly go to work, supporting your joints, your heart, even your memory. Their fiber content is gentle yet effective. One cup offers just enough to help keep digestion regular without overwhelming the stomach. And just when you think a fruit couldn't possibly be sweeter or more surprising, wait until you hear about one of the most misunderstood fruits in the produce aisle, grapes.

Grapes

Grapes have long been a symbol of sweetness, abundance, and even celebration for many older adults. But when you're living with diabetes or trying to manage your blood sugar, you may have looked at grapes with hesitation, wondering if their sugary taste meant they were off limits. Surprisingly, these little fruits are far more powerful than they seem and their impact on your health might just change the way you see them. Though small in size, grapes are rich in resveratrol, a natural plant compound found mostly in their

skin. Resveratrol has been studied extensively for its effects on insulin sensitivity, helping your body respond more efficiently to sugar. For people over 60, when insulin resistance often begins to creep in, that's a big deal. Grapes are also packed with antioxidants that reduce inflammation and oxidative stress, two underlying causes of not only diabetes complications but also joint pain, fatigue, and even memory issues. Paired with a source of protein like a small piece of cheese or a handful of walnuts, grapes can actually stabilize blood sugar rather than spike it. Coming up next is a fruit so common that we often overlook, yet it's been quietly supporting digestion, heart health, and stable blood sugar for generations. It's crisp, it's classic, and it just might be the most reliable fruit in your kitchen: apples.

#LIFE KINGSIZE

Mango

Yes, it's sweet, but it's also rich in fiber which helps slow the release of sugar into your bloodstream. That means when eaten in moderation, especially with the skin on or paired with protein, mango doesn't flood your system. It nourishes it slowly and steadily. It's a fruit that works with your body, not against it. But the real magic of mango goes beyond blood sugar. It's loaded with vitamin C which supports immune health, especially important as we age, and vitamin A, essential for maintaining healthy vision and skin. Mango also contains unique compounds that aid in fat metabolism and help fight oxidative stress, which plays a role in everything from chronic inflammation to memory decline for older adults facing fatigue, joint discomfort, or simply the slow grind of aging. There's one last classic that still has something powerful to offer. It's bright, refreshing, and often overlooked for its true potential. Let's turn to the trusted orange, an old friend with new lessons for better living.

Oranges

When you peel back the layers, both literally and figuratively, you discover that oranges are one of the most misunderstood fruits in the diabetic conversation. Whole oranges, not juice, offer a powerful combination of fiber, hydration, and slow release of natural sugars. The fiber, especially in the membrane between slices, helps slow glucose absorption, preventing sudden spikes in blood sugar levels. It's a steady, balanced kind of sweetness, something our bodies appreciate more and more as we age. But oranges give us much more than sweetness. They're packed with vitamin C, a key nutrient for immune support which becomes increasingly vital as our systems grow more vulnerable with time. They also contain potassium which helps regulate blood pressure and reduce water retention, two common concerns for older adults managing heart health alongside diabetes. The flavonoids in oranges have been shown to reduce inflammation, improve circulation, and even support cognitive health, all from a fruit that's often treated like an afterthought. So, which fruits should you stop eating? You might be surprised. Let's take a closer look.

Apples

We've heard that an apple a day keeps the doctor away, and while that phrase may feel old-fashioned, its truth has never been more relevant, especially for older adults navigating the complexities of blood sugar, inflammation, and heart health. At first glance, an apple may seem too sweet, especially for someone with diabetes, but nature designed it with care. Beneath that crisp skin lies a rich source of soluble fiber, especially pectin, which slows the absorption of sugar into your bloodstream. That means when you enjoy an apple, you're not causing a rapid spike in glucose, you're nourishing your body in a way that's measured and balanced. But apples offer more than blood sugar support. They aid digestion, ease constipation, and even support cholesterol levels. The gentle fiber works like a broom sweeping through your digestive system, helping things move naturally and comfortably. For seniors, that kind of quiet assistance is invaluable. Managing diabetes doesn't have to mean giving up the foods you love. Sometimes, it just means seeing them in a new light. But while apples offer steady support, there's another fruit ahead that might surprise you even more: a tropical favourite, that's been unfairly judged for its sweetness but hides remarkable power when paired correctly. It's golden, juicy, and just might change your mind about what's possible in a diabetic friendly diet. Let's take a closer look at mango.

Which Fruits Should You Stop Eating?

Six, so which fruits should you stop eating? It's a question many of us are too afraid to ask out loud, especially after hearing that fruit is natural, healthy, and always good for you. But the truth, especially for those of us navigating diabetes in our later years, is more nuanced. Not every fruit supports your body the way it should and some, no matter how innocent they seem, can quietly work against the progress you've made. It doesn't mean we need to live in fear of food, but we do need to be informed, aware, and willing to listen to our bodies. The fruits that tend to cause the most trouble aren't necessarily the sweetest, they're the most processed or stripped of their natural balance. Fruit juices, even those labeled 100% natural, remove the fiber that slows sugar absorption. What's left is a concentrated dose of fructose that floods your bloodstream. That morning glass of orange juice may feel refreshing, but it's closer to a soda in how it affects your blood sugar. Dried fruits can also be deceiving. A handful of raisins or dried mango may look small but it can contain the sugar of several fresh fruits without the water or fiber to slow things down. For older adults with slower digestion and a more fragile insulin response, that can be overwhelming. Even

something as familiar as a dried date or fig, while rich in nutrients, can become a hidden trigger for blood sugar spikes when eaten in excess. And then, there are the overly ripe fruits. Bananas with brown spots, for example. As fruit ripens, its starches convert into simpler sugars. That means a greenish banana is gentler on your system than a soft sweet one. Some tropical fruits, too, such as pineapple and watermelon, can be tricky. Eating fresh and in small portions, they can fit into a balanced plan, but large servings on an empty stomach, that's when the trouble begins. Context matters. Your body needs more than sweetness, it needs balance.

Your Body Deserves Better, Starting Today

Starting today, as we grow older, we begin to see that health is no longer just about rules, restrictions, or perfect numbers on a chart. It's about how we feel when we wake up in the morning. It's about the ease in our joints, the clarity in our thoughts, the steadiness of our steps, and the quiet confidence that we're doing the best we can with what we have. Throughout this journey, fruit has too often been cast as a villain, especially for people managing diabetes. But what we've learned together is that not all sweetness is harmful. In fact, nature's sweetness, when left intact, balanced with fiber, water, and nutrients, can be a source of deep nourishment and quiet healing. The fruits we've explored, strawberries, grapes, apples, mangoes, oranges, are more than snacks, they're reminders. Reminders that food is not just fuel; it's comfort, memory, culture, connection. When eaten with mindfulness and paired with the wisdom of our own bodies, these fruits offer us something powerful: the ability to enjoy life's small pleasures without fear. And that matters, especially in our later years, when joy should be more present, not less. You are not too old, too late, or too far gone to make a change. Your next chapter is still being written and you get to choose how it feels, what it tastes like, and how it supports the life you still want to live. Let food be your partner, not your prison. Let fruit be your friend again. These lessons are meant to inspire you to live fully and authentically.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SPACE

Closer Than Ever Before

"Parker Solar Probe" 'touching the Sun' is a monumental moment for solar science.

In an incredible historic first, a human-made spacecraft has swooped in and made contact with the Sun. The US space agency NASA is ending 2021 for space science on a historical high! For the first time in human history, a spacecraft has just touched the super hostile environment of our star: the magnificent Sun. This historic feat belongs to Parker Solar Probe!

The Parker Solar Probe flew through the solar atmosphere known as corona in April during the spacecraft's eighth close approach to the sun. After three years of spiralling closer to the Sun, the probe successfully flew into Sun's upper atmosphere, the corona. The spacecraft bears the heat with the help of over 4 inch thick carbon-composite shields. It's a dream come true for scientists as it took over six decades to achieve this feat.

"Parker Solar Probe 'touching the Sun' is a monumental moment for solar science and a truly remarkable feat. Not only does this milestone provide us with deeper insights into our Sun's evolution and its impacts on our solar system, but everything we learn about our own star also teaches us more about stars in the rest of the universe," Thomas Zurbuchen, associate administrator for the Science Mission Directorate at NASA Headquarters in Washington, said.

The audacious mission worth $1.5-billion was launched in 2018 with an objective to closely study the Sun and understand its influence on the solar system. NASA announced the breakthrough news at a press conference during the 2021 American Geophysical Union Fall Meeting held in New Orleans on Tuesday, December 14.

How do we know if the spacecraft has touched the Sun?

In April 2021, the Parker probe achieved this historic milestone during its eighth close flyby of the Sun. Scientists meticulously analysed the data for the next eight months, concluding that the probe had indeed crossed the boundary, known as the Alfven critical surface. This point marks the end of the solar atmosphere and the beginning of the solar wind, explains NASA. This is an interface where the solar material becomes solar wind, which streams out across space. Swedish physicist Hannes Alfven first hypothesised this boundary in 1942. And finally, Parker's major accomplishment proved its existence with empirical evidence!

During the April flyby, which lasted for five hours, the spacecraft obtained an interesting insight on the Alfven critical surface. It ventured in and out of the corona multiple times and found that the boundary wasn't a smooth wall. Instead, it has spikes and valleys that wrinkle the surface. In the coming years, the team is confident of decoding the main reasons behind it.

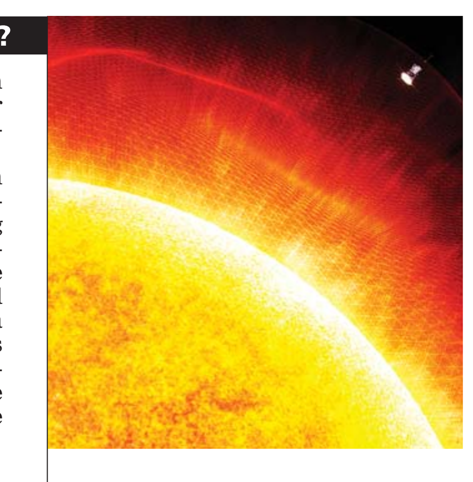

Exciting findings from the closest flyby

Flying so close helped Parker solve some of the most vexing issues around the Sun. This mission aims to understand the solar wind and the corona layer, which burns at unimaginably hot temperatures of millions of degrees.

After passing through Alfven critical surface, the spacecraft encountered another peculiar feature of the Sun at 15 solar radii (around 6.5 million miles) from the surface. This feature is known as pseudostreamer, composed of electrically charged material. The environment resembles that of the eye of the storm. NASA statement explains these are massive structures, which rise above the Sun's surface and are usually spotted from Earth only during solar eclipses.

Ever since its launch, the probe has been relentlessly working! The first biggest revelation from Parker came in 2019. Thorough data analysis revealed the presence of magnetic zig-zag structures in the solar wind, called switchbacks; but, how these structures form remained a mystery to date.

Now, with the help of this close approach, scientists suspect that switchbacks originate from the solar surface.

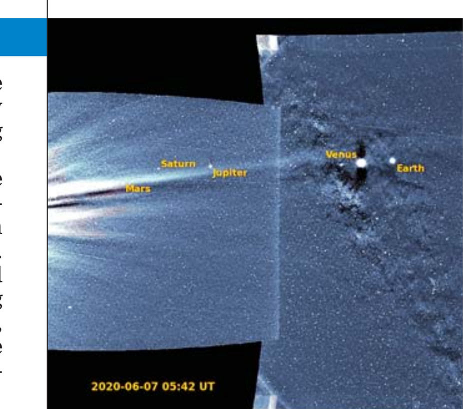

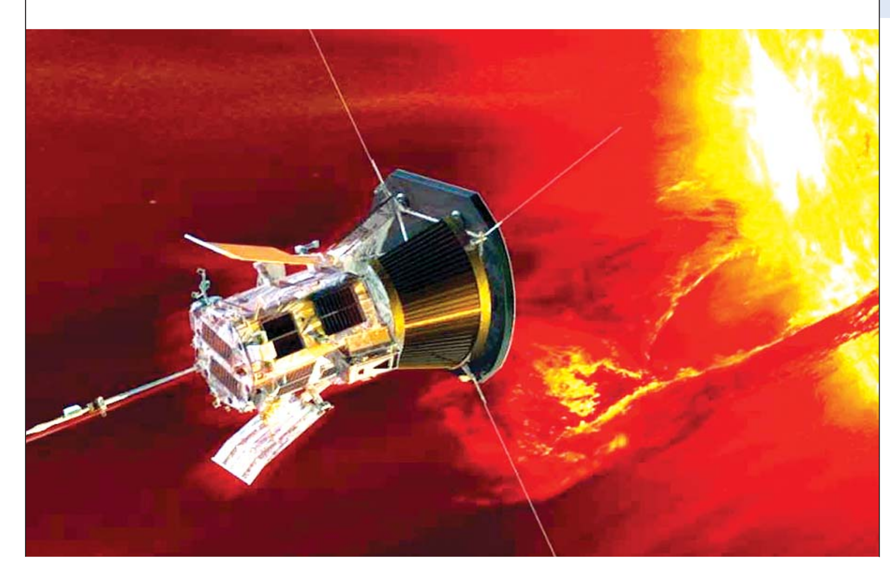

Why does studying these features matter?

Just as the landing on the Moon advanced our understanding of the formation of the Earth's natural satellite, so could be our approach to the Sun. The Sun is the only known star that supports life in the universe! NASA highlights that touching the Sun would help get better insights into the workings of this giant ball that continued to emit charged particles. In addition, experts can learn about how events on the Sun affect the atmosphere, solar wind, and space weather.

Reportedly, the probe is slated to orbit within 3.9 million miles of the Sun's surface in 2024, which is actually closer than planet Mercury. Parker will continue to make repeated flybys to sample the particles and magnetic fields around the upper atmosphere of the Sun.

THE WALL

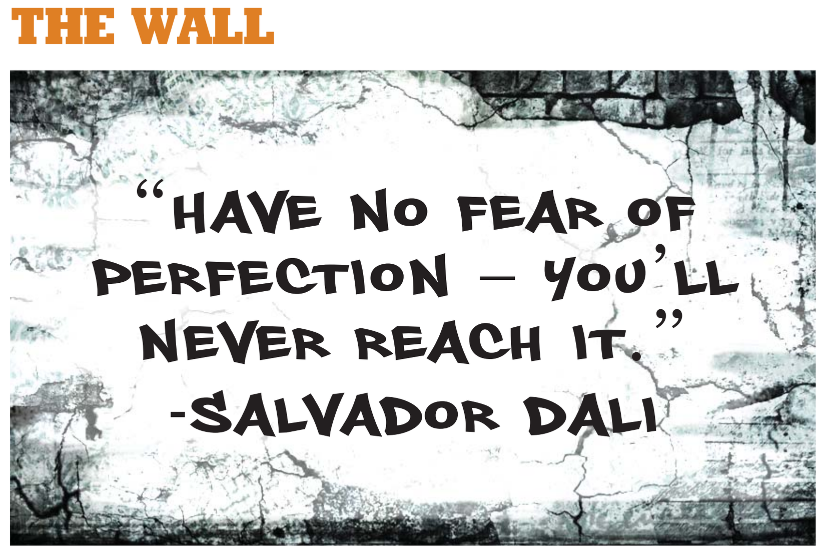

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

''वंदे गंगा'' जन अभियान के तहत जल संरक्षण का संकल्प लिया

श्रमदान, दीप प्रज्वलन और जन भागीदारी से जल बचाने का संदेश गूंजा

नसीराबाद, (निसं)। गंगा दशहरा के उपलक्ष में नसीराबाद नगरपालिका द्वारा आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रशासन, नगरपालिका और आमजन ने मिलकर जल संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, अधिशासी अधिकारी पिंटू लाल जाट और तहसीलदार ममता यादव द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद तीनों अधिकारियों ने स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया, जिससे समाज को स्वच्छता और जल बचाने का सीधा संदेश मिला। लाल डिग्गी तालाब पर दीप प्रज्वलित कर सरोवर की पूजा की गई और सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव, अधिशासी अधिकारी पिंटू लाल जाट और तहसीलदार ममता यादव ने स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि नसीराबाद क्षेत्र में जल संरक्षण को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं। इस क्रम में 19 जून 2025 को खापरी रोड, तलाई और हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में जल स्रोतों की सफाई और मरम्मत की जाएगी। साथ ही पौधारोपण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई, महापुरुषों की मूर्तियों की सफाई, नो प्लास्टिक डे का आयोजन और कचरा निस्तारण जैसे कार्य भी किए जाएंगे।

इस अवसर पर नगरपालिका के सभी अधिकारी, कर्मचारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, स्वच्छता मित्र, और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है।

- **डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभियान की शुरुआत की गई**

इस आयोजन में नवीन रियाड, महेन्द्र सिंह चौहान, ललिता वैष्णव, लीलाधर भाटी, आकाश घुस्सर, पूजा गुर्जर, अक्षय सोनी, प्रासुख रियाड, उपदेश कुमार शर्मा, मनीष कुमार मीणा, सुरेन्द्र कुमार जाट, रविकांत लाखन सहित कई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अजमेर जेएलएन अस्पताल की ओपीडी से बच्चा लापता

अस्पताल स्टाफ की सतर्कता से बच्चा मिल गया

अजमेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में उस समय हडकंप मच गया, जब ओपीडी से गुरुवार सुबह साढ़े तीन साल का बच्चा गुम होने की सूचना मिली। अस्पताल प्रशासन को सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और अस्पताल के सभी चारों गेट बंद करवा दिए। गार्ड और प्रशासन ने बच्चे की पूरे हॉस्पिटल में तलाश की, लेकिन गनीमत रही कि अस्पताल स्टाफ की सतर्कता से बच्चा सही सलामत मिल गया। तब अस्पताल प्रशासन ने राहत की सांस ली। और बच्चे को माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

- **ओपीडी में भीड़ ज्यादा होने के कारण बच्चा अपने माता-पिता से बिछड़ गया था**

जेएलएन अस्पताल डॉ. अरविंद खरे, प्राचार्य डॉ. सामरिया आदि ने बच्चे को मां को सौंपा।

जानकारी के अनुसार फॉयसागर रोड निवासी चंदन यादव अपनी पत्नी के साथ डॉक्टर को दिखाने के लिए जेएलएन हॉस्पिटल की ओपीडी में पहुंचे थे। इस दौरान दोनों पति-पत्नी अपने साढ़े तीन साल के बच्चे को भी साथ लाए थे। बच्चा भीड़ ज्यादा होने के कारण माता-पिता से बिछड़ गया। मां ने जब अपने बेटे को नहीं देखा तो पति को उसकी जानकारी दी गई। पति-पत्नी हॉस्पिटल अधीक्षक के कक्ष में पहुंचे और बच्चा गुम होने की जानकारी दी। कुछ ही देर में बच्चे के गायब होने का पता चलते ही मां का बुरा हाल हो गया। वह रोती-बिलखती इधर-उधर अपने बेटे को तलाशने लगी। पिता भी हड़बड़ाते हुए अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी पहुंचा और बच्चे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

अस्पताल के गेट कराए बंद :- वहीं अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने सूचना मिलते ही गेट बंद करवाए गए और सुरक्षा गार्ड को अलर्ट किया। सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली गई। हर वार्ड, कॉरिडोर, सीढ़ियों और बाथरूम में भी गार्डों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल सामरिया ने कहा कि अस्पताल इलाज के लिए आने वाले परिजन जरूरत पड़ने पर ही अपने बच्चों को साथ लेकर आए, वरना उन्हें घर पर ही रखें क्योंकि अस्पताल में संभाग भर से से मरीज दिखाने आते हैं, इसलिए भीड़ अधिक रहती है।

बच्चे को गले लगाकर रोई मां :- करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद एक सुरक्षा गार्ड को बच्चा अस्पताल के फर्स्ट फ्लोर पर अकेला घूमता हुआ मिल गया। बच्चे को सुरक्षित देखकर पूरे अस्पताल प्रशासन और परिजन ने राहत की सांस ली। मां पूजा ने बताया कि वह डॉक्टर के पास जांच करवाने के लिए गई थी। तभी वह अपने पिता के साथ था। इस दौरान भीड़ में बेटे का हाथ छूट गया। जब बेटा पास नहीं था तब ऐसा लगने लगा कि मेरा जीना ही बेकार है। मैं अपने बाबू को भी संभाल नहीं पाई। मां ने बताया कि मैं अब अपने बेटे को कभी भी अपने से दूर नहीं करूंगी। मैं बच्चों के बिना जी नहीं सकती थी। अब से उसे एक मिनट भी दूर नहीं रखूंगी। मां ने रोते हुए बेटे को गले लगा लिया और पिता ने अस्पताल स्टाफ का धन्यवाद कहा।

डॉ. अरविंद खरे, अधीक्षक जेएलएन अस्पताल का कहना है कि अस्पताल की ओपीडी से बच्चे के लापता होने की सूचना मिली थी, अस्पताल के मुख्य गेटों को बंद करा तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया था। गनीमत रही कि बच्चा सही सलामत मिल गया।

सवारियों से भरी बस पर हमला, यात्री घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार देर शाम को सवारियों से भरी एक निजी बस पर लाठी-सरिया लेकर आए 5-6 युवकों ने हमला कर बस में बुरी तरह तोड़फोड़ की। अचानक हुए इस हमले में यात्री घबराए गए। दो यात्रियों को चोटें भी आई। मामले में पुलिस ने 4 युवकों को हिरासत में लिया है। इधर घबराए यात्री दूसरी बस का इंतजार करते नजर आए।

- **हमले में बस में सवार करीब 32 यात्री घबरा गये,**
- **आरोप है कि रूट पर बस चलाने को लेकर दूसरे ट्रेवल्स वाले ने हमला करवाया है**

पुलिस ने मामले में चार युवकों को हिरासत में लिया।

पाली के टीपी नगर थाने के ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि सोमनाथ ट्रेवल्स की एक बस पीसांगन से सूरत जा रही थी। नया गांव ओवरब्रिज के पास बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे बस जैसे ही स्पीड ब्रेकर पर स्लो हुई, 5-6 युवक लाठी-सरिया लेकर दौड़ते हुए आए और बस के शीशे तोड़ने लग गए। अचानक हुए इस हमले में बस में सवार करीब 32 यात्री घबरा गए और सीट छोड़ कर बस की गैलेरी में आ गए। फिर भी 2 यात्री चोटिल हो गए। हमले के कारण बस में सवार यात्री घबरा गए और जोर जोर से चिल्लाने लगे। सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भाग रहे 4 युवकों को पकड़ा। जिन्होंने अपना नाम गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी नरेंद्र पुत्र हरिसिंह, कसवा की ढाणी गोटन (मेड़ता सिटी) के सुनील पुत्र रामरख, जेके रोड गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी लक्ष्मण पुत्र ओमाराम और टुकलिया गोटन (मेड़ता सिटी) निवासी दीनाराम पुत्र मांगीलाल बताया। जिन्हें गिरफ्तार कर पाली के बांगड़ हॉस्पिटल से मेडिकल करवाया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इस रूट पर चलने वाली दूसरी ट्रेवल्स वाले ने रूट को लेकर रंजिश के चलते कुछ युवकों को भेज कर हमला करवाया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

अफीम सहित एक गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में पुलिस थाना मेहन्दवास द्वारा कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान राजेश कुमार विद्यार्थी वृताधिकारी टोंक व मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा गश्त के दौरान एनएच-52 मेहन्दवास कट पर रात्रि के समय में एक व्यक्ति के पास काला बैग होने पर शक होने पर उसकी तलाशी की गई। इस दौरान आरोपी सोनू राव पुत्र राजकुमार राव के कब्जे से 3 किलो 211 ग्राम मादक पदार्थ अफीम मिलने पर उसे गिरफ्तार किया।

वृद्ध महिला के साथ ठगी

अजमेर, (कासं)। नया बाजार निवासी एक वृद्धा के साथ ठगी की वारदात सामने आई है। शातिर ठग युवती ने वृद्धा को पेंशन दिलाने का झांसा देकर ई-रिक्शा में बैठाकर पुष्कर ले जाकर दो लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण हड़प लिए। मामले की शिकायत कोतवाली थाने में पीड़िता के बेटे ने दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार नया बाजार निवासी रामवतार सोनी ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया कि उसकी मां विजय लक्ष्मी प्रतिदिन सुभाष उद्यान में टहलने जाती हैं। गुरुवार को उद्यान में उन्हें एक युवती मिली, जिसने वृद्धा से दोस्ताना बातचीत शुरू कर दी। बातचीत के दौरान युवती ने वृद्धा को सरकारी पेंशन दिलवाने का झांसा दिया और अपनी बातों में उलझाकर उसे ई-रिक्शा में बैठाकर पुष्कर ले गई। सोनी ने बताया कि छोटे धड़े की नसियां के पास युवती ने वृद्धा के करीब दो लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण उतरवा लिए और पर्स में रखने का बहाना बनाया। इसके बाद वह वृद्धा को पुष्कर स्थित एक बैंक के पास कुछ देर तक बैठाए रही। बाद में युवती वृद्धा को अजमेर ले आई।

हनुमान नगर थाना के सिपाही पुलिस महकमे की साख को धूमिल करने पर उतारू

देवली, (निसं)। यहां शहर के निकटवर्ती हनुमान नगर थाना क्षेत्र में सरपट दौड़ रहे अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टरों की शिकायत पर कॉलोनी वासियों को गैर जिम्मेदारना जवाब देकर पुलिस के सिपाही मुकेश कुमार ने पुलिस महकमें की साख कई गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। हनुमान नगर पुलिस थाना में तैनात सिपाही मुकेश कुमार का कहना है कि बजरी से भरी ट्रैक्टर ट्रॉलीयों को रोकने का काम पुलिस का नहीं है। अगर जनता को इससे परेशानी है तो स्वयं ट्रेलर लाकर रोड के बीच में खड़ा कर देवे।

- **अवैध बजरी परिवहन को रोकने की शिकायत पर सिपाही बेतुका और गैर जिम्मेदारना जवाब दे रहे हैं**
- **आमजन से कहते हैं कि अवैध बजरी परिवहन से पुलिस का क्या लेना देना, तकलीफ हो तो जनता खुद रोड पर ट्रेलर लगा के रोक लेवें**

पुलिसकर्मी द्वारा ऐसे जवाब देने पर सवाल यह उठता है कि क्या आमजन से मिलने वाली शिकायतों को पर राहत और आम नागरिक की सुरक्षा कि जिम्मेदारी आखिरकार किसकी है। इसलिए कि यहां तो पुलिस अवैध बजरी परिवहन की फिक्रमंद बन गई है। ऐसे में अब यहां जनता शिकायत लेकर किसके पास जाए क्योंकि यहां पुलिस अवैध बजरी परिवहन पर कुछ सुनने को तैयार ही नहीं आखिर क्यों? ऐसे हालातों पर सोमवार को मामला यह सामने आया कि इन दिनों हनुमान नगर पुलिस थाना क्षेत्र के कोटा रोड पर स्थित कॉलोनी के मार्गो पर से अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर ट्रोलियां सरपट दौड़ रही हैं। सरपट दौड़ रहे इन ट्रैक्टरों ट्रॉलियों से गंभीर हादसा होने का भय कॉलोनीवासियों को काफी समय से सता रहा है। लेकिन पुलिस ऐसे मामले में कॉलोनी वासियों को राहत पहुंचाने की बजाय गैर जिम्मेदारना जवाब देकर उक्त मामले में कार्रवाई करने से पल्ला झाड़ते हुए दिखाई पड़ी है। ऐसे में नाम नहीं छापने की शर्त पर कॉलोनी वासियों ने बताया कि इस मामले और हालातों कि जानकारी क्षेत्रवासियों ने कई बार हनुमान नगर थाना पुलिस तक पहुंचाई, लेकिन पुलिस ने ऐसे हालातों पर कार्रवाई करने की जहमत आज तक नहीं उठाई। इससे साफ जाहिर होता है कि बजरी माफिया और पुलिस के बीच मिलीभगत बनी हुई है।

देवली में सरपट दौड़ते बजरी भरे ट्रैक्टर ट्रॉली। (फाइल फोटो)

मुकेश कुमार, सिपाही, पुलिस थाना हनुमान नगर, जिला भीलवाड़ा का कहना है कि अरे भई आप कौन हो क्या कहना चाह रहे हो ट्रेलर लगा दीजिए आप। बजरी के ट्रैक्टरों से हमारा क्या लेना देना, हमारा क्या काम है। भई क्या लेना देना। कुएं में गिरे यह सारे के सारे ट्रैक्टर वाले। यह कौन चला रहा है। आप खुद मालूम कर खुद रोक लो।

लोको पायलट की सूझबूझ से युवक बचा

जोधपुर, (कांस)। जोधपुर में बुधवार देर रात ट्रेन के लोको पायलट की सूझबूझ की वजह से एक युवक की जान बच गई। ओसियां में रेलवे ट्रैक पर एक युवक बेहोश पड़ा था। उसके दोनों हाथ बंधे थे। यह देखकर लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए। ट्रेन बेहोश पड़े युवक से कुछ इंच पहले जाकर रुकी। ओसियां थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि जोधपुर जीआरपी थाने से जीरो नंबर एफआईआर मिली थी। उसी आधार पर केस दर्ज किया है। पीड़ित कानाराम पुत्र कुशालाराम, निवासी इस्लामिया मदरसा के पास नयापुरा ओसियां ने बताया कि वह फैक्ट्री में काम करता है। साल 2024 में एक आदिवासी रैली के दौरान उसकी दोस्ती खींवसर निवासी अजीत सिंह से हुई थी।

श्रीगंगानगर में संदिग्ध गुब्बारा मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र में एक बार फिर संदिग्ध वस्तु मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। देर रात पदमपुर क्षेत्र की चक 3 पीपी भूमि पर किसान के खेत में पाकिस्तानी एयरलाइंस का लोगो लगा एक बड़ा हरा गुब्बारा मिला, जिस पर उर्दू और अंग्रेजी में कुछ लिखा हुआ था। घटना के बाद पुलिस और खूफिया विभाग अलर्ट हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार गुब्बारा चक 3 पीपी निवासी पतराम पुत्र मंगलाराम नायक के खेत में मिला। खेत की निगरानी के लिए गए 3 पीपी निवासी किसान मदनलाल ने सबसे पहले इसे देखा। जब पास जाकर उसने गुब्बारे पर लिखावट देखी तो उसे संदेह हुआ। मदनलाल ने घमुड़वाली थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही घमुड़वाली थाने से हेड कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र कुमार, कॉन्स्टेबल हरिराम और कॉन्स्टेबल श्यामसुंदर बिश्नोई मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने खेत का निरीक्षण किया और संदिग्ध गुब्बारे को कब्जे में लेकर सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे सील किया। गुब्बारे को थाने के मालखाने में सुरक्षित रूप से रखवा दिया गया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में किसी तरह की संदिग्ध सामग्री या उपकरण गुब्बारे के साथ नहीं मिला, लेकिन पाकिस्तान से जुड़े लोगो और लिखावट के कारण मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। थानाधिकारी ने इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों और खुफिया एजेंसियों को भी दी, जिनके निर्देश पर विस्तृत जांच की जा रही है।

अवैध शराब ठेका चलाने पर ग्रामीणों में आक्रोश

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के बयाना उपखंड क्षेत्र के गांव बिडयारी से नगला पुरोहित जाने वाले मार्ग पर कंटेनर में अवैध रूप से शराब ठेका चलाने के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला कलेक्ट्रेट एवं जिला आबकारी कार्यालय पहुंचे, जहां नारेबाजी करने के साथ साथ अधिकारियों को ज्ञापन दिया और अवैध शराब ठेके को तत्काल हटाने की मांग की। हालांकि इससे पहले उपखंड अधिकारी को भी ग्रामीण ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन जब समस्या का हल नहीं हुआ तो जिला अधिकारियों को ज्ञापन देने को मजबूर हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह कंटेनर गोदाम के नाम पर लगाया गया है, लेकिन इसकी आड़ में अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है। इस रास्ते से प्रतिदिन छात्र-छात्राएं, महिलाएं, मजदूर, दुकानदार और अन्य आमजन आना-जाना करते हैं।

पेट्रोल पंप सेल्समैन की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या की

दूदू, (निसं)। निकटवर्ती मरवा गांव के पास संचालित पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन की दो बदमाशों ने पेट्रोल के पैसे मांगने की बात को लेकर गोली मार कर हत्या कर दी।

पंप संचालक दातार सिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा कर अवगत कराया कि रात्रि को पेट्रोल पंप पर काले रंग की तर गाड़ी में दो जने सवार होकर आए तथा सेल्समैन शैतान सिंह से पेट्रोल भरवा लिया। पैसे मांगने की बात पर गाली-गलौच कर सिर पर गोली मारकर फरार हो गए। घटना की सूचना नरेना थाने में दी। मौके पर थाना प्रभारी धर्मसिंह गुर्जर मय जाप्ते के पहुंचे तथा घटना के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। शैतान सिंह को संत दादू दयाल राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बदमाशों द्वारा इसी दौरान पानवा कला में भी फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने नाकेबंदी कर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। परिजनों एवं आसपास के ग्रामीणों की भीड़ चिकित्सालय में जमा हो गई तथा अपराधियों को पकड़ने एवं पंप संचालक से मुवावजे की मांग की गई। मौके पर अ. पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा, पुलिस अधीक्षक अनुपम मिश्रा भी पहुंचे।

सेना के जवान विक्रम सिंह का अंतिम संस्कार

सूरजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र के पालोता का बास गांव में गुरूवार को सेना के जवान विक्रम सिंह का नम आंखों से अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले जब विक्रम सिंह की पार्थिव देह घर पहुंची तो पूरा माहौल गमगीन हो गया। विक्रम सिंह की 17 साल की बेटी साक्षी ने साफ कह दिया कि जब तक आरोपियों को फांसी की सजा नहीं हो जाती, ना तो वे कहीं जाएंगे और अपने पिता की पार्थिव देह ले जाने देंगे।

इसी दौरान साक्षी का छोटा भाई 14 वर्षीय निशांत भी भावुक हो गया। उसने भी अपने पिता को फांसी की सजा देने की मांग की और दो-तीन बार चिल्लाते हुए कहा कि मेरे पिता अब वापिस नहीं आएंगे और कहते-कहते रो पड़ा। जिसे मौजूद लोगों ने सांत्वना दी और सभी बच्चों को पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर साइड में ले जाया गया। इसके बाद जब अंतिम यात्रा रवाना हुई तो दोनों बच्चों ने अपने पिता को कांधा दिया और सेल्यूट भी किया। इससे पहले बीती रात को सूरजगढ़ थाने के बाहर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने चिड़ावा डीएसपी विकास धींधवाल की समझाइश के बाद पार्थिव देह लेने और अंतिम संस्कार करने पर राजी हुए। गुरूवार सुबह राजकीय जिला बीडीके अस्पताल में रखी पार्थिव देह को ले जाया गया। सेना से आए फूलों से सजे ट्रक में पार्थिव देह को रखकर जब गांव ले जाया जा रहा था तो बुहाना-सूरजगढ रोड पर एक बार फिर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने काकोड़ा पेट्रोल पंप के पास गाड़ियों को सड़क पर लगाकर जाम लगा दिया। मौके पर मौजूद एसएचओ हेमराज मीणा और सेना के अधिकारियों ने समझाइश की और करीब एक घंटे बाद जाम खुला। अंतिम संस्कार से पहले गांव के लोगों ने विक्रम सिंह के अंतिम दर्शन करते हुए श्रद्धांजलि दी। वहीं सेना से आई टुकड़ी ने गार्ड आफ आनर दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में मौजूद पूर्व सैनिकों ने भी आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

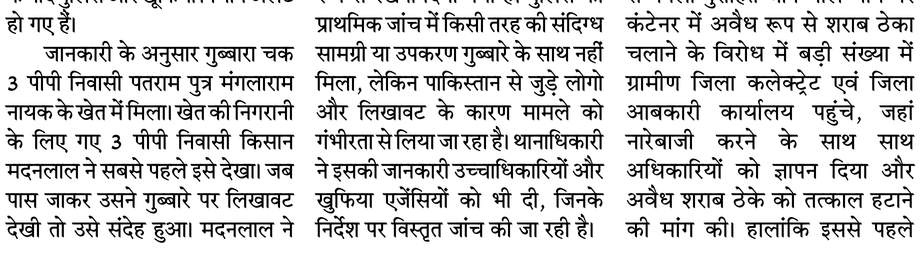

पिता विक्रम सिंह की पार्थिव देह को बेटी साक्षी और बेटे निशांत ने कांधा दिया।

- **अंतिम संस्कार के समय जवान की बेटी और बेटे ने कहा कि पहले हत्यारों को फांसी दो**

विक्रम सिंह पुत्र जगमाल सिंह निवासी पालोता का बास फिलहाल अबोहर पंजाब में 15 राज राइफल्स में कंपनी हवलदार मेजर पद पर तैनात थे। जो सात जून को छुट्टी पर गांव आए थे। 10 जून मंगलवार रात को वह ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में स्कॉर्पियो सवार गांव के ही दो युवकों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाया और खुद के घर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की। रात को परिजनों को सूचना मिली तो उन्होंने विक्रम सिंह को गांव के ही मकान के बाहर से अस्पताल तक पहुंचाया, जहां से उन्हें झुंझुनूं रैफर किया गया। झुंझुनूं में ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बुधवार को भी इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दिनभर धरना प्रदर्शन चला। इस मामले में पुलिस ने दो जनों को राउंडअप किया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है। परिवार में विक्रम सिंह की पत्नी अमिला है। जबकि दो जुड़वा बेटियां 17 साल की साक्षी और छवि है। वहीं बेटा 14 साल का निशांत है।

गोयदानी देदानसर तालाब का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

गोयदानी माहेश्वरी समाज के देदानसर तालाब पर जीर्णोद्धार कार्य के दौरान राधेश्याम गोयदानी, बृजरतन गोयदानी, कैलाश नाहर, ग्वालदास सांवल उपस्थित रहे।

जैसलमेर, (नि.सं)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिले में संचालित किए जा रहे वर्षा जल संरक्षण कार्यों की कड़ी में बुधवार को गोयदानी माहेश्वरी समाज के देदानसर तालाब पर जीर्णोद्धार कार्य प्रारम्भ किया गया। मातृभूमि से कर्मभूमि अभियान के तहत इस तालाब का जीर्णोद्धार कार्य जैसलमेर विकास समिति द्वारा प्रारम्भ करवाया गया है। भू-जल विभाग के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन.डी. इणखिया ने बताया कि इस दौरान जैसलमेर शहर के इस ऐतिहासिक प्राचीन तालाब की आगोर में बबूल की झाड़ियां, कूड़ा कचरा एवं मलबा डालने के कारण इसका मूल स्वरुप बिगड़ गया था। जिसे अभियान के तहत मशीनों के द्वारा हटाने का कार्य शुरू किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत तालाब के पूजन एवं श्रमदान के साथ की गई। इस अवसर पर समाजसेवी चंद्रप्रकाश शारदा , राधेश्याम गोयदानी, बृजरतन गोयदानी, कैलाश नाहर, ग्वालदास सांवल सहित माहेश्वरी समाज के अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

रात्रि चौपाल ग्रामीणों का सहारा बनी, मौके पर ही मिली राहत

फतेहपुरा खुर्द में आयोजित रात्रि चौपाल में एसडीएम कपिल कुमार उपाध्याय ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी।

- अधिकारी त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें : कपिल कुमार उपाध्याय

पावटा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा रात्रि चौपालों के माध्यम से आमजन की समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा रहा है। पावटा पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत फतेहपुरा खुर्द में आयोजित हुई रात्रि चौपाल में उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका त्वरित समाधान किया। इस दौरान पावटा पंचायत समिति विकास अधिकारी सुशीला यादव, तहसीलदार संजय खेड़ा, बीसीएमएचओ कृष्णसिंह, पशु चिकित्सक नवल कुमार पारीक, सीबीईओ धर्मवीर जिन्दौलिया, वन विभाग से शेर सिंह बाकोलिया, सीडीपीईओ मंजू सैनी सहित समस्त ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय को अपनी समस्याएं बताने के लिए इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और उन्होंने मुखर रूप से स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली तथा राजस्व से संबंधित विभिन्न समस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। जिस पर उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए तथा यथासंभव समस्याओं का तत्काल समाधान भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन की सीधी पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाना था। उपखंड अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को चाहिए कि वह फील्ड में जाकर समस्याओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करें।

कार्यशाला आयोजित

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में वन्दे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जिला स्तरीय सीएसआर की कार्यशाला आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने जिला औद्योगिक इकाइयों से इस वर्ष सीएसआर से अधिकतम जल संरक्षण के कार्य कराने का आह्वान किया और हरियालो राजस्थान अभियान के तहत सीएसआर से 4 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है। जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए जिले में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित किया है। जिसके तहत आमजन को जागरूक कर सरकारी योजनाओं के माध्यम से, सीएसआर, जन सहभागिता आदि से जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण एवं जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। उन्होंने जिले में कार्यरत औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से कहा कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों एवं गिरते भूजल के मध्यनजर जिले में जल संरक्षण के कार्य करने की बहुत संभावना है।

जाम से राहगीर परेशान

पावटा। कस्बे में प्रायः लग रहे जाम के कारण घंटों तक यातायात बाधित रहने लगा है। जिससे लोग खासे परेशान हैं। गुरुवार को भी कस्बे में दोपहर में जाम लगा रहा। भीषण गर्मी में जाम के फंसे वाहन सवार लोगों का गुस्सा चरम पर रहा। लोगों का कहना था कि कस्बे में यातायात व्यवस्था सही से संचालित न होने की वजह से आएदिन जाम की वजह से परेशानी झेलनी पडती है। कस्बे के सर्विस रोड, मुख्य मार्ग और बाजार में जाम की समस्या आम हो गई है। जिससे रोज कई स्थानों पर यातायात बाधित बना रहता है। थोड़ी ही देर में ही वाहनों की लंबी लाइनें लग जाती है। जिससे पैदल व्यक्ति भी सड़क पार नहीं कर पाता। कस्बे में भारी वाहन भी तंग सर्विस रोड में घुसकर जाम की समस्या को और बढ़ा देते हैं। गुरुवार को भी नगर के मुख्य मार्ग पर सुबह 11 बजे के करीब जाम लग गया, जिसकी वजह से लोगों को गर्मी में काफी परेशानी हुई। कस्बे में आए दिन जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों की अवैध पार्किंग रोक लगाई

गोली मारकर हत्या करने के मामले में दो आरोपी पकड़े

सांभरझील, (निसं)। नरायना पुलिस ने सेल्समैन की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दो आरोपियों के गिरफ्तार किया है। आनन्द शर्मा पुलिस सह-पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी दी कि रामस्वरूप पानवां कलां गांव जाटो का मोहल्ला ने बताया कि बिना नम्बर प्लेट की थार गाडी में सवार लोगो ने मेरे घर पर फायरिंग की तो हम जान से मारने की धमकी देकर गये है। सूचना अभय कमाण्ड जयपुर ग्रामीण द्वारा पुलिस थाना नरैना को दी गई जिस पर ईचार्ज थानाधिकारी नरैना मय जाप्ते के घटनास्थल के लिए रवाना हुए इसी दौरान पुलिस थाना नरैना पर दूसरी ईतला मिली कि उक्त लोग शाकम्भरी पेट्रोल पम्प (इण्डियन पेट्रोल पम्प) मरवा पर सेल्समेन पर फायरिंग करके भाग गये है तथा मजरुब सीएचसी नरैना में ईलाज हेतु आया हुआ है जिस पर थानाधिकारी नरैना मय जाप्ता के सीएचसी नरैना पहुंचे जहां पर गोली लगे सेल्समैन शैतान गुर्जर पुत्र नारायण गुर्जर उम्र 25 साल निवासी मोरडी खुर्द थाना नरैना जिला जयपुर की मृत्यु हो चुकी थी। पूछताछ पर मालुमात से पता चला की सेल्समेन शैतान गुर्जर पर फायरिंग गोपाल जाट पुत्र श्री अमर चन्द जाति जाट उम्र 30 साल निवासी आदरवा थाना नरैना जिला जयपुर व शैतान डंसानिया पुत्र नारायण जाट जाति जाट उम्र 27 साल निवासी पानवा कला थाना नरैना जिला जयपुर ने की है। घटना की गम्भीरता को देखते हुए फरार अपराधी शैतान जाट व गोपाल जाट को तुरन्त गिरफ्तार करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा आरपीएस के निर्देशन में तथा वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में व थानाधिकारी नरैना, धर्मसिंह, उप निरीक्षक, थानाधिकारी रेनवाल मांझी, मौजमाबाद, थानाधिकारी फुलेरा, थानाधिकारी सांभरलेक, व डीएसटी टीम जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीमों का गठन किया गया। घटना के संबंध में जरिये कन्ट्रोल रुम जयपुर ग्रामीण के मार्फत सम्पूर्ण जयपुर ग्रामीण, अजमेर व नागौर जिले में क्यूएसटी करवाई जाकर नाकाबन्दी करवाई गई। जयपुर ग्रामीण पुलिस की विभिन्न टीमों व स्वत्यवान मीणा उप निरीक्षक थानाधिकारी रूपनगढ जिला अजमेर मय जाप्ता के सहयोग से आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए फायरिंग करने वाले आरोपियों गोपाल लाल पुत्र अमरचन्द उर्फ अमरा राम जाट निवासी आदरवा थाना नरैना तथा शैतान लाल पुत्र गोपाल लाल जाति जाट निवासी पांनवा कलां थाना नरैना जिला जयपुर को डिटेन किया।

बालश्रम उन्मूलन पर सेमिनार

टोंक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, टोंक, जिला बाल संरक्षण इकाई, टोंक एवं गैर-सरकारी संस्था सिकोइडिकोन, टोंक के संयुक्त तत्वावधान में बालश्रम निषेध के प्रति जनजागरूकता बढाने हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ए.डी.आर. मीटिंग हॉल में किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों एवं जागरूक नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, टोंक के सचिव दिनेश कुमार जलूथरिया ने बालश्रम की समस्या पर प्रकाश डालते हुए इसके सामाजिक, मानसिक एवं शारीरिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालश्रम न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि उन्हें शोषण, हिंसा और अनपढ़ता की ओर धकेलता है। उन्होंने कहा कि बाल श्रमिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल्यावस्था का अधिकार नहीं मिल पाता, जिससे वे जीवन भर पिछड़ जाते हैं।

माजीसा प्रभा कुमारी के निधन पर शोक जताया

रानी रत्ना कुमारी की माताजी माजीसा प्रभा कुमारी के निधन पर गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री रानी रत्ना कुमारी की माताजी माजीसा प्रभा कुमारी धर्मपत्नी स्व. राजकुमार बलभद्र चंद जी (चेनैनी रियासत, जम्मू-कश्मीर) का 29 मई, 2025 को स्वर्गवास हो गया। उनकी आत्मा की शांति के लिए गुरुवार, 12 जून 2025 को उनके निवास स्थान, शाहपुरा हाउस, बनीपार्क, जयपुर में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। इस शोकसभा में भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में शहर के नागरिकों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, संघ प्रचारक निंबाराम, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावतस्टू, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, एडीजी वीके सिंह जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक संदीप बक्शी, खालिद खान राघवेंद्र दास जी महाराज मेड सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जल का संरक्षण करने के तरीकों पर चर्चा

कोटपूतली। वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र गोनेडा में फॉर्म पौण्ड, सिंचाई पाईपलाईन, फव्वारा, ड्रीप की जारी प्रशासनिक स्वीकृतियां संबंधित किसानों को वितरित की गई। संयुक्त निदेशक कृषि महेंद्र जैन ने बताया कि कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म सिंचाई, जैविक खेती, विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई एवं केन्द्र में सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। उन्होंने बताया कि किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र गोनेडा द्वारा खेती में किये जा रहे नवाचारों, फार्म पौण्ड, ड्रीप सिंचाई संयंत्रों फसल प्रदर्शन, पशुपालन संबंधी कार्यों का अवलोकन कराया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों, प्रगतिशील किसानों, कृषि विज्ञान केन्द्र गोनेडा के वैज्ञानिकों द्वारा भाग लिया गया। साथ ही मोरिंगा के पौधों का रोपण भी किया गया।

प्रतिभावान बेटियां पुरुस्कृत

अलवर। पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने गुरुवार को दयानन्द सरस्वती मार्ग स्थित आर्य कन्या विद्यालय समिति द्वारा आयोजित शिक्षक एवं प्रतिभावान छात्राओं के सम्मान समारोह 2025 में शिरकत कर अध्ययन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं 10 वीं और 12 वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली 50 प्रतिभावान बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर वन राज्य मंत्री श्रमण ने प्रतिभावान बेटियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि जो समाज पढ़ेगा वो निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा। अतः सभी समाज बेटियों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर उन्हें आगे बढने हेतु प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमारी बेटियां शिक्षा प्राप्त कर प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवाएं देकर देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड मां के नाम अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करने, स्वच्छता व प्रतिबंधित पॉलीथीन का उपयोग नहीं करने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि 10वीं और 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली विद्यालय की प्रतिभावान बेटियों को प्रकृति एवं वन्यजीवों की जानकारी व जागरूकता प्रदान करने हेतु सरिस्का वन्यजीव क्षेत्र में भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान उन्होंने आर्य कन्या विद्यालय के परिसर में अपने दैनिक पौधारोपण करने के संकल्प के तहत पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद गुप्ता, अशोक आर्य, प्रदीप आर्य, बाबू झालानी, सुरेंद्र सक्सेना, कमला शर्मा, प्रद्युम्न कुमार गर्ग, सुरेश मेहता, अशोक मेठी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

- राज्य की प्रगति के लिए शिक्षा, सड़क सहित आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट होना अति महत्वपूर्ण : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय कुम्हेर डीग के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित किया।

डीग भरतपुर (निस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राज्य की प्रगति के लिए शिक्षा, सड़क, चिकित्सा सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का उत्कृष्ट होना अति महत्वपूर्ण है। राज्यपाल गुरुवार को महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय कुम्हेर डीग के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को जो किन्हीं भी कारण से अब तक लाभ से वंचित रह गए है उन्हें लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दूरवर्ती क्षेत्र जहां तक चिकित्सालय, राशन दुकान, विद्यालय आदि नहीं पहुंच पाए है वहां के लोगों को भी जागरूक करते हुए उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ दें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का मूल्यांकन करते हुए योजना के अंतर्गत बनाए जा रहे आवासों में भूतल स्तर सही रखने, वेंटीलेटर सुविधा देने, आवास के दरवाजों को सही ढंग से बनाने सहित अन्य विषयों पर विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन के वास्तुकारों ने अद्भुत स्मारकों और महलों का निर्माण किया है जो आज भी अनुकरणीय है। ऐसे में निर्माण का मानक और स्तर दोनों ही उच्च गुणवत्ता के हो। इस संबंध में उन्होंने सहायक अभियंता से भी इस पर जानकारी ली और वास्तविक स्थिति के बारे में पूछा। उन्होंने जिले में अब तक जारी किए गए पट्टे के बारे में जानकारी ली एवं शेष बचे पट्टों को शीघ्र आवंटित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए उन्होंने घर-घर शौचालय निर्माण, पेयजल की व्यवस्था, जलनिकास, साफ-सफाई आदि कार्यों को प्राथमिकता के साथ लेते हुए पूर्ण करने के निर्देश दिए। बागडे ने प्रत्येक घर में शौचालय सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सेवकों को निर्देशित किया कि वे ग्राम पंचायतों का सर्वे कर डेटा तैयार करे। उन्होंने जिले में पिंक टॉयलेट के बारे में भी चर्चा की और शौचालय के सार्वजनिक उपयोग के लिए सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को जागरूक किया जाए कि वे कचरा सड़क पर न फेंके और न ही उसे जलाएं। उन्होंने कचरे के प्रबंधन को लेकर भूमि पर गड्ढे खोदने पर जोर दिया ताकि कचरे को जलाने के बजाय गड्ढों में रखा जा सके। उन्होंने कहा कि जब गड्ढा भर जाए तो दूसरा गड्ढा खोदा जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पाउडर, वर्मीकम्पोस्ट और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कचरे से खाद बनाई जा सकती है जिससे शहर में कचरे का उचित उपयोग हो सकेगा। राज्यपाल बागडे ने राजीविका के समुह द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिले में राजीविका के समुह द्वारा बनाए जा रहे व्यवसायों को बढ़ाने में उनकी मदद किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की परिकल्पना तब ही साकार हो सकती है जब समूह स्वयं व्यवसाय करे और लाभदायक बनायें। उन्होंने समूहों को मुनाफ़ेवाला बनाने के लिए बैलेंस शीट तैयार करवाने, कच्ची सामठी की लागत निर्धारण, उत्पादन लागत आदि सूचनाओं की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने टैंकर मुक्त गांव बनाने के निर्देश दिए।

आम सूचना श्री प्रेम चन्द पुत्र स्व. श्री हरिशंकर एवं श्री रोहित कुमार पुत्र स्व. श्री हरिशंकर द्वारा संयुक्त रूप से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांकित 27.08.2013 के माध्यम से अचल सम्पत्ति सैकण्ड फ्लोर यूनिट कुल क्षेत्रफल 1600 वर्गफीट स्थित प्लाट नम्बर 183, मोहन नगर, गोपालपुरा बाईपास रोड, जयपुर को क्रय कर, मौके पर वास्तविक भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया। श्री प्रेम चन्द पुत्र स्व. श्री हरिशंकर का दिनांक 31.07.2020 को स्वर्गवास के पश्चात् उपरोक्त सम्पत्ति में स्वर्गीय श्री प्रेम चन्द के अविभाजित 1/2 हिस्से के हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के अन्तर्गत उनकी पत्नी श्रीमती कमला सिंघल, पुत्री श्रीमती रवि अग्रवाल, पुत्र श्री संजय एवम् श्री अतुल कुमार संयुक्त रूप से मालिक काबिज व अधिकारी हुये। श्रीमती कमला सिंघल, श्रीमती रवि अग्रवाल एवं श्री संजय द्वारा उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को श्री अतुल कुमार के हक में त्याग कर, हक त्याग पत्र पंजीवद्ध करवा दिया है। श्री अतुल कुमार द्वारा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को विक्रय किया जाना प्रस्तावित है, उपरोक्त सम्पत्ति एवं संव्यवहार के संबंध में किसी भी आम व खास को कोई उज्र एवं आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजात आम सूचना प्रकाशन से सात दिवस की अवधि मे मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है. इसके पश्चात् किसी भी प्रकार की कोई उज्र एवं आपति मान्य नही होगी।
जयपुर दिनांक :10.6.25 निर्मल कुमार शर्मा, एडवोकेट मो.: 9829684444, 8290384444

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-4018 **जाहिर आम-सूचना** दिनांक-11/6/25
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 250/08 (HIG), (एरिया 264.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री पवन गोयल पुत्र श्री अशोक कुमार गोयल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1218 दिनांक 10.06.2009 को जारी किया गया। श्री पवन गोयल के पक्ष मे उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 07.03.2013 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री पवन गोयल द्वारा उक्त आवास को दिनांक 06.06.2013 के द्वारा श्री हितेश घनश्याम भाई गढ़िया पुत्र श्री घनश्याम गढ़िया एवं श्रीमती कोमल कुमरा पत्नी श्री दिलीप कुमरा को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-प्रथम, के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती कोमल कुमरा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 07.10.2014 के उक्त आवास के स्वयं का 1/2 भाग को श्री हितेश घनश्याम भाई गढ़िया पुत्र श्री घनश्याम गढ़िया को विक्रय कर उप पंजीयक अष्टम, मानसरोवर जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री हितेश घनश्याम भाई गढ़िया के आवेदन करने पर कार्यालय आदेश क्रमांक 12520 दिनांक 21.01.2016 के द्वारा मण्डल रिकार्ड मे नाम दर्ज किया गया। श्री हितेश घनश्याम भाई गढ़िया द्वारा श्री वीर तेजा रियल एस्टेट एण्ड डवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड जरिये निदेशक श्री राजेश कुमार चौधरी पुत्र श्री रामचन्द्र चौधरी को दिनांक 14.03.2022 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री वीर तेजा रियल एस्टेट एण्ड डवलपर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 05.02.2025 के द्वारा श्री जय किशन खत्री पुत्र श्री भगवान दास खत्री को विक्रय कर उप पंजीयक अष्टम, मानसरोवर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्री जय किशन खत्री पुत्र श्री भगवान दास खत्री द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास मे अपना नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है. श्री जय किशन खत्री पुत्र श्री भगवान दास खत्री का नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

नाम परिवर्तन

मै मुस्कान, पुत्री आर्मी नंबर 2998234A एक्स-नायक नरेश सिंह, निवासी ढाणी बधाण, तह.-खेतड़ी, झुंझुनू (राज.)। मेरे पिता के सेवा दस्तावेज में मेरा नाम मुश्कान और जन्म तिथि 08.01.2007 गलत दर्ज है। मेरा सही नाम मुस्कान और जन्मतिथि 10.12.2006 है। शपथ पत्र संख्या 0011208643 दिनांक 11.06.2025

I have changed name of my son from Mokshit Singh to Madhav Raj Singh for all future purpose. Brijesh Kumar R/o 108, Roop Nagar Second, Mahesh Nagar, Tonk Phatak, Jaipur

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) दूदू जिला जयपुर
क्रमांक/भू.अ./2025/1616-17 दिनांक-12/06/25
आम सूचना जरिये प्रार्थना पत्र प्रार्थी बनवारी लाल पुत्र रामा जाति जाट निवासी सनोदिया तहसील दूदू द्वारा मृतक खातेदार रामा पुत्र रामकरण जाति जाट सा0 देह खातेदार के नाम दर्ज खाता स0 132 कुल किता 20 रकबा 3.44 हैक्ट मे हिस्सा सम्पूर्ण खाता संख्या 133 मे किता 06 रकबा 4.42 हैक्ट. हिस्सा सम्पुर्ण, खाता संख्या 134 किता 08 रकबा 4.87 हिस्सा 1/6, खाता संख्या 135 किता 03 रकबा 2.78 हिस्सा 2/3, खाता संख्या 136 किता 11 रकबा 4.89 हिस्सा 1/3, खाता संख्या 44 किता 1 रकबा 0.05 हिस्सा 1/6, खाता संख्या 71 किता 02 रकबा 0.36 हिस्सा 2/9, खाता संख्या 74 किता 01 रकबा 0.10 हिस्सा 1/9 वाके ग्राम सनोदिया की विरासत का नामान्तरण मृतक खातेदार के बजाय उप पंजीयक कार्यालय दूदू मे पंजीबद्ध वसीयत दिनांक 21.01.2022 के आधार पर वसीयत ग्रहिता के पक्ष मे खोलने की कार्यवाही कार्यालय हाजा मे प्रकरण संख्या 05/2024 अन्तर्गत धारा 135 (2) राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम-1956 विचाराधीन है।
खातेदार रामा पुत्र रामकरण जाति जाट सा0 देह खातेदार तह0 दूदू की दिनांक 30.11.2023 को ही मृत्यु हो चुकी है। मुताबिक वसीयत, विधिक वारिसान व वसीयत के गवाहान् द्वारा प्रस्तुत शपथ पत्रो के आधार पर मृतक खातेदार के बजाय बनवारी लाल पुत्र रामा जाति जाट निवासी सनोदिया तहसील दूदू पक्ष मे विरासत का नामान्तरण खोले जाने पर किसी व्यक्ति को कोई आपति / दावा/हक अथवा अन्य कोई वसीयत हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस मे स्वयं अथवा प्लीडर के माध्यम से अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे। कोई दावा / आपति प्राप्त नही होने पर प्रकरण का निस्तारण नियमानुसार कर दिया जायेगा। सूचित रहे।
तहसीलदार (भू.अ.) दूदू-जयपुर

खोया पाया

मेरे प्लॉट नं. 70, गुरू कॉलोनी, गोनेर रोड, जयपुर के मूल कागजात, पट्टा, साईट प्लान, रसीद, मुख्तयारनामा, एग्रीमेन्ट कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें- Jhutha Ram Meena-9829710707

मेरे आवास संख्या 31/79/06 मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। हाकिम लाल मेघवाल मो. 6350081658

मेरे भूखण्ड संख्या I-578 अभिनव विहार विस्तार , का मूल आवंटन पत्र व कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गया हैमिलने पर सम्पर्क करें। कमलेश सैनी-फोन नंबर - 8619097006

हैतुक दर्शित करने के लिये सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 10
सांगानेर जयपुर महानगर (प्रथम)
राजूलाल माली
बनाम श्रीमती कमलादेवी
Case No. 96/24
श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री राजूलाल माली पुत्री श्री हीरालाल R/o खिजुरिया ब्राह्मणान तहसील बस्सी, जिला, जयपुर (राज.).
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिये दिनांक 26 माह 9 सन 2025 को 10:00. ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 06 माह 6 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दी गई।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना
हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण हिमांगिनी राठौड पुत्री श्री चन्द्रशेखर राठौड एवं अनुसुईया राठौड पत्नी श्री चन्द्रशेखर राठौड निवासीगण- 499, नेमी सागर कॉलोनी, क्विंस रोड, वैशाली नगर जयपुर के है। अभी वर्तमान में मेरे अभिभाष्यगण के पिता व पति वृद्धावस्था के कारण उनकी मानसिक एवं शारिरिक स्थिति ठीक नही है। इसलिए उनके द्वारा किसी भी प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में किये गये लेन देन अवैध एवं अमान्य एवं प्रभावशुन्य होगें। क्योकि उनके सोचने समझने की शक्ति मानसिक अस्वस्थता के कारण ठीक नही है। यदि इस आम सूचना के पूर्व भी कोई लेन देन या किमति प्रतिभूतियां, करार इत्यादि श्री चन्द्रशेखर राठौड किसी दीगर व्यक्ति से किये हैं चाहे उक्त चल अचल सम्पतियां जयपुर में स्थित हो या जयपुर से बाहर स्थित हो उसकी सूचना मेरे ऑफिस को इस आम सूचना के 15 दिवस के अन्दर प्रेषित करें। इसलिए आम सूचना के प्रकाशन के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण की बिना भौतिक उपस्थिति के एवं बिना उनकी सहमति क चन्द्रशेखर राठौड के द्वारा की गयी कोई भी लिखावट व करार चल अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में मान्य नहीं होगा। अगर किसी दीगर व्यक्ति / बैंक/ संस्था/ कम्पनी के द्वारा चल अचल सम्पत्ति को क्रय करने या लीज पर देने, लीज राशि प्राप्त करने या मोरगेज आदि से सम्बन्धित कोई कार्यवाही चल अचल सम्पत्ति के बाबत की जाती है तो इस प्रकार की कार्यवाही निष्प्रभावी व शून्य मानी जावेगी।
भवदीय, (अभिनन्दन जैन) एडवोकेट मो. नं. 9314644126

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/383
चूंकि प्रार्थी श्री SHYAM SUNDER VIJAY, 330, VIVEK VIHAR, NEAR RAWAT SCHOOL, NEW SANGANER ROAD, SODALA, JAIPUR 302019 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति, PARMARTH BHAWAN, PLOT NO.-5, MOTI NAGAR-B, KATEVA NAGAR, NEW SANGANER ROAD, SODALA, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/394
चूंकि प्रार्थी श्री DEV PRAKASH KHANDAKA, D-192, JAGDISH MARG, NEAR PAREEK COLLEGE BANIPARK, JAIPUR, RAJASTHAN 302016 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्रीमती सावित्री देवी खण्डाका मेमोरियल ट्रस्ट, PLOT NO. 643, KHANDAKA MARKET SHOP NO. 246 KE PASS, TRIPOLIYA BAZAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/401
चूंकि प्रार्थी श्री घनश्याम शर्मा पुत्र श्री कल्याण सहाय, गोपालगढ़, सामरेड कलॉं, जयपुर, राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मंदिर श्री रामचन्द्र जी दुर्गामाता सेवा ट्रस्ट, श्री दुर्गामाता मंदिर परिसर, श्री जमवाय माता मंदिर के सामने, आंधी रोड, जयपुर, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

आम सूचना
(दिनांक 05.04.2025 की सूचना के अनुक्रम में)
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या ममता अग्रवाल पत्नी श्री महेश कुमार अग्रवाल, निवासी बी 56, गौतम मार्ग, हनुमान नगर, वैशाली नगर, जयपुर 302021 ने प्लॉट संख्या 143, गोम डिफेन्स कॉलोनी, एवेन्यू नम्बर 2, वैशाली नगर, खातीपुरा रोड, जयपुर की समस्त निर्मित तामीरात मय चारदीवारी सहित श्रीमती विदुषी गर्ग पत्नी स्वर्गीय श्री पंकज गर्ग, निवासी 143, गोम डिफेन्स कॉलोनी, एवेन्यू नम्बर 2, वैशाली नगर, खातीपुरा रोड, जयपुर से समस्त प्रतिफल राशि अदा कर दिनांक 25.04.2025 को पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 1193 मे पृष्ठ संख्या 9 क्रम संख्या 202503021109363 एवं अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 4770 के पृष्ठ संख्या 157 से 171 जरिए विक्रय पत्र क्रय कर उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है, जिसकी मेरी अभिभाष्या एक मात्र काबिज, मालिक, स्वामिनी है। इस सम्पत्ति के सम्बन्ध मे किसी संस्था, बैंक या व्यक्ति की कोई उधारी शेष नही है तथा विदुषी गर्ग द्वारा भी समस्त विक्रय प्रतिफल राशि प्राप्त कर पूर्ण होशो हवास मे सम्पत्ति का हस्तान्तरण कर कब्जा एवं स्वामित्व मेरी अभिभाष्या को सम्भलवा दिया है, जिस पर समस्त हक अधिकार मेरी अभिभाष्या के निहित है। सूचना जारी कर दी गई है, ताकि सनद रहे एवं वक्त जरूरत काम आवे।
(प्रमोद गौतम) एडवोकेट, मोबाईल : 9672977465

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: ज.वि.प्रा./जोन-6/2025/डी-1061 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 10.06.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इरफान अली चौपदार पुत्र श्री युसूफ अली चौपदार द्वारा रजि. विक्रय पत्र के आधार पर विकास भवन गृ.नि.स.स. की योजना रामेश्वरधाम-वी के भूखण्ड संख्या 29 क्षेत्रफल 182.27 व.ग. का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने हेतु आवेदन किया है। जविप्रा द्वारा उक्त भूखण्ड की लीजडीड श्री राकेश कुमार पुत्र श्री प्रकाश चन्द के पक्ष में जारी की गई है।
अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/कम्पनी/सह खातेदार व अन्य किसी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा योजना रामेश्वरधाम-वी के भूखण्ड संख्या 29 का नाम हस्तान्तरण श्री इरफान अली चौपदार के पक्ष में जारी करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। मयाद पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी।
उपायुक्त जोन-6, ज.वि.प्रा., जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:4014 जाहिर आम-सूचना दिनांक:11.06.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 250/85 (HIG), (एरिया 265.80 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री तेजूमल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1375 दिनांक 23.05.2011 को जारी किया गया। श्रीमती शान्ति देवी के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 17.06.2011 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती शान्ति देवी द्वारा श्री गजेन्द्र सिंह मीणा पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह मीणा को दिनांक 18.09.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री गजेन्द्र सिंह मीणा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 17.06.2011 के द्वारा श्रीमती ज्योति मीणा पत्नी श्री गिर्राज मीणा को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती ज्योति मीणा के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 3758 दिनांक 07.07.2011 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्रीमती ज्योति मीणा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 02.11.2018 के द्वारा श्री रामस्वरूप जाट पुत्र श्री रामरतन जाट को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-द्वितीय, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती श्री रामस्वरूप जाट पुत्र श्री रामरतन जाट द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपति नही है, श्री रामस्वरूप जाट पुत्र श्री रामरतन जाट का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/300
चूंकि प्रार्थी श्री Mohd. Arif Ashrafi, Plot No-14, Udhyog Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur, Rajasthan 302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास आस्था एजुकेशन सोसाइटी, 216, संजय नगर ए, झोटवाडा, जयपुर, राजस्थान 302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-06-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19/08/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
314 09/06/25 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अति. सिविल न्यायाधीश (क.ख.) एवं न्यायिक मजि. दक्षिण स्थान जयपुर महा. प्रथम
Smt. इन्द्रा राजवंशी विरूद्व मोहनलाल व अन्य
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा वाद सं. 61 सन् 2008
बनाम
Smt. नन्दनी देवी W/o श्री लालचन्द जाति महाजन स्थान: P.No. 53ए, कैलाशपुरी मनोहरपुरा, जगतपुरा, जयपुर राज
वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 30 माह 06 सन् 2025 को दिन में 10.30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 09 माह 06 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
नोट: नकल संल्गन नही है। प्रस्तुतकार
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दक्षिण जयपुर महानगर प्रथम
मोहर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (झोटवाडा जोन) नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
(सामुदायिक भवन, तारा नगर डी, खिरणी फाटक रोड, जयपुर)
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/93 दिनांक :- 11/06/2025
निविदा सूचना सं.- 49 से 50/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (झोटवाडा जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जा रही है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण दिनांक 11.06.2025 09.00 A.M. से नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है व अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number (UBN) JMC2526WSOB00754 To JMC2526WSOB00755 हैं।
अधिशाषी अभियंता (झोटवाडा जोन), नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/25/4158

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर (राज०)
क्रमांक : नियमन/2025/300-301 सार्वजनिक विज्ञप्ति दिनांक : 11.06.2025
आवेदिका श्रीमती अनीता सिंह पत्नी श्री जतीश चौधरी, निवासी हनुमान कॉलोनी, हिण्डौन तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली राज० द्वारा निजी खातेदारी की योजना विमल कुन्ज भरतपुर के आवासीय भूखण्ड संख्या 122 क्षेत्रफल 181.29 वर्गगज के नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया है।
प्राधिकरण द्वारा उक्त भूखण्ड का पट्टा दिनांक 16.09.2010 को श्रीमती प्रेमवती पत्नी स्व० श्री सीताराम राधेश्याम पुत्र श्री कलुआ के पक्ष में जारी किया गया है। जो कि उपपंजीयक कार्यालय में दिनांक 15.12.2010 को पुस्तक सं० 01 जिल्द संख्या 710 में पृष्ठ सं० 102 क्रम संख्या 2010008273 पर पंजीबद्ध है। तत्पश्चात पट्टाधारकों द्वारा भूखण्ड का नाम परिवर्तन 998-99 दिनांक 10.10.2011 को श्री सौरभ सिंघल पुत्र श्री राजेन्द्र सिंघल को कर दिया। इसके उपरान्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन क्रमांक 3287-88 दिनांक 02.11.2017 को श्रीमती निधि पत्नी श्री डॉ० योगेश मित्तल को कर दिया। तत्पश्चात् श्रीमती निधि द्वारा श्रीमती अनीता को जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 17.06.2019 जो कि उप पंजीयक कार्यालय भरतपुर में पुस्तक संख्या 01 जिल्द सं० 1115 में पृष्ठ सं० 94 क्रम संख्या 201903098103251 पर पंजीबद्ध है से क्रय किया है। अतः आवेदिका श्रीमती अनीता सिंह पत्नी श्री जतीश चौधरी के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण किये जाने में किसी व्यक्ति या संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो कृपया विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। गुजरने म्याद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी
नियमन भरतपुर विकास प्राधिकरण भरतपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल शंकर लाल पुत्र स्व0 मुरलीधर निवासी - 1 डी 7, ललिता कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर, राज0 की ओर से सूचित किया जाता है कि इनका पुत्र युधिष्ठर व पुत्रवधु प्रियंका इनके कहे में नही है और ना ही यह मेरे मुवक्किल का मान - सम्मान करते है। इसलिये मेरे मुवक्किल ने इन दोनो को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। कोई भी व्यक्ति, संस्था या दीगर इन लोगो से किसी भी प्रकार कोई भी लेन-देन व मेल-जोल रखते है तो उसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी, मेरे मुवक्किल की नही होगी।
जरिये अधिवक्ता
योगेश कुमार मीणा मोबाइल नं- 9928276736

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मुरलीपुरा जोन नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/94 दिनांक :- 11/06/2025
ई- निविदा सूचना संख्या 99-109/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।
SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB00756 To JMC2526WSOB00766
अधिशाषी अभियन्ता (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
राज.संवाद/सी/25/4157

संक्षिप्त

बाइक में अचानक आग लगी

भरतपुर (निस)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में एक चलती हुई बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक सवार बाइक को सड़क पर ही खड़ा करके दूर भाग गया। तब आसपास के लोगों ने आग पर पाया। बाइक में आग लगते देख लोग दूर से खड़े होकर देखते रहे। आग बुझने के बाद बाइक सवार बाइक अपने साथ ले गया। बाइक से धुआं निकला था मौके पर मौजूद लोकेश गुर्जर नाम के युवक ने बताया कि घटना जनाना अस्पताल के सामने की है। दोपहर करीब 12 बजेकर 30 मिनट पर एक बाइक सवार व्यक्ति वहां से जा रहा था। अचानक उसकी बाइक से धुआं उठने लगा। जिसके बाद बाइक सवार व्यक्ति ने बाइक को जनाना अस्पताल के सामने ही खड़ा कर दिया और बाइक से दूर हट गया। बाइक से धुआं निकलते देख मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। कुछ देर बाद बाइक से आग की लपटें निकलने लगी। आग की लपटों को देख बाजार में अफरा तफरी मच गई। जिसके बाद आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग बुझाया। तब जाकर बाइक सवार व्यक्ति अपनी बाइक को वहां से लेकर गया। बाइक सवार ने समय रहते बाइक को सड़क पर खड़ा कर वहां से दूर भाग गया नहीं तो, कोई बड़ा हादसा हो सकता था।

योग दिवस की तैयारी

निवाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के सफल आयोजन को लेकर पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोर-शोर पर चल रही है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन गुरूवार को दक्ष प्रशिक्षक रामकिशन बहादुरपुरा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के सफल आयोजन को लेकर योग प्रशिक्षण शिविर का सफल संचालन किया जा रहा है। शारीरिक शिक्षकों एवं योग प्रशिक्षकों को योग आसन व प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया। ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ महेंद्रकुमार गुप्ता व सहायक नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्रकुमार शर्मा ने योग दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक अशोक लांगडी, ममता जाट, सचिन गुर्जर, विष्णु जाट व मीनाक्षी गुर्जर सहित कई प्रशिक्षार्थी मौजूद थे।

ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के निर्देशनुसार सेमेस्टर प्रथम बीए पार्ट प्रथम में प्रवेश कार्य ऑनलाइन प्रारंभ हो चुका है। प्राचार्य प्रो. पानमल पहाडिया ने बताया कि महाविद्यालय में हिंदी साहित्य, अंठोजी साहित्य, उर्दू साहित्य, संस्कृत, भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं इतिहास संचालित है। महाविद्यालय में कक्षा 12वीं उर्तीण छात्राएं 10वीं एवं 12वीं की अंकतालिकाएं, जन आधार कार्ड, जाति वं मूल निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड सहित अन्य प्रमाण पत्र के साथ ईमित्र कियोस्क पर 16 जून तक आवेदन कर सकती है। प्रवेश प्रभारी प्रीति जैन ने बताया कि छात्राएं परिस्थिति के अनुसार ड्रापआउट अंतराल होने पर भी प्रवेश ले सकती है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में नियमित कक्षाएं संचालित की जा रही है।

रंजिश के चलते मारपीट

टोंक। सदर थाना क्षैत्र के सौलंगपुरा में मंगलवार रात को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों (पड़ोसीयों) में कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठियों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें दोनों पक्षों के 5-5 लोग घायल हो गए, जिन्हें सआदत अस्पताल में भर्ती करवाया है। इनमें से एक घायल को जयपुर रेफर किया गया है। वहीं दोनों पक्षों ने परस्पर मारपीट व जानलेवा हमला के आरोप लगाते हुए सदर थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई है। वही थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि फूलचंद सैनी और लडडूलाल सैनी दोनो पड़ोसी है, जो मंगलवार की रात को दोनों के परिवारों की पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस दौरान एक परिवार के यहां खाने का कार्यक्रम था, जिस दौरान यह घटना हुई जिसमें दोनो पक्षो में चोटें आईं है, घायलों का मेडिकल करवा गया। पहले पक्ष की तरफ से फूलचंद और दूसरे पक्ष से राजेंद्र सैनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है, मामले में पुलिस द्वारा अनुसंधान जारी है।

भांडारेज बावड़ी में श्रमदान कर सफाई की

भाण्डारेज बावडी में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभूदयाल शर्मा एवं कार्यकर्ताओं ने श्रमदान किया।

दौसा। भाजपा मंडल भाण्डारेज के पदाधिकारियों ने गुरुवार को वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत भांडारेज बावड़ी में श्रमदान कर सफाई की। श्रमदान अभियान का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभूदयाल शर्मा ने किया। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉक्टर प्रभु दयाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में जल का महत्व समझना केवल आवश्यकता नहीं बल्कि जीवन का आधार है। प्रदेश व दौसा जिला में जहाँ, बूंद-बूंद पानी अमृत के समान है, राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 5 जून से 20 जून तक चलाया जा रहा वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा का संकल्प भी है। आज जल संरक्षण के लिए उठाया गया हमारा एक कदम आने वाली पीढ़ी के लिए जीवन का आधार होगा। अभियान के प्रमुख उद्देश्य जल संरचनाओं का जीर्णाद्वार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल प्रबंध हैं। रामजल सेतु लिंक नहर परियोजना इस दूरदर्शिता का अद्भुत उदाहरण है। यह परियोजना न केवल सिंचाई की सुविधा प्रदान करती है बल्कि भूजल स्तर को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगी। इससे किसानों को दोहरा फायदा हो रहा है पानी की उपलब्धता और फसल की बेहतर पैदावार। राज्य सरकार की जल नीति का एक महत्वपूर्ण कदम है, पानी की जरूरत वाली कृषि पद्धितयां, बीज/पौध किस्मों को बढ़ावा देना है। ड्रिप इरिगेशन, स्प्रिंकलर सिस्टम और माइक्रो इरिगेशन जैसी तकनीकों के प्रयोग से प्रदेश के किसान कम पानी में अधिक उत्पादन कर रहे हैं। राज्य सरकार की जल संरक्षण नीति की सबसे बड़ी मंशा जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से आम जनता को जागरूक करने का प्रयास वास्तव में सराहनीय है। जब जन-जन तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचता है, लोग अभियान से जुडते हैं और इसे घर- घर में लोग अपनाते हैं तभी किसी भी नीति की सफलता संभव है। भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सैनी ने बताया कि राजस्थान की जल संरक्षण नीति न केवल राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल बनकर उभरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह सयोजन, जनभागीदारी के साथ मिलकर, भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का काम कर रहा है। आने वाले समय में पूरी दुनिया के सामने जल संकट के सबसे बड़ी वैश्विक समस्या के रूप में उभरने का जरिया है। ऐसे में राजस्थान सरकार की यह दूरदर्शी नीति न केवल राज्य की समस्याओं का समाधान कर रही है बल्कि वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही है। यह अभियान सिद्ध करता है कि जब नीति, तकनीक और जनभागीदारी एक साथ मिल जाते हैं, तो असंभव लगने वाले लक्ष्य भी संभव हो जाते हैं। अतः हम सभी के लिए में बेहद आवश्यक है कि हम राजस्थान सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियानो से जुड़े और जल एवं पर्यावरण को बचाने में भागीदार बनें। इस दौरान भाजपा जिला कार्यालय मंत्री महावीर डोई, जिला मंत्री कमलेश जोशी, पूरण व्यास भाजपा नेता, राकेश महंत, कृष्ण गुर्जर, भैरुसिंह गुर्जर, प्रहलाद सैनी, जयवीर सिंह राजपूत, अमित मीणा, नरेश कुमार मीणा, संतोष सैनी, गिर्राज सैनी मनीष मीणा सहित दर्जनों महिलाएं व पुरुषों ने श्रमदान किया।

जल स्त्रोतों की सफाई की

दौसा। 'वन्दे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को नगर परिषद की ओर से दौसा शहर की प्राचीन बावड़ियों एवं जल स्त्रोतों की सफाई की गई। इधर कृषि एवं उद्यानिकी विभाग ने गोष्ठियां आयोजित कर किसानों को जल संठाहण एवं जल बचत के बारे में जानकारी दी।

नगर परिषद आयुक्त कमलेश मीणा ने बताया कि 'वन्दे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत शहर की प्राचीन बावडियों एवं जल स्त्रोतों की सफाई के लिए अभियान शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत शहर में स्थित पंच कुईया बावड़ी, चाणक्य छात्रावास बावड़ी एवं गुप्तेश्वर तलाई की सफाई की गई। इसी क्रम में शहर की अन्य बावड़ियों एवं जल स्त्रोतों की भी सफाई की जाएगी । कृषि (विस्तार) संयुक्त निदेशक रामराज मीणा ने बताया कि कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से गोष्ठियां आयोजित कर काश्तकारों को जल संग्रहण एवं जल बचत योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को जल संठाहण योजना में फॉर्म पौंड तथा जल बचत योजना में सिंचाई पाइप लाइन एवं फव्वारा ड्रिप योजना के बारे में जानकारी दी गई। फार्मिंग ड्रोन की आधुनिक कृषि तकनीक के बारे में किसानों को बताया गया जिससे कम पानी एवं लागत पर किसानों को अधिक उत्पादन मिल सके। इस अभियान में कृषि (विस्तार) संयुक्त निदेशक रामराज मीणा, उपनिदेशक उद्यान जगदीश प्रसाद मीना एवं जिले के अन्य अधिकारियों ने जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीक एवं योजनाओं की जानकारी दी।

सार-समाचार

मनमाना किराया लेने का आरोप

निवाई। राज्य सरकार जहां आमजन की सुविधाओं के लिए नित नये आवाम स्थापित कर रही है, वही आमजन को आवागमन में परेशानी नहीं हो उनकी सुविधा के लिए लगभग सभी मार्गो पर राजस्थान रोडवेज की बसे संचालित करके एक निश्चित किराया तय कर यात्रियों की राह को सुगम बना रही है। वहीं निजी वाहन चालक अपने मनमाने ढंग से यात्रियों को वाहनों में ठूंस-ठूंसकर ओवरलोड कर यात्रियों की जान की परवाह किए बगैर सफर करवा रहे है। निवाई-बौंली सडक मार्ग पर चलने वाले निजी वाहन चालक मनमानी करते हुए निश्चित किराये से अधिक किराया वसूल कर रहे, यात्रियों द्वारा विरोध करने पर यात्रियों के साथ से झगड़ा करते है, यहां तक की कई बार तो मारपीट पर भी ऊतारू हो रहे है, उसके बाद यात्री को बीच सडक़ मार्ग पर अकेला छोडकऱ निकल जाते है। जिसमें बालिकाओं व महिलाओं को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन यात्रा करने वाले एक यात्री चौथमल माहूर ने बताया कि निजी बस चालक और निजी कार व जीप चालकों की मनमानी निवाई-बौंली सडक़ मार्ग पर प्रतिदिन देखने को मिल रही है। निजी वाहन चालकों पर यातायात विभाग का कोई डर नही होने से यात्रियों से खुली लूट की जा रही है। जहां एक निश्चित दूरी के तय किराये से डबल किराया लेकर यात्रियों का शोषण करके सफर करवाया जा रहा है, जिससें यात्रियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। निजी वाहन चालकों के खिलाफ समय-समय पर कोई ठोस कार्यवाही नही होने से इनके हौंसले बुलन्द हो रहे है, जो आए दिन यात्रियों से बदसलूकी करते देखे जाना आमबात हो गई है। प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों राज्य के यातायात मंत्री एवं उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा एवं जिला कलेक्टर सहित जिला परिवहन अधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल निवाई-बौंली सडक़ मार्ग पर चलने वाले निजी वाहन चालकों के खिलाफ ठोस कार्यवाही करने की मांग की है।

छाबड़ा सम्मानित

निवाई। भारतीय जीवन बीमा निगम के तत्वावधान में विकास अधिकारी शंभुदयाल जांगिड के नेतृत्व में आयोजित समारोह में भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ता शकुंतला छाबडा एवं महावीरप्रसाद छाबड़ा को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने पर सम्मानित किया गया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला, सुनिल भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम की अभिकर्ता शकुंतला छाबडा ने अपने कार्यकाल की सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया जिसके तहत छाबड़ा को निगम ने ट्रॉफी का खिताब देकर सम्मानित किया। जिससे कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा परिवार एवं टोंक जिले के लोगों ने शुभकामनाएं देकर छाबड़ा के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शाखा के ब्रांच प्रबंधक रामचरण मीणा, केशियर नरेश वर्मा व प्रयागराज खण्डेलवाल सहित निगम के कई कर्मचारी मौजूद थे।

स्वच्छता के प्रति जागरूक

निवाई। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए बंधन कोन्नगर संस्था एवं कोटक महिंद्रा बैंक के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण हेल्थ फोरम का आयोजन किया गया। संस्था की कम्युनिटी ऑर्गेनाइजर विनीता बेनीवाल एवं टीम लीडर कल्पना मीणा ने सत्र का संचालन करते हुए मासिक धर्म से जुडी भ्रांतियों को दूर करने एवं साफ-सफाई की महत्वपूर्ण जानकारियाँ को साझा किया। स्वास्थ्य विभाग की एएनएम संगीता गुप्ता ने हेल्थ फोरम का अवलोकन करके महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सलाह दी। उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। इसी के साथ उन्होंने संस्था द्वारा ठाामीण स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। इस अवसर पर संस्था के असिस्टेंट मैनेजर गिरीशकुमार तिवारी व एरिया कोऑर्डिनेटर लक्ष्मीनारायण कहार सहित कई महिलाएं व किशोरियां मौजूद थी।

पाटोत्सव उत्सव मनाया

दूदू। नगर पालिका मुख्यालय पर स्थित गणेश मंदिर में गुरुवार को पाटोत्सव उत्सव मनाया। इस अवसर पर बुधवार की रात्रि को जागरण किया जाकर गायक कलाकार राजेंद्र सिंह पवार की टीम द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी। गुरुवार की सुबह पंडित महेश चंद शर्मा द्वारा गणेश जी की झांकी सजा कर महा आरती के बाद भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया।

राहगीरों के लिए जल मंदिर

दूदू। पुलिस थाना दूदू में गठित पुलिस मित्र टीम द्वारा गुरुवार को तपती गर्मी में आम जन को राहत दिलाने की मंशा से पुलिस थाने के बाहर दिन भर ठंडा पेयजल आम राहगीरों को पिलाया। राहगीरों द्वारा इस कार्य की सराहना की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं थाना निरीक्षक मुकेश कुमार खराडिया तथा पुलिस कर्मचारी व पुलिस मित्र टीम के सदस्य मौजूद रहे।

ईसरदा परियोजना के कार्यों की समीक्षा

■ जिला कलक्टर ने ईसरदा परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य ट्रांसमिशन लाइन का कार्य दिसम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए

दौसा। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने ईसरदा परियोजना के कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित क्षेत्र के सभी राजकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं चिकित्सा संस्थानों में पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नशा मुक्त भारत अभियान पोस्टर का विमोचन किया। जिला कलक्टर गुरुवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला जल और स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

जिला कलक्टर ने ईसरदा परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य ट्रांसमिशन लाइन का कार्य दिसम्बर तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं कोई भूमि संबंधी समस्या आ रही हो तो आपसी समन्वय कर समाधान कराएं। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के सभी राजकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं चिकित्सा संस्थानों में पेयजल कनेक्शन करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाइप लाइन बिछाने के दौरान क्षितठास्त हुई सडकों की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से मरम्मत कराकर संबंधित एजेंसी से एनओसी लेने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुमोदित प्लान के बारे में सभी ठााम पंचायत सरपंचों को अवगत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हर ठााम पंचायत में दो-दो नल जल मित्र शीघ्र लगाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने ठाामीण क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी ठााम पंचायतों में घर-घर कचरा संठाहण के लिए टेंडर जारी कर वर्क ऑर्डर देने और काम चालू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन ठााम पंचायतों में घर-घर कचरा संठाहण का काम चल रहा है वहां कमेटी से रिपोर्ट लेकर कार्य का सत्यापन कराते हुए संवेदक को नियमानुसार शीघ्र भुगतान की कार्यवाही करें। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार मीणा ने कचरा संठाहण केन्द्रों के लिए जमीन चिह्नित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार एवं अन्य अधिकारियों ने नशा मुक्त भारत अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीताराम मीणा, जलदाय विभाग के अधिकारी, पंचायत समितियों के विकास अधिकारी सहित जल और स्वच्छता से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

मोदी सरकार की योजनाओं पर प्रदर्शनी

■ भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था : गौठवाल

टोंक। मोदी सरकार के संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत प्रोफेशनल मीट का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री व खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल रहे। साथ ही मोदी सरकार की योजनाओं की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। प्रोफेशनल मीट में जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया हैं, विगत 11 वर्षों की इस विकास यात्रा नित नए आयाम बने हैं, पीएम मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में सफलता हासिल हुई है, आज देश हर क्षेत्र में कीर्तिमान बना रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से चलाई जा रही आयुष्मान योजना से बुजुर्गों को पांच लाख रुपये का इलाज मिल रहा है। इसके साथ ही गरीबों-वंचितों तक मुफ्त में राशन मुहैया कराया जा रहा है। पीएम मोदी के कार्यकाल में गांव-गांव पक्की सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार में जहां पीने के जल के लिए महिलाओं को कई किलोमीटर पैदल चलकर जल लाना पड़ता था, ऐसी समस्याओं से छुटकारा मिला है। आज महिलाओं के घरों में नल से जल पहुंचाया जा रहा है, यह गर्व और गौरव की बात है कि भारत ने विश्व को विश्वास से जोड़ा है।आज भारत की संस्कृति का अनुसरण पूरा विश्व कर रहा है। मोदी की छवि आज दुनिया में एक सशक्त नेता के रूप में बन चुकी हैं, ऑपरेशन सिंदूर में देश के जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तान को घर मे घुसकर आतंकवादियों को मार उनके ठिकानों को तहस-नहस कर दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सेवक के रूप में काम कर रहे है।

गुमशुदा बालक साढ़े तीन घण्टे में दस्तयाब

टोंक। पुलिस थाना दूनी क्षैत्र से बुधवार को एक 11 वर्षीय बालक के गुम होने की सूचना दूनी थाना में प्राप्त हुई। जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में रामसिंह वृत्ताधिकारी देवली एवं दूनी थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में पुलिस थाना दूनी टीम ने गुमशुदा बालक के परिजनो से सूचना प्राप्त कर गुमशुदा बालक मयंक पुत्र रामअवतार चौधरी उम्र 11 साल निवासी दूनी थाना की तलाश प्रारम्भ की गई।

कार्यवाही के दौरान विशेष टीम ने कस्बा टूनी में बाजार, बस स्टैण्ड आदि स्थानों पर तलाश की तथा तकनीकी व आसूचना के आधार पर गुमशुदा मयंक के जयपुर कोटा लोक परिवहन बस में सरोली मोड, दूनी से कोटा जाने की जानकारी प्राप्त हुई। जिस पर लोकपरिवहन बस के कंडक्टर से संपर्क स्थापित कर विशेष टीम ने को बालक के परिजनो के साथ कोटा रवाना हुये, जहां विशेष टीम द्वारा रात करीब 11.30 बजे बालक को बस स्टैण्ड नयापुरा कोटा से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस थाना दूनी द्वारा संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बालक को मात्र 03.30 घण्टे में दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द कर दिया।

बाली वध की कथा सुनाई

दौसा। राम कथा के सातवें दिन गुरुवार को कथा वाचक आचार्य पण्डित उमेश चन्द्र शास्त्री अटारी भरतपुर ने बाली वध की कथा सुनाई।

आचार्य ने कहा बाली और सुग्रीव भाई थे जो जंगल में राज करते थे इन्हें वनराज भी कहते हैं। दोनों में खूब स्नेह भी था। बाली पराक्रमी राजा था। उसे कोई हरा नहीं सकता था। लेकिन वक्त बीतने के साथ ही दोनों भाई एक दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। जिससे सुठाीव को अपने ही भाई ने छुप कर एक पहाड़ पर रहना पड़ा। लेकिन इतना पराक्रमी बाली कहीं भी पहुंच सकता था। फिर भी वह उस पहाड़ पर जाने मात्र से भय खाता था। इसके पिछे एक बड़ी वजह थी। आचार्य पंडित उमेश चन्द्र शास्त्री अटारी भरतपुर राम कथा में वर्णित कथा के बारे में बताते हैं कि वानरराज बाली के बीच भयंकर युद्ध छिड़ गया। अपने बल से बाली ने दुंदुभि नामक राक्षस का वध कर उसे उसका शरीर एक योजन दूर फेंक दिया था। हवा में उड़ते हुए दुंदुभि के रक्त की कुछ बूंदें मातंग ऋषि के आश्रम में गिर गईं। ऋषि ने अपवित्र रक्त देख क्रोधित हो गए और अपने तपोबल से जान लिया कि यह करतूत किसकी है। मातंग ऋषि ने कहा बाली ने राक्षस का वध किया कोई पाप नहीं। लेकिन एक मृत शरीर के शव के साथ इस तरह का बर्ताव अशोभनीय है। बाली के इस बर्ताव से ऋषि ने श्राप दे दिया और कहा कि बाली कभी भी उनके आश्रम के समीप ऋष्यमूक पर्वत के एक योजन क्षेत्र में आएगा तो उसकी मृत्यु हो जाएगी। इस बात का ज्ञान बाली के साथ ही सुठाीव को भी था। जब दोनों भाई के बीच विवाद छिड़ा तो सुठाीव यहां अपने साथियों के साथ आकर शरण ली। वर्तमान मे ये पर्वत दक्षिण भारत में प्राचीन विजयनगर साम्राज्य के विरुपाक्ष मंदिर से कुछ ही दूर पर स्थित एक पर्वत को ऋष्यमूक कहा जाता था और यही रामायण काल का ऋष्यमूक है। मंदिर के निकट सूर्य और सुठाीव की मूर्ती भी स्थापित हैं। मान्यता है कि इस पर्वत के ही गुफा में हनुमान जी भी उनके साथ रहते थे। आगे चलकर जब रावण ने माता सीता का हरण किया तो उन्हें खोजते हुए भगवान राम और लक्ष्मण की मुलाकात इस पर्वत पर सुठाीव और हनुमान से हुई। बाद में सुठाीव की स्थिति से अवगत होते हुए भगवान श्रीराम ने बाली का वधकर सुठाीव को किष्किंधा का राजा बना दिया।

'जल बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी'

टोंक। गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू हुए वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को उपखंड पीपलू की ग्राम पंचायत बोरखंडीकलां में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद के सीईओ परशुराम धानका ने कहा कि पानी की बचत और उसके स्त्रोतों का संरक्षण करना बेहद जरूरी है। पृथ्वी पर आज पीने योग्य जल सीमित मात्रा में है और इसकी खपत लगातार बढ़ रही है। मनुष्य द्वारा जल का अत्यधिक दोहन और बर्बादी, जल प्रदूषण, वनों की कटाई, शहरीकरण और बारिश का जल संग्रहण नहीं करना गंभीर खतरे के संकेत है। सीईओ ने कहा कि जल बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने बूंद-बूंद से सागर बनता है, हर बूंद को बचाना ही जल संरक्षण है पंक्ति से सभी को जल बचाने का आह्वान किया । उपखंड अधिकारी गणराज बड़गौतिया ने कहा कि अगर आज हम पानी नहीं बचाएंगे तो आने वाली पीढ़िया इसका खामियाजा भुगतेंगी। हमें विरासत में हरी-भरी धरती और समृद्ध जीवन उन्हें देना है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने क्षेत्र के कृषकों से संवाद करते हुए कहा कि आप आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 'जल है तो कल है, के संकल्प के साथ जल संरक्षण के सामूहिक प्रयास करें। कार्यक्रम में आत्मा के परियोजना निदेशक दिनेश कुमार बैरवा ने कहा कि हम रोज छोटी-छोटी आदतों में सुधार कर पानी की बचत कर सकते है।

जल संरचना निर्माण कार्य का उद्घाटन

पावटा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पखवाडे के तहत पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के प्रागपुरा कस्बे में जल ठाहण एवं कृषि विभाग द्वारा जल संरक्षण इकाई फार्मपोंड का उद्घाटन किया । इस दौरान उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय ने बताया कि कस्बा प्रागपुरा में जल संरक्षण इकाई फार्मपोंड का उद्घाटन किया गया तथा आमजन अपने साधन और संकल्प के साथ इस अभियान से जुड़ रहे हैं और प्रदेश की धरा को जल स्त्रोतों से परिपूर्ण एवं हरी भरी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर जीएसएस प्रागपुरा चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत, सहायक कृषि अधिकारी ओम भारती सिसोदिया, जी एसएस सचिव कैलाश स्वामी, प्रागपुरा कृषि पर्यवेक्षक जीतू यादव , कृषि पर्यवेक्षक राजेंद्र कुमार यादव, संतरा देवी , बाबूलाल यादव, नरपाल यादव, दलीप यादव, रामेश्वर यादव , रमेश सहित अन्य ठाामीण मौजूद रहे।

विधायक ने अस्पताल की सुविधाएं जांची

■ अस्पताल जनता की सेवा के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित रहे : कुलदीप धनकड

विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने उप-जिला अस्पताल पावटा का दौरा कर व्यवस्थाएं देखी।

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने उप-जिला अस्पताल पावटा का दौरा किया और वहां मरीजों को दी जा रही सुविधाओं और सेवाओं का निरीक्षण किया। उनके साथ पावटा ब्लॉक बीसीएमएचओ सिंह, उप-जिला अस्पताल पावटा अधीक्षक डॉ. रवि बंसल, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. देवेंद्र शर्मा, अशोक जाट, डॉ.भास्कर, डॉ . खुशबु अठावाल सहित चिकित्सकों की एक टीम भी थी। निरीक्षण के दौरान विधायक धनकड ने अस्पताल के विभिन्न खंडों का दौरा किया, जिसमें मेडिसिन, ओपीडी, ईएनटी, इमरजेंसी वार्ड और डेंटल सेक्शन सहित महिला वार्ड शामिल थे। उन्होंने मरीजों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की और देखभाल की गुणवत्ता और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पर प्रतिक्रिया एकत्र की। ओपीडी में मरीजों के साथ बातचीत करते हुए विधायक ने स्वास्थ्य सेवाओं के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि उनका ध्यान यह सुनिश्चित करने पर है कि अस्पताल जनता की सेवा के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित रहे। अस्पताल प्रशासन के साथ चर्चा के दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने पर्याप्त पार्किंग स्थान की आवश्यकता के बारे में चिंता जताई। उन्होंने एम्बुलेंस सेवाओं के महत्व पर भी चर्चा की, प्रशासन से यह सुनिश्चित करने का आठाह किया कि गंभीर स्थितियों का जवाब देने के लिए एम्बुलेंस हमेशा स्टैंडबाय मोड पर रहें। विधायक कुलदीप धनकड ने चिकित्सा कर्मियों को करुणा की भावना के साथ सेवा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

राज्य मंत्री ने की शिरकत

भरतपुर (निस)। विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने की दिशा में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने राजस्थान के भरतपुर जिले के रारह गाँव में किसानों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने किसानों को नवीनतम वैज्ञानिक कृषि पद्धितयों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य आधारित उर्वरक प्रबंधन, ड्रोन तकनीक के उपयोग तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभों की जानकारी दी। भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर में चल रहे इस अभियान के सफल समापन के अवसर पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें भरतपुर जिले के लगभग 500 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी का संबोधन अपेक्षित था किन्तु गुजरात के दुखद हादसे के कारण उन्होंने अपना संबोधन स्थगित कर दिया और अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए शोक जताया। संस्थान के निदेशक डॉ. विजय वीर सिंह ने जानकारी दी कि अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर और डीग जिलों में गठित 9 वैज्ञानिक टीमों ने 15 दिनों तक इस अभियान में भाग लिया और 405 गाँवों के 60,000 से अधिक किसानों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान किसानों को शुद्ध एवं प्रमाणित बीज के उपयोग, बीजोपचार के लाभ, तथा मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया गया, जिससे उत्पादन में वृद्धि और लागत में कमी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों, रोग प्रबंधन के वैज्ञानिक उपायों, तथा प्राकृतिक खेती के फायदों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें जीवामृत, घनजीवामृत एवं बीजामृत तैयार करने की विधियाँ भी विस्तार से समझाई गईं। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राम स्वरूप जाट, डॉ. भागीरथ राम, डॉ. मोहनलाल दोतानिया, डॉ. ललित कुमार मीना एवं डॉ. हरवीर सिंह ने किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

वेबस्टर पूरी तरह से तैयार लग रहे थे और 'तैयार' बिल्कुल वही शब्द है जो वेबस्टर ने अपने सीमित टेस्ट करियर में अब तक करके दिखाया है। दवाब में वेबस्टर की पारी उनके महत्व को दर्शाती है। - **रिंकी पोंटिंग**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की प्रशंसा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुलदीप हांडू

जम्मू-कश्मीर के एकमात्र द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल का सदस्य बनाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी नियम, 2021 के तहत दो साल की अवधि या राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022 के लागू होने तक, जो भी पहले हो, डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी) के खेल सदस्य के रूप में मंजूरी दी गई है। हांडू ने कहा, नाडा के एडीडीपी पैनल का सदस्य बनना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे इसका सौभाग्य मिला है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं, 807 गोल के साथ, और लियोनेल मेसी के पास सबसे अधिक 45 ट्रॉफियां है।

कमिंस की कातिलाना गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को मिली बढ़त

लंदन, 12 जून। पैट कमिंस (28 रन पर छह विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के दूसरे दिन गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 138 रन पर समेट कर 74 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। आस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाये थे। कमिंस ने आज का पहला विकेट दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बवूमा (36) का लिया और इसके साथ ही वह 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की फेहरिस्त में शामिल हो गये। इसके बाद भी कमिंस की विकेट लेने की भूख कम नहीं हुयी और उन्होने विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरेन (13),मार्को यानसन (शून्य) को एक ही ओवर में निपटा दिया। कमिंस ने कैगिसो रबाडा के तौर पर अपना छठा विकेट हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के लिये डेविड बेडिंघम (45) सर्वाधिक निजी योगदान देने वाले बल्लेबाज बने। उनका भी खेल कमिंस ने खत्म किया। सबसे पहले तो ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने अपनी टीम को डब्ल्यूटीसी 2025 के फाइनल में आगे किया। फिर उन्होंने रिकॉर्ड्स पर रिकॉर्ड्स बनाए। पैट कमिंस डब्ल्यूटीसी फाइनल में फाइफर यानी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। हालांकि, इस मैच में उन्होंने 6 विकेट निकाले और रन सिर्फ 28 दिए। इसके बाद वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के चक्र में जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन गए। बुमराह ने इस चक्र में 77 विकेट निकाले थे, लेकिन कमिंस के विकेटों की संख्या 78 पहुंच गई हैं। जैसे ही कमिंस को इस पारी का छठा विकेट मिला तो टेस्ट क्रिकेट में उनकी विकेटों के मामले में ट्रिपल सेंचुरी भी पूरी हो गई। वे ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के 8वें गेंदबाज बन गए। इसके अलावा कप्तान के तौर पर वह 9 या इससे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने भारत के बिशन सिंह बेदी को पीछे छोड़ा है। इमरान खान और रिची बेनोड ने क्रमश: 12 और 9 बार ये कमाल किया था। करियर में 14वीं बार उन्होंने 5 या इससे ज्यादा विकेट अपने टेस्ट करियर के लिए हैं। इस समय ऑस्ट्रेलिया थोड़ी सी कमजोर लग रही थी, लेकिन इस मैच में पैट कमिंस ने वापसी कराई।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी को कम स्कोर पर समेटा जा सकता था : रबाडा

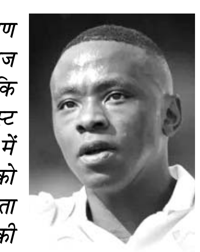

लंदन, 12 जून। दक्षिण अफ्रीका के स्टार गेंदबाज कैगिसो रबाडा का मानना है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में आस्ट्रेलिया की पहली पारी को सस्ते में निपटाया जा सकता था। लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया, जिसके बाद नई गेंद से जिम्मेदारी कैगिसो रबाडा पर आ गई और इस अनुभवी खिलाड़ी ने अल्टीमेट टेस्ट में अपनी छाप छोड़ने में बहुत कम समय लिया। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन को आउट करते हुए रबाडा ने टेस्ट मैचों में अपना 17वां पांच विकेट हॉल हासिल किया। उनके इस स्पैल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने गत चैंपियन को 212 रनों पर समेट दिया लेकिन रबाडा का मानना है कि प्रोटियाज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को और भी पहले ध्वस्त कर सकते थे। लॉर्ड्स में दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए तेज गेंदबाज ने कहा, 212 रनो की चुनौती को हम स्वीकार करेंगे। हमें लगा कि हमें उन्हें 160 पर रोक देना चाहिए था, लेकिन खेल इसी तरह चलता है। ऑस्ट्रेलिया के 146 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद ब्यू वेबस्टर ने 72 रन की शानदार पारी खेलकर पहली पारी की कमान संभाली। रबाडा ने ऑलराउंडर की खूब प्रशंसा की, जिन्होंने अपनी पारी की शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका की तेज गेंदबाजी को भांपकर अपनी रणनीति बदली। उन्होंने कहा, ऐसा लग रहा था कि वह किसी भी गेंद पर आउट हो जाएंगे, लेकिन मुझे लगता है कि उनके सकारात्मक इरादे ने उन्हें जीत दिलाई। रबाडा ने आखिरकार वेबस्टर को आउट किया और एलन डोनाल्ड को पछाड़कर प्रोटियाज के लिए टेस्ट मैचों में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। रबाडा ने इस उपलब्धि पर कहा, गेंदबाजों की इस सूची में शामिल होना खास है। एक खिलाड़ी के रूप में बड़े होते हुए और दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करते हुए, मैं उन लोगों से प्रेरित हुआ हूं जो पहले आए हैं और उन्होंने बड़े मंच पर जो कुछ किया है, उसे देखा है। उन नामों में शामिल होना खास है और यह लंबे समय तक जारी रह सकता है। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के लिए गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन थे, वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने भी लॉर्ड्स में पहले दिन के अंत में अच्छी शुरुआत की। मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल 43/4 पर समाप्त किया।

ऑस्ट्रेलिया की वापसी पर स्टीव स्मिथ खुश

लंदन, 12 जून। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के पहले दिन आस्ट्रेलिया की पहली पारी में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले स्टीव स्मिथ ने कहा कि लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के विकेट गिरने के बाद उनकी टीम की वापसी सराहनीय है। स्मिथ ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के पहले दिन 66 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन पार्ट-टाइम स्पिनर एडेन मार्कराम का सामना करते समय उनका ध्यान भंग हो गया और गेंद स्लिप में चली गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम 212 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ब्यू वेबस्टर ने 72 रनों की पारी खेली। चायकाल के बाद अंतिम पांच विकेट सिर्फ 20 रन पर गिरने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की। मिचेल स्टार्क ने पहले ओवर में मार्कराम को क्लीन बोल्ड करके लय हासिल की। इसके बाद पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने भी एक-एक विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 43 रन हो गया और खेल का रुख पूरी तरह से बदल गया। स्मिथ ने कहा मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में हैं, हमने बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाने के कुछ मौके गंवाए। विकेट ने पूरे दिन कुछ न कुछ दिया, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। 169 रन आगे हैं और उनके चार विकेट गिर चुके हैं। उम्मीद है कि सुबह भी कुछ ऐसा ही होगा, जैसा आज हुआ। यह एक बेहतर दिन हो सकता था, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं। उन्होने कहा मुझे लॉर्ड्स में बल्लेबाजी करना पसंद है और जब मैं क्रीज पर था, तो मैंने अपना समय का आनंद लिया। जब मैं आउट हुआ, तो मुझे लगा कि गेंद नरम थी, लेकिन विकेट अभी भी कुछ दे रहा था और उम्मीद है कि कल भी ऐसा ही होगा।

आईएसएसएफ विश्वकप : सिफत कौर सामरा को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक

नई दिल्ली, 12 जून। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए।

नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई। फ्रांस की अगाथे सेसिल कैमिली गिरार्ड ने भी क्वालीफिकेशन में 592 अंक हासिल किए लेकिन 10 अंक के अंदरूनी हिस्से (एक्स) में अधिक निशाने के कारण शीर्ष पर रहीं। स्विट्जरलैंड की ऑड्रे गोगनियाट क्वालीफिकेश में तीसरे स्थान पर रहीं।

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम : वेंकटेश प्रसाद

दिल्ली, 12 जून। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कहा टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है। लेजेंजजी टी10 लीग का मकसद ही है उस प्रतिभा को मंच पर लाना और मौका देना है। लीग के फाउंडर और सीईओ चिरंजीव दुबे ने कहा कि, यह लीग भारत के युवाओं और जुनूनी क्रिकेटरों के लिए एक बहुत बड़ा अवसर है।

वापसी कभी आसान नहीं होती : गंभीर

नई दिल्ली, 12 जून। लंबे समय बाद भारत इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा जिसके लिए वह जबरदस्त तैयारी में जुटा हुआ है। दोनों टीमें के बीच पांच मैच की टेस्ट सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। मुख्य कोच गौतम गभीर ने करुण नायर की भी तारीफ की जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के

दम पर भारतीय टीम में वापसी की है।भारतीय कोच ने कहा कि, वापसी कभी आसान नहीं होती, जिसने सात साल बाद वापसी की हो, उसका पिछला साल बेहतरीन रहा। उन्होंने कहा कि, आपने जितने रन बनाए हैं और सबसे अहम बात कभी हार ना मानने का जज्बा है जिसने आपको टीम में वापस ला दिया है और ये इस समूह में सभी के लिए प्रेरणादायक है। करुण नायर का स्वागत है। नायर ने कहा कि वह भारत के लिए खेलने का दूसरा मौका मिलने पर आभारी हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर फिर से मिलने के लिए आभारी हूं। मैं इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि एक बार जब मैं मैदान पर उतरूंगा तो मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं होंगी लेकिन अभी मैं उन्हें व्यक्त नहीं कर सकता।

श्रेयस अय्यर के पास ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली, 12 जून। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले कुछ सालों से काफी दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर चाहे वो उनकी बल्लेबाजी हो या कप्तानी दोनों में ही अय्यर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

आईपीएल 2025 में अय्यर ने अपने बैट के साथ-साथ कप्तानी में भी अपनी दमखम दिखाया। पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में अय्यर ने 11 साल बाद फाइनल में पहुंचाया। हालांकि, उन्हें आईपीएल 2025 फाइनल में आरसीबी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी लेकिन ठीक 9 दिन बाद फिर से अय्यर के पास ट्रॉफी जीतने का मौका है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुंबई फैलकंस मुंबई टी20 लीग 2025 के फाइनल में पहुंच गई है। मुंबई टी20 लीग 2025 का फाइनल मुकाबला आजा यानी 12 जून को मुंबई फैलकंस और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। ऐसे में ठीक 9 दिन बार अय्यर के पास दोबारा ट्रॉफी जीतने का मौका है। अब देखना है कि ये क्या अय्यर इस बार ट्रॉफी अपने नाम कर पाएंगे। अय्यर ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी और सीजन दिल्ली ने फाइनल खेला था। लेकिन फिर उनकी टीम खिताब से चूंक गई थी। उसके बाद साल 2024 में अय्यर ने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की और उस सीजन टीम ने खिताब जीता था। फिर 2025 में अय्यर ने पंजाब किंग्स की कप्तानी की और टीम को फाइनल तक पहुंचाया। लेकिन फाइनल में टीम को आरसीबी से हार का सामना करना पड़ा।

बियानी ने शत्रुघ्न का आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में नामांकन रद्द किया

जयपुर, 12 जून। डीसीए करौली की कार्यकारिणी समिति के चुनाव पर हाईकोर्ट द्वारा रोक के बाद जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति, आरसीए ने आरसीए के विधिक सलाहकार रवि भोजक से आरसीए विधिक राय के बाद शत्रुधन तिवारी, सचिव, जिला क्रिकेट संघ भरतपुर का आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में नामांकन रद्द कर दिया है। जयदीप बिहानी, संयोजक, तदर्थ समिति, आरसीए ने आदेश जारी कर कहा है कि शत्रुधन तिवारी डीसीए करौली की कार्यकारिणी समिति के चुनाव कार्यवाही में आरसीए पर्यवेक्षक के रूप में कार्य नहीं करे। क्योंकि हाईकोर्ट के आदेश के बाद चुनाव नहीं कराया जा सकता है इसलिए पर्यवेक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

पहले टेस्ट में साई सुदर्शन को मौका नहीं, भारत की प्लेइंग 11 की तस्वीर साफ

नई दिल्ली, 12 जून। इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया का पहला टेस्ट 20 जून से खेलेगी। इसके लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया लगातार नेट प्रैक्टिस कर रही है। इसी बीच रिपोर्ट आई है कि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मुकाबले में साई सुदर्शन और अभिमन्यु ईश्वरन को मौका नहीं मिलेगा। दरअसल, ये रिपोर्ट नेट्स सेशन के पैटर्न को देखते हुए जारी की गई है। जिससे साफ हो गया है कि विराट कोहली के नंबर 4 पोजिशन पर कौन उतरेगा? इतना ही नहीं टॉप 6 बल्लेबाजों के साथ अब भारत की प्लेइंग इलेवन की तस्वीर भी साफ होती नजर आ रही है।

टीम इंडिया के बुधवार को केंट में नेट सत्र ने संभवत: इस बात के साफ संकेत दिए कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम के टॉप खिलाड़ी कौन हो सकते हैं। रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार, केएल राहुल को अभ्यास सत्र के दौरान तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का सामना करते हुए देखा गया। ऐसे में माना जा रहा है कि केएल ही यशस्वी जायसवाल के जोडीदार होंगे। जबकि रोहित शर्मा के बाद साई सुदर्शन के टीम में शामिल होने पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि सुदर्शन नए सलामी बल्लेबाज हो सकते हैं। हालांकि, हाल ही में हुए नेट सेशन में ऐसी कोई संभावना नहीं दिख रही है।वहीं, दूसरे नेट पर कप्तान शुभमन गिल और करुण नायर गेंदबाजों के खिलाफ अभ्यास करते नजर आए। नायर करीब 8 साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं।

श्रीगंगानगर ने जयपुर को 43 रनों से हराया, कोटा-उदयपुर-सीकर भी जीते

जयपुर, 12 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्माने बताया कि बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की पूर्व तैयारियों की लिए आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के निर्देशानुसार राजस्थान क्रिकेट संघ द्वाराबीसीसीआई सीनियर रणजी ट्रॉफीक्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रहीराज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता मेंश्रीगंगानगर, कोटा, उदयपुर व सीकर जीते।

कॉल्विनशील्ड के छठे दिन गुरूवार को श्रीगंगानगर टीम ने बड़ा धमाका कर दिया। जयपुर के केएल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में श्रीगंगानगर ने टूर्नामेंट में खिताब की बड़ी दावेदार जयपुर की टीम को 43 रनों से हरा दिया। श्रीगंगानगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुमित गोदारा की 161 रनों की धमाकेदार पारी के दम पर 348 रनों का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में जयपुर की टीम निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 305 रन ही बना सकी। जयपुर के लिए भावित कुमावत ने 105 रनों की शतकीय पारी खेली लेकिन वो टीम को जिताने के लिए पर्याप्त नहीं रही।मैच में शानदार शतकीय पारी खेल श्रीगंगानगर को जयपुर की मजबूत टीम के विरुद जीत दिलाने वाले श्रीगंगानगर के सुमित गोदारा को मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी की ट्रॉफी प्रतियोगिता के ऑब्जर्वर जालोर जिला क्रिकेट संघ के सचिवसतीश व्यास द्वारा प्रदान की गयी।कॉल्विनशील्डके अन्य मुकाबलों में उदयपुर ने अलवर को 54 रनों से शिकस्त दी। दिन का तीसरे मुकाबले में कोटा ने झालावाड़ को रोमांचक संघर्ष में 9 रन से हराया। जबकि दिन का चौथा और आखिरी मुकाबला सीकर और बाड़मेर के बीच खेला गया। जिसमें सीकर ने 56 रनों से जीत दर्ज की। सुमित गोदारा ने श्रीगंगानगर के लिए 161 रनों की पारी खेली। जयपुर के लिए भावित कुमावत ने 105 रनों की शतकीय पारी खेली। दिन का तीसरा शतक कोटा के कुणाल सिंह राठौड़ के बल्ले से निकला। कुणाल ने झालावाड़ के खिलाफ 135 रनों की पारी खेली।

आज सुमित गोदारा , भावित कुमावत , कुणाल सिंह राठौर के शतक वमानेन्द्र सिंह , शिवा चौहान , सलमान , अरमान, अनिरुद्ध सिंह, रजत चौधरी, अमोल चेलानी, मुकुल चौधरी, जगदीश डूडी, लखन भारती,जयेश पंडिता के अर्धशतक, सलाउदीन ,धनञ्जय तिवारी , तनवीर, मो सलीम, पुष्पेंद्र सिंह,दीपेंद्र सिंह, विनोद कुमावत व हेमंत स्वामी की शानदार गेंदबाजी रही।

पवन कुमावत का वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग थाईलैंड के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 12 जून। राजस्थान स्ट्रैंथ लिफ्टिंग के सचिव चन्द्रेश सोनी ने बताया कि राजस्थान जयपुर के पवन कुमावत का 16 से 19 जुलाई तक होने जा रही वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग थाईलैंड के लिए सीनियर वर्ग 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम मे चयन किया गया। पवन कुमावत का चयन हाल में हुई सिनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता हरियाणा में ट्रायल के आधार पर किया। पवन कुमावत ने इस पहले भी भारत के लिए कई पदक दिला चुके हैं । कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौर की देखरेख में पवन कुमावत तैयारी कर रहे है। पवन कुमावत ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता पिता जगदीश प्रसाद, नान्छी देवी, कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठोड को दिया। पवन कुमावत का लक्ष्य देश को गोल्ड मेडल दिलाना है।

आर.डी. बाहेती जिला बैडमिंटन में जयवर्धन ने जीता पुरुष एकल व बालिका अंडर-17 पदमजा ने जीता

जयपुर, 12 जून। आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला बैडमिंटन ओपन प्रतियोगिता में खेले गए पुरुष एकल का खिताब जयवर्धन सिंह,अंडर 17 बालिका वर्ग एकल खिताब पदमजा सिंह ने जीता। फाइनल में जयवर्धन सिंह ने अंबर चंद्रवंशी को दो सीधे गेमों में 21 -12, 21- 12 आसानी से हराया वहीं बालिका वर्ग एकल अंडर 17 में पदमजा और अपेक्षा का कड़े संघर्ष के बाद तीन गेमों में फैसला हुआ पहला गेम पदमजा 21-17 से जीती दूसरा 12 - 21 से हारने के बाद तीसरा गेम 21- 14 से जीत 48 मिनट में फाइनल अपने नाम किया, वहीं मिक्स डबल्स अंडर 15 में श्रेयांश चौधरी और आराध्या ढींगरा की जोड़ी ने तीन सेटों में मनन शर्मा व पदमजा सिंह की जोड़ी को 21-18, 12 -21, 21 -17 से हरा फाइनल जीता। लड़कों के अंडर 15 फाइनल डबल्स में अभिषेक और कीर्तिराज यादव की जोड़ी को 21- 10 ,21 -13 से हरा फाइनल जीता, वही बालिका वर्ग अंडर 15 डबल्स में ओजस्वी दुबे और पर्ल पारिक की जोड़ी ने 21- 12 ,21- 18 कनिष्का व खुशी फाईनल में हराया। गर्ल्स डबल्स अंडर 17 के फाइनल में अदविका अग्रवाल और गरिमा यादव की जोड़ी ने 21 -14 ,21 -9 से ओजस्विता दुबे और पर्ल पारिक की जोड़ी को हराकर खिताब अपने नाम किया। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री अतुल गुप्ता के अनुसारआज अंडर 11 बालक बालिकाओं के दो राउंड के मैच तथा अंडर 13 बालको के एक राउंड के मैच खेले गए। जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार कल अंडर 11, अंडर 13, अंडर-19 के मैच खेल जाएंगे।

चौगान स्टेडियम जयपुर द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 16 से

जयपुर, 12 जून। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम जयपुर द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रतीभा खोज खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 16 जून से 30 जून तक किया जाएगा। भामाशाहों के सहयोग से ये कैंप पिछले 50 वर्षों से लगातार चल रहा है। इसमें खिलाड़ियों को टी शर्ट और सर्टिफिकेट का वितरण राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा किया जाता है। इसकी शुरुआत एस एस किसान द्वारा की गई थी। जिला खेल कूद प्रशिक्षण केंद्र चौगान स्टेडियम ओर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ये दूध चना शिविर लगाया जाता है।

जिला खेल अधिकारी मान सिंह के अनुसार इस प्रशिक्षण शिविर में फुटबाल, वुशु, खो-खो, ताईक्वांडो, बॉक्सिंग, कबड्डी, बास्केटबाल, नेटबाल, बॉल बैडमिंटन, भारत्तोलन, हैण्डबॉल खेलों में चयनित खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इच्छुक खिलाडी जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम जयपुर के कार्यालय में सम्पर्क कर अपना पंजीयन करवा सकते है। प्रशिक्षण प्रात: 06:30 बजे से 08:30 बजे तक और सांयकाल 5 बजे से 7 बजे तक रहेगा।

21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

तीरंदाजी में पिंकी व मनोज बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 12 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा बांसवाडा में आयोजित 21 दिवसीय केन्द्रीय आवासीय जनजाति खेलकूद प्रशिक्षण शिविर गुरूवार को सम्पन्न हुआ। 9 खेलों में आयोजित शिविर में सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि व राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा ने सभी खेलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया। समारोह की अध्यक्षता मुख्य शिविर निदेशक और द्रोणाचार्य अवार्डी व मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने की जबकि विशिष्ट अतिथि डीएसपी श्याम सिंह थे।

समारोह में सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें तीरंदाजी बालको में मनोज निनामा, पिंकी मईडा, एथलेटिक्स में पवन कुमार डिंडोर व अंजली मईडा, फुटबाल में आशिष डामोर व चंचल मीणा, हैंडबाल में रमेश मकवाना व नंदनी, हॉकी में सुभाष व रेखा मनात, कबड्डी में जितेन्द्र व धन्वनती, खो-खो में सचिन कुमार डामोर व निशा गरासिया, वॉलीबाल मे कीर्तन कुमार व अर्चना को सम्मानित किया गया जबकि बास्केटबाल में केवल बालक वर्ग का ही शिविर आयोजित किया गया था, इसमें दीपक बांमणिया को सर्वश्रेष्ठ खिलाडी के रूप में पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिविर निदेशक व खेल प्रबन्धक नरेन्द्र भूरिया ने शिविर के बारे में लेखा जोखा पेश किया।

जबकि वीरेन्द्र पूनिया ने कहा कि 21 दिन तक जो मेहनत आप बच्चो ने की है, उसे आगे भी इसी तरह से जारी रखना। साथ ही उन्होने बच्चो को आगे बढने के बारे में बताते हुए कहा कि कडी मेहनत ही इसका एक मात्र मंत्र है।

हाई कोर्ट ने इंडियन होटल्स के खिलाफ आदेश पर रोक नहीं लगाई

■ कमर्शियल कोर्ट ने ज्यादा उपयोग में ली जा रही जमीन पर 1984 से 2024की अवधि की लाइसैंस फीस के 1.52 करोड़ रूपये 90 दिन में देने का निर्देश दिया था।

जयपुर, 12 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की जय महल पैलेस होटल्स की 2.74 एकड़ जमीन पर अवैध तरीके से अतिक्रमण कर इसका उपयोग करने से जुड़े मामले में, जयपुर मेट्रो-द्वितीय की कमर्शियल कोर्ट-एक के 28 मार्च 2025 के आदेश में दखल से मना कर दिया।

इसके साथ ही अदालत ने द इंडियन होटल्स कंपनी की ओर से इस आदेश पर रोक लगाने के लिए दायर प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। जस्टिस अशोक कुमार जैन व जस्टिस मुकेश कुमार राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश दिए।

खंडपीठ ने कहा कि कमर्शियल कोर्ट ने दोनों पक्षकारों के बीच में संतुलन स्थापित किया है और इस आदेश में किसी तरह का दखल देने की जरूरत नहीं है।

अधिवक्ता आरपी सिंह ने बताया की प्रार्थी, द इंडियन होटल्स की ओर से अपील में कमर्शियल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कोर्ट ने ज्यादा उपयोग में ली जा रही जगह के बदले 2 जून 1984 से लेकर 31 मई 2024 तक की अवधि के लिए लाइसेंस फीस के तौर पर 1.52 करोड़ रुपए की राशि 90 दिन में देने का निर्देश दिया था।

वहीं एक जून 2024 से बढ़ी हुई राशि लाइसेंस की फीस 84 लाख रुपए हर साल देना तय किया था। इसके अलावा यदि 31 मई 2029 तक प्रस्तावित मध्यस्थता की कार्रवाई का निस्तारण नहीं हो तो प्रार्थी की ओर से हर साल 6 लाख रुपए की बढ़ोतरी करते हुए लाइसेंस फीस दी जाएगी। अपील में इंडियन होटल्स का कहना था कि कमर्शियल कोर्ट ने उन्हें होटल में उनके कब्जे वाले क्षेत्र से बेदखल नहीं करने से अप्रार्थी को पाबंद किया है, लेकिन बिना किसी क्षेत्राधिकार से उन्हें लाइसेंस फीस के तौर पर 90 दिन में राशि जमा करवाने का निर्देश दिया है। ऐसे में कमर्शियल कोर्ट ने उन पर लाइसेंस फीस के तौर पर राशि जमा करवाने की शर्त गलत लगाई है। इसलिए कोर्ट के इन निर्देशों पर रोक लगाई जाए। तथापि हाईकोर्ट ने इन निर्देशों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

मोदी ने 11 वर्ष में कोई वादा नहीं निभाया- राहुल

नयी दिल्ली, 12 जून। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गुरुवार को सीधा हमला करते हुए हर वादा तोड़ाने का आरोप लगाया और कहा कि पिछले 11 वर्षों में उन्होंने देश की जनता से कई वादे किए, लेकिन कोई भी वादा निभाया नहीं।

कांग्रेस नेता ने आज कहा कि मोदी लोगों को लुभाने के लिए खूब वादे करते हैं, लेकिन कोई वादा पूरा नहीं करते। वे वादा तोड़ते हैं, इसलिए उनका हर वादा जुमला साबित हो जाता है। उन्होंने देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने की बजाए, सपने तोड़कर उन्हें बेरोजगार बनाया है। गांधी ने यहां जारी बयान में कहा, प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में हर वादा तोड़ा। दो करोड़ नौकरियाँ देने का वादा, जुमला बन गया। पकौड़े तलवाए, फॉर्म भरवाए, लेकिन कोई दिशा नहीं दी। डिग्री के बाद भी नौकरी नहीं, तैयारी के बाद भी भर्ती नहीं, मेहनत के बाद भी सम्मान नहीं।

'मतदाताओं के नाम व्यक्तिगत फॉर्म के आधार पर जोड़े जाते हैं'

महाराष्ट्र मुख्य चुनाव अधिकारी ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज किया

■ उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों का निर्माण राज्यभर के 288 मतदान पंजीकरण अधिकारियों द्वारा एक लाख से अधिक मतदान केन्द्र स्तरीय अधिकारियों, बीएलओ के द्वारा जमीनी स्तर पर कराये गये सर्वे के आधार पर तैयार होती हैं।

नयी दिल्ली, 12 जून। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की मतदाता सूचियों के बनाने में गड़बड़ी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को खारिज करते हुए महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने गुरुवार को कहा कि सूचियों में मतदाताओं के नाम को जोड़ने-घटाने का काम आबादी में वृद्धि के किसी अनुमान के आधार पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत फार्म के आधार पर किया जाता है।

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि कांग्रेस नेता गांधी ने हाल में आखबारों में लेख के माध्यम से सूचियों में गड़बडी के जो आरोप लगाए, उनका तथ्यवार जवाब पहले दिया जा चुका था, लेकिन उन्होंने उन्हीं आरापों को दोहराया है। बयान में कहा गया है कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण नियमावली 1960 के अंतर्गत, मतदाता सूचियों में काटछांट की कोई केन्द्रीय व्यवस्था नहीं हो सकती है। कार्यालय ने कहा है कि महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों का निर्माण राज्यभर के 288 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों द्वारा एक लाख से अधिक मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारियों -बीएलओ के द्वारा जमीनी स्तर पर कराए गये सर्वे के आधार पर किया जाता है। तैयार सूचियों का मसौदा हर पार्टी को उपलब्ध कराया जाता है, ताकि उसके आधार पर दावे और आपत्तियां की जा सकें।

गांधी के आरोप को भ्रामक बताते हुए राज्य निर्वाचन कार्यालय ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा के 2019 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के बीच 32.25 करोड़ मतदाता शुद्धरूप से बढ़े थे। इस दौरान 1.39 करोड़ नाम जुड़े और 1.07 करोड नाम कटे थे। इसी तरह 2024 के लोकसभा चुनाव और उसी साल कराए गये विधानसभा चुनाव के बीच 84.82 लाख नाम जुड़े और 8 लाख नाम कटे थे। इस तरह इस दौरान सूची में 40.81 लाख नामों का इजाफा हुआ था। इनमें से 26 लाख मतदाता 18 से 29 आयु वर्ग के थे। इस तरह 2019 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा के चुनाव के बीच मतदाताओं की संख्या में 1.39 करोड़ की वृद्धि हुई थी जबकि 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच 48.82 लाख नाम जुड़े थे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के परिणाम आने से पहले कांग्रेस पार्टी या उसके प्रत्याशियों ने सूचियों को लेकर कोई गंभीर आरोप नहीं लगाया था।

विमान दुर्घटना की विस्तृत जाँच होगी

नयी दिल्ली, 12 जून। नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने कहा है कि अहमदबाद में गुरुवार को हुये विमान हादसे की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच करायी जायेगी।नायडू ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के बाद संवाददाताओं से कहा कि वे हादसे के बाद से गहरे सदमे में हैं। इस समय वे यात्रियों और उनके परिवारों के बारे में सोच रहे हैं। अभी वे हताहतों की संख्या के बारे में कुछ नहीं कहना चाहते। कई एजेंसियां बचाव और राहत कार्य में लगी हुयी हैं। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना की निष्पक्ष और विस्तृत जांच करायी जायेगी और यह पता लगाया जायेगा कि यह दुर्घटना किस वजह से हुई।नायडू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें फोन कर, दुर्घटना स्थल पर रहने को कहा है। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटनाग्रस्त विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे।

गौरतलब है कि आज दोपहर बाद अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान उड़ान भरने के तत्काल बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

'सवा लाख लीटर ईंधन था, किसी को बचाने का मौका नहीं मिला'

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डीएनए जांच के बाद मृतकों की संख्या स्पष्ट होगी

■ अमित शाह ने कहा कि 10 मिनट में भारत सरकार के पास सूचना पहुंच गई थी। भारत सरकार और गुजरात सरकार के सभी विभाग एक साथ होकर राहत और बचाव कार्य में लगे थे।

अहमदाबाद, 12 जून। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में पहुंच कर घायलों और एअर इंडिया विमान हादसे में एकमात्र जीवित शख्स से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और गुजरात के मुख्यमंत्री और तमाम शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की और पूरे हादसे व राहत-बचाव कार्य की जानकारी भी ली।

इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाहने कहा, दोपहर एयर इंडिया की विमान संख्या एआई-171 दुर्घटनाग्रस्त हुई। कई यात्रियों के हताहत होने की संभावनाएं हैं। इस घटना से पूरा देश स्तब्ध है... पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। सबसे पहले मैं भारत सरकार, गुजरात सरकार, प्रधानमंत्री की ओर से हताहत हुए लोगों को प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। 10 मिनट में ही भारत सरकार के पास सूचना पहुंच गई। तुरंत ही मैंने सभी से संपर्क किया। प्रधानमंत्री का भी फोन आया। भारत सरकार और गुजरात सरकार के सभी विभाग एक साथ राहत और बचाव कार्य में लगे हैं।

उन्होंने आगे कहा, इस विमान में कुल मिलाकर देश और विदेश के 230 यात्री और 12 क्रू मैम्बर सवार थे। इसमें से एक यात्री के बचने का अच्छा समाचार मिला है। मैं उनसे मिलकर आया हूं। मृत्यु का आंकड़ा डीएनए परीक्षण और यात्रियों की पहचान के बाद ही अधिकृत रूप से जारी होगा। घटना के तुरंत बार गुजरात सरकार ने आपदा प्रबंधन की सारी इकाइयों को अलर्ट करते हुए मिलकर राहत- बचाव का कार्य चालू कर दिया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आगे बताया कि घटना के दौरान विमान में सवा लाख लीटर ईंधन था, जिससे तापमान इतना ऊंचा हो गया कि किसी को बचाने का मौका ही नहीं मिला। सभी यात्रियों के शव को निकालने का काम लगभग पूरा हो चुका है। जितने यात्रियों के परिजन पहुंच गए हैं, उनका डीएनए लेने का काम भी 2-3 घंटे में पूरा हो जाएगा। जिनके परिजन विदेश में हैं, उनको सूचित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री ने दूरभाष के माध्यम से परिजनों से बात कीं और उन्हें ढांढ़स बंधाया।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना की जानकारी मिलते ही शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर प्रस्तावित सभी बैठकों सहित, अन्य कार्यक्रम निरस्त कर दिए। मुख्यमंत्री जयपुर में कल 13 जून को आयोजित होने वाले योग महोत्सव में भी शिरकत नहीं करेंगे। वहीं, शुक्रवार को बांसवाड़ा में प्रस्तावित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को भी रद्द कर दिया गया है। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की अत्यंत दुखद घटना पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश संगठन स्तर पर अपने कार्यक्रमों को निरस्त करने का निर्णय लिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार, हादसे की गंभीरता को देखते हुए पार्टी ने 13 जून तक प्रदेश में प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों को स्थगित करने का निर्णय लिया है। गुरुवार को जैसे ही घटना की जानकारी प्राप्त हुई, तत्क्षण सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया गया।

जिला उपभोक्ता आयोग के पीठासीन अधिकारी को क्यों बर्खास्त किया?

■ हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा।

जयपुर, 12 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय के पीठासीन अधिकारी को बर्खास्त करने से जुड़े मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगते हुए मामले की सुनवाई 19 जून को तय की है। अवकाशकालीन न्यायाधीश आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश ग्यारसी लाल मीना की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को बिना सुनवाई का मौका दिए बर्खास्त किया गया है। राज्य सरकार ने बर्खास्तगी आदेश जारी करने से पूर्व याचिकाकर्ता को न तो जांच रिपोर्ट सहित अन्य जरूरी दस्तावेज मुहैया कराए और ना ही उसे सुनवाई का मौका दिया गया। याचिका में कहा गया कि राज्य उपभोक्ता आयोग बार एसोसिएशन की शिकायत के आधार पर राज्य सरकार ने याचिकाकर्ता को सेवा से पृथक किया है। जबकि नियमानुसार उसके खिलाफ कार्रवाई करने से पूर्व उसे भी सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए था। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से केविएटर के तौर पर अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर अदालत में पेश हुए। उनकी ओर से याचिका में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने मामले की सुनवाई 19 जून को तय करते हुए राज्य सरकार को जवाब पेश करने को कहा है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने बीते दिनों जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष याचिकाकर्ता पर कई आरोप लगाते हुए उन्हें बर्खास्त कर दिया था।

प्लेन क्रैश क्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ पर, यह तोड़फोड़ की साज़िश का नतीज़ा था या वाकई में एक एक्सीडैन्ट था, इस सवाल का जवाब प्लेन निर्माता बोइंग कम्पनी आदि के लिए बहुत जरूरी है। क्योंकि, इससे यह सवाल जुड़ा हुआ है कि मृत यात्रियों के परिवार को कितना मुआवज़ा मिलेगा। एक्सीडैंट है या मशीन का फेलियर, इस पर मुआवज़े की राशि में करोड़ों डॉलर का फर्क पड़ सकता है।

आधारित है, लेकिन कुछ संभावनाएं सामने आई हैं, जो इस दुर्घटना का कारण हो सकती हैं।

एयर इंडिया की उड़ान 171, जो अहमदाबाद से लंदन की नियमित उड़ान पर थी, के दुर्घटनाग्रस्त होने को लेकर कई तरह की थ्योरियाँ सामने आ रही हैं।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) के ए.आई. सर्च इंजन ग्रोक के अनुसार: यह संभव है कि विमान के फ्लैप्स की गलत सैटिंग इस दुर्घटना का एक बड़ा कारण बनी हो। वीडियो सबूतों से संकेत मिलता है कि टेकऑफ के समय फ्लैप्स 0 डिग्री पर थे, जिससे गर्म मौसम (37सै.) और पूर्ण फ्यूल लोड के साथ लिफ्ट कम हो जाती है। बोइंग 787-8 के लिए ऐसे मौसम में टेकऑफ के समय फ्लैप्स आमतौर पर 15 से 20 डिग्री पर होने चाहिए, ताकि उचित उड़ान संभव हो सके। यह स्पष्ट नहीं है कि यह पायलट की गलती थी या हाल में हुए विमान के पुनर्निर्माण के दौरान आई कोई तकनीकी खराबी। बर्ड स्ट्राइक जैसे अन्य कारणों की संभावना कम मानी जा रही है। क्रैश का कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

यह मानना कठिन है कि हादसा बर्ड स्ट्राइक के कारण हुआ। 787 जैसे सभी विमान इस तरह के हादसों की स्थिति में एक इंजन पर उड़ान भरने में सक्षम होते हैं, ताकि वे सुरक्षित रूप से लौट सकें और लैंड कर सकें। लेकिन पायलट द्वारा बार-बार कहा जाना कि "थ्रस्ट नहीं है" और "लिफ्ट नहीं है"-यह दर्शाता है कि या तो इंजन ने काम करना बंद कर दिया या फ्लैप्स, जो विमान को उड़ान भरने और ऊपर चढ़ने की गति देते हैं, ने सही तरीके से कार्य नहीं किया। यह यांत्रिक गडबडी थी या जानबूझकर की गई साजिश, यह तो जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

डी.जी.सी.ए. और दुर्घटना की जांच कर रही इकाई पहले ही अहमदाबाद पहुंच चुकी है। उम्मीद की जा रही है कि विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग और अमेरिका का नैशनल ट्रान्पोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एन.टी.एस.बी.), जो सभी दुर्घटनाओं की यू.एस. सुपरवाइज़र बॉडी है, भी इस जांच में हिस्सा लेंगे, क्योंकि यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर है और यात्रियों के परिजनों को मुआवज़ा देने में करोडों डॉलर खर्च होने वाले हैं। ये मुआवज़े इस बात पर निर्भर करेंगे कि हादसे का कारण साजिश, तकनीकी गड़बड़ी या पायलट की गलती -क्या था। फिलहाल, पायलट की गलती सबसे कम संभावित कारण प्रतीत होती है, लेकिन जब तक जांच पूरी नहीं होती, किसी भी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

एयर इंडिया फ्लाइट 171 के एकमात्र ज्ञात जीवित यात्री, ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश के अनुसार "टेकऑफ के 30 सेकंड बाद जोर की आवाज़ आई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सब कुछ इतनी जल्दी हुआ। जब मैं उठा तो मेरे चारों ओर लाशें थीं"।

इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के कारण एयर इंडिया की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठे हैं। टाटा समूह के लिए यह उनकी प्रतिष्ठा पर एक गहरा आघात है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुस्साए यूज़र्स ने यह कहते हुए अपनी नाराज़गी जाहिर की कि टाटा की विस्तारा जैसी बेहतरीन एयरलाइन (जो विश्व में 18वें स्थान पर थी) को एयर इंडिया (जो विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर थी) में नहीं मिलाना चाहिए था।

पूर्व सैनिक से 1.30 करोड़ रु. की ठगी करने वाला गिरफ्तार

नैनीताल, 12 जून। उत्तराखंड की साइबर पुलिस ने पूर्व सैनिक से 1.30 करोड़ की धनराशि हड़पने के मुख्य आरोपी को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। विशेष जांच दल (एसटीएफ) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने गुरुवार को बताया कि चंपावत के लोहाघाट के सेना के पूर्व जवान से साइबर ठगों ने 1.30 करोड़ की धनराशि हड़प ली। सइबर ठगों ने पीड़ित को बताया कि उसका नाम नरेश गोयल हवाला कारोबार मामले में सामने आया है। उसके खिलाफ मुम्बई में मामला दर्ज है। आरोपियों ने पीड़ित को सीबीआई और ईडी का भय दिखा कर कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा और इस दौरान पीड़ित की बैंक में जमा समस्त धनराशि को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा करायी जा रही जांच के नाम पर अपने विभिन्न बैंक खातों में जमा करा लिया।

काफी बेचैनी सी है, भाजपा के कैडर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ अतः अगर, जातिगत जनगणना में यह तथ्य उभरा कि कुछ जातियों को सत्ता में पूरी "भागीदारी" नहीं मिल रही है तो आरक्षण बढ़ाने की माँग पनपेगी और इस माँग की अगर पूर्ति होती है तो भाजपा का मूल समर्थक, सवर्ण वर्ग पीड़ित होगा।

जनगणना में जाति पहचान के आधार पर लोगों की गणना करना। आखिरी बार यह व्यापक रूप से 1931 में ब्रिटिश शासन के दौरान किया गया था। तब से, भारतीय जनगणनाओं में विस्तृत जातीय आंकड़े शामिल नहीं किए गए हैं, केवल अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को छोड़कर।

भाजपा की राजनीतिक रणनीति अक्सर एक अखिल हिंदू पहचान पर ज़ोर देती है, न कि उप-जातीय पहचानों पर। जाति जनगणना इस एकता को तोड़ सकती है, क्योंकि इससे उप-जातीय मांगें और विभाजन की माँग फिर से सक्रिय हो सकती हैं।

विस्तृत जातीय आंकडे ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेताओं और क्षेत्रीय दलों जैसे राजद (राष्ट्रीय जनता दल), सपा (समाजवादी पार्टी), जदयू (जनता दल यूनाइटेड) को सशक्त कर सकते हैं, जो अपडेट किए गए जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर अधिक आरक्षण या संसाधनों के पुनर्वितरण की मांग कर सकते हैं।

यह भाजपा की ओबीसी समूहों के बीच पकड़ को कम कर सकता है, जो उनके लिए एक महत्वपूर्ण वोट बैंक हैं।

यदि जातीय आंकड़ों से यह पता चलता है कि ओबीसी या अन्य समूहों का प्रतिनिधित्व कम है, तो आरक्षण को बढ़ाने या विस्तार करने के लिए भारी दबाव पड़ेगा, जिसे भाजपा अपने सवर्ण जनाधार के कारण टालना चाह सकती है।

भाजपा एक व्यापक गठबंधन है, जिसमें सवर्ण, ओबीसी और दलित शामिल हैं। जाति जनगणना इन आंतरिक विभाजनों को और गहरा कर सकती है और विभिन्न समुदायों की प्रतिनिधित्व की मांगें बढ़ा सकती है, जिससे वर्तमान संतुलन बिगड़ सकता है।

सरकार ने दावा किया है कि दस वर्षीय जनगणना के हिस्से के रुप में जातिगणना कराना लॉजिस्टिक और तकनीकी दृष्टि से कठिन है।

कांग्रेस, राजद, जदयू, सपा, द्रमुक और अन्य विपक्षी दल इसका समर्थन कर रहे हैं।

यहां तक कि नीतीश कुमार (जदयू) और तेजस्वी यादव (राजद) ने बिहार में 2023 में एक जाति आधारित सर्वेक्षण की अगुवाई की, जो एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम बन गया।

हालिया चुनावों में, विशेषकर बिहार में और 2024 लोकसभा चुनावों से पहले, राहुल गांधी और कांग्रेस ने "जितनी आबादी, उतना हक" (जनसंख्या हिस्सेदारी के आधार पर समान अधिकार) का नारा दिया, जिसका उद्देश्य जातीय आंकड़ों का उपयोग कर हाशिए पर पडे समुदायों को सशक्त बनाना था।

मोदी सरकार की जाति जनगणना करवाने की अनिच्छा के मूल में है राजनीतिक रणनीति, सामाजिक विभाजन का भय और सत्ता संतुलन में बदलाव का विरोध, जबकि सरकार इसे प्रशासनिक व्यावहारिकता का मामला बताती है। कई आलोचक और विपक्षी नेता इसे जाति आधारित असमानता से टकराने से बचने के लिए एक जानबूझकर की गई कोशिश मानते हैं।

टाटा समूह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छात्रावास भवन के पुर्निर्माण में मदद की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह इस अकल्पनीय दुख के समय में प्रभावित परिवारों और समुदायों के साथ खड़ा है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का संचालन टाटा समूह के हाथ में है।

अहमदाबाद विमान हादसे के शिकार ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान में 230 यात्री और चालक दल के दो पायलट सहित 12 सदस्य सवार थे।

'यूपी सरकार ने अयोध्या में शराब की दुकानें खुलवायीं'

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में आरोप लगाया।

नई दिल्ली, 12 जून। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अयोध्या में शराब की दुकानें खोले जाने को लेकर गुरुवार को उत्तर प्रदेश सरकार पर जबरदस्त प्रहार किया। ज्ञातव्य है कि 1 मई, 2025 को राम मंदिर जाने वाले 13 किमी के पूरे रास्ते पर शराब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। नये एआईसीसी मुख्यालय, "इन्दिरा भवन" पर एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि साहबगंज, अंगूरी बाग, विकास गंज, अयोध्या कैन्ट तथा बस स्टैण्ड पर शराब की दुकानें खोली गई हैं। उन्होंने कहा कि यह राम की नगरी अयोध्या पर ही नहीं, हिन्दुत्व का दम भरने वाली सरकार पर भी एक कलंक है। जहाँ स्थानीय म्यूनिसपल कॉर्पोरेशन ने अयोध्या में शराब की दुकानों पर रोक लगा रखी है, वहीं राज्य सरकार शराब के ठेकों के लाइसेंस जारी कर रही है। एक प्रश्न के उत्तर में अजय राय ने कहा कि नगर निगम की कार्य समिति ने राम मदिर जाने वाली 13 किमी लम्बी सड़क पर शराब और मटन की बिक्री पर रोक लगा दी थी।

कमल हासन सहित राज्य सभा के लिये 6 निर्विरोध निर्वाचित

चेन्नई, 12 जून। तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए सभी छः उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित हो गये, जिनमें अभिनेता से नेता बने मकाल निधि मेयम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन भी शामिल हैं।

पीठासीन अधिकारी एवं विधानसभा सचिव बी सुब्रमण्यम ने आधिकारिक तौर पर यह घोषणा करते हुए बताया कि नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख पर आज किसी भी उम्मीदवार के नामांकन वापस नहीं लेने के कारण, सभी छः उम्मीदवारो को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिया गया है। उन्होंने बाद में सभी उम्मीदवारों को इस आशय का प्रमाण पत्र भी दिये।

विजयी उम्मीदवारों में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तीन, उसके सहयोगी दल एमएनएम के एक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के दो उम्मीदवार शामिल है।

मोदी, शाह, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाये जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक पर एक पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने विमान दुर्घटना में पीड़ित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति एवं संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, "ब्रिटेन के नागरिकों को लेकर अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुए दुर्घटनाग्रस्त विमान की तस्वीरें भयावह हैं।

■ ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने पीड़ित व्यक्तियों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

हवाई जहाजों व हवाई यात्रा में ''सेफ्टी'' का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दुर्घटना हुई है, लेकिन यह स्पष्ट नही हो पाया है कि इस दुर्घटना का कारण तोड़फोड़ थी, तकनीकी खराबी थी या पायलट की गलती। भारतीय विमान दुर्घटना जाँच ब्यूरो और बोइंग ने संयुक्त रूप से जाँच शुरु कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर समेत वैश्विक नेताओं ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

जहाँ इस दुर्घटना के आधिकारिक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और ब्लैक बॉक्स डेटा और तकनीकी विश्लेषण के जरिए इसके कारणों तक पहुँचने में हफ्तों या महीनों का समय लग सकता है, वहीं, सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की शुरुआती चुप्पी पर विपक्षी दलों और विमानन सुरक्षा विशेषज्ञों की तरफ से तीखी आलोचना सामने आई है। गुरुवार देर शाम तक सरकार की ओर से हताहतों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, हालांकि अपुष्ट रिपोर्ट्स में भारी संख्या में मौतों और घायलों की बात कही गई है।

इस घटना ने नरेन्द्र मोदी सरकार को ऐसे समय में बैकफुट पर खड़ा कर दिया है, जब वह भारत को एक वैश्विक विमानन हब के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है। विमानन क्षेत्र के तेजी से बढ़ने के बावजूद, आलोचकों का मानना है कि नियामक निगरानी, आधारभूत ढांचे में सुधार और सुरक्षा जांचों की गति, फ्लीट और यातायात के विस्तार के अनुरुप नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस दुर्घटना के पीछे कुछ गहरी प्रणालीगत खामियां हो सकती हैं। एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ पायलट ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, यह सिर्फ एक अलग-थलग घटना नहीं है; यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती है। जब एक अच्छी तरह से मेंटेन किया गया विमान, अनुभवी क्रू के बावजूद, सामान्य मौसम में दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो यह पायलट की गलती या तकनीकी खराबी मात्र से कहीं आगे की एवं बड़ी बात होती है।"

सूत्रों के अनुसार, एआई-171 की मेन्टिनैंस जाँच इस वर्ष की शुरुआत में हुई थी और उसे संचालन के लिए फिट घोषित किया गया था।

लेकिन विमानन विश्लेषकों का मानना है कि भारत के घरेलू बेड़े के कुछ विमान, विशेष रूप से 10 साल से अधिक पुराने, ऐसे घिसाव-क्षरण (वेयर एण्ड टेयर) के शिकार हो सकते हैं, जो सामान्य जांचों में सामने नहीं आते। भारत के विमानन नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) पर अब न केवल एयर इंडिया, बल्कि पुराने विमान संचालित करने वाली सभी एयरलाइनों की गहन ऑडिट का दबाव है।

विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर राजनीति शुरू कर दी है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मोदी सरकार पर विमानन सुरक्षा की अनदेखी करने और केवल निजीकरण तथा छवि-निर्माण पर ध्यान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "यह दुखद दुर्घटना सरकार के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। निजीकरण एवं विस्तार की दौड़ में सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।"

जनता की चिंता और भी ज्यादा बढ़ने का कारण यह तथ्य है कि यह हादसा अहमदाबाद जैसे प्रमुख शहर में हुआ है, जिससे आपातकालीन प्रतिक्रिया की तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चश्मदीदों ने घटनास्थल पर अफरातफरी और एंबुलेंस व फायर सर्विस के देर से पहुंचने की शिकायत की, जिससे और अधिक जानें चली गईं।

इस त्रासदी की पृष्ठभूमि में, केन्द्र सरकार ने एक उच्च स्तरीय जांच का आश्वासन दिया है, लेकिन विमानन जगत केवल औपचारिकता से संतुष्ट नहीं है। सिविल सोसायटी संगठनों और विमानन यूनियनों ने स्वतंत्र जांच एवं एयर सेफ्टी ऑडिट के लिए अतिरिक्त फंडिंग और सुरक्षा चूकों की रिपोर्टिंग में अत्यधिक गहन पारदर्शिता की मांग की है।

जहाँ देश निर्दोष नागरिकों की मौत का शोक मना रहा है, वहीं, यह दुर्घटना भारत की विमानन नीति के लिए एक निर्णायक क्षण साबित हो सकती है। मोदी सरकार, जिसने उड़ान योजना और कई नए हवाई अड्डों जैसे बुनियादी ढांचा विकास के बड़े लक्ष्य तय किए हैं, के लिए यह त्रासदी एक सख्त चेतावनी है कि किसी भी विस्तार की योजना में सुरक्षा को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। देखना यह है कि क्या यह घटना असली नीतिगत बदलाव लाएगी या सिर्फ एक और सरकारी फाइल बनकर रह जाएगी।

अहमदाबाद विमान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसमें आग लग गयी। कुछ अपुष्ट रिपोर्टों में बताया गया है कि अस्पताल परिसर के हॉस्टल के भवन में मौजूद करीब 15 डॉक्टर भी घायल हुये हैं।दुर्घटना के सभी विवरणों के समन्वय के लिये नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। इसके संपर्क नंबर 011-24610843 और 9650391859 हैं। एयर इंडिया ने भी जानकारी उपलब्ध कराने के लिये हॉटलाइन नंबर 18005691444 स्थापित किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, हम सभी प्रभावितों को त्वरित प्रतिक्रिया और पूर्ण सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अग्निशमन की गाड़ियां और पुलिस के दस्ते घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगे हैं। केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (नैशनल डिज़ास्टर रैस्पाँस फोर्स एन.डी.आर.एफ.) की टीमें घटनास्थल पर भेजी गयी हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की टीमें भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुकीं हैं।

एयर इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखर ने कहा कि यात्रियों के परिजनों की मदद के लिए एयरलाइंस ने विशेष सूचना केन्द्र स्थापित कर दिये हैं।भारतीय रेलवे ने भी अहमदाबाद से मुंबई, दिल्ली और अन्य स्थानों के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही इन विशेष ट्रेनों की घोषणा की जायेगी।

क्रैश में बचा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरफ आग की लपटें थीं।

उन्होंने यह भी बताया कि मुझे एंबुलेंस के जरिए अस्पताल लाया गया। हादसे के बाद रमेश विश्वास कुमार सड़क पर खुद चलता नजर आया। हालांकि वह लंगड़ा रहा था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908